सूर्योदय 6:22 सूर्यास्त 6:34

आज का तापमान

शिमला	08.0 न्यू	16.0 अधि
धर्मशाला	11.0 न्यू	20.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,533
निफ्टी	23,114
सोना	1,45, 900
चांदी	2,45,000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 23 मार्च 2026 | 10 चैत्र, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 83, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

चैत्र नवरात्र

पंचम स्वरूप मां स्कंदमाता

नवरात्र के पांचवें दिन देववासुर संग्राम के सेनापति भगवान स्कंद अर्थात कार्तिकेय जी की माता स्कंदमाता की आराधना होती है। कमल पुष्प के आसन पर विराजमान होने से इन्हें पद्मासना देवी भी कहा जाता है। चेहरे पर विशेष तेज लिए देवी स्कंदमाता सिंह पर सवार रहती हैं। इनकी गोद में विराजमान हैं, इन्हीं की सूक्ष्म स्वरूप छह सिर वाली देवी। इनकी चार भुजाएं हैं। दो हाथों में कमल पुष्प सुशोभित हैं, एक हाथ वर मुद्रा में है और एक हाथ से अपनी गोद में विराजमान स्कंद को संभाले हुए हैं। सूर्यमंडली की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण उपासक अलौकिक तेज एवं कांति से संपन्न हो जाता है। भवसागर के दुखों से मुक्ति पाकर सुलभ मार्ग बनाने का इससे उत्तम उपाय दूसरा नहीं है। यह देवी समस्त ज्ञान, विज्ञान, धर्म-कर्म और कृषि उद्योग सहित पंच आवरणों से समाहित विद्यावाहिनी दुर्गा भी कहलाती हैं। मां अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करती हैं। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी बन जाता है।

मंत्र : सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रित करद्वया। शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्वी।।

बजट प्रावधानों से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था : मुख्यमंत्री

कहा-आत्मनिर्भर हिमाचल बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे ये प्रावधान

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में किए गए प्रावधान प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान करेंगे और वर्ष 2030 तक आत्मनिर्भर हिमाचल के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस गांवों को विकास की मुख्य धुरी बनाकर किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करना है। मुख्यमंत्री ने बीते शनिवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का 54,928 करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। मुख्यमंत्री ने अपने विजन को स्पष्ट करते हुए कहा कि वर्ष 2030 तक आत्मनिर्भर हिमाचल बनाना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी दोहराया कि असली तरक्की उसी दिन मुकम्मल मानी जाएगी, जब समाज के आखिरी छोर पर खड़ा व्यक्ति भी खुशहाल होगा। इस सोच के साथ सरकार केवल राहत देने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसा मजबूत निजाम कायम कर रही है, जहां ग्रामीण युवा खेती और पशुपालन को इज्जत और मुनाफे का जरिया समझें।

◆ **किसानों, पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना सरकार का ध्येय**

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए दुग्ध क्षेत्र में ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं। गाय के दूध का खरीद मूल्य 51 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये प्रति लीटर और भैंस के दूध का मूल्य 61 से बढ़ाकर 71 रुपए प्रति लीटर किया गया है। इसके साथ ही ए-2 दूध के लिए 100 रुपये प्रति लीटर का विशेष मूल्य तय कर देसी नस्लों को बढ़ावा देने की ठोस पहल की गई है। किसानों के हित में प्रोत्साहन राशि को भी दोगुना कर 6 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है, ताकि फायदा सीधे उनके खातों में पहुंचे और उनकी आमदनी में स्थायी बढ़ोतरी हो। खेती-किसानी को बाजार की अनिश्चितता से बचाने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में भी अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। प्राकृतिक गेहूं का मूल्य 80 रुपए, मक्की का 50 रुपए और कच्ची हल्दी का 150 रुपए प्रति किलोग्राम तय किया गया है, जबकि पहली बार अदरक के लिए भी समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। इसके अलावा किसानों की आवाज को नीति निर्माण में प्रभावी स्थान देने के लिए राज्य किसान आयोग के गठन की घोषणा एक दूरगामी कदम के रूप में देखी जा रही है।

6 माह के लिए 50 फीसदी वेतन छोड़ पेश की मिसाल

वित्तीय चुनौतियों के बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपनी 50 प्रतिशत वेतन राशि अगले छह महीनों तक स्थगित करने का निर्णय लेकर एक मिसाल कायम की है। वहीं, 'मुख्यमंत्री अपना सुखी परिवार योजना' के तहत एक लाख जरूरतमंद परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली की घोषणा भी सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट आर्थिक अनुशासन और सामाजिक संवेदनशीलता के संतुलन का प्रतीक है, जो हिमाचल को आत्मनिर्भर, मजबूत और समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

अब एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति में नहीं आएगी कमी

अमेरिका से एलपीजी, रूस से क्रूड ऑयल लेकर भारत पहुंचे दो जहाज

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर एक कार्गो शिप रविवार को मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। वहीं, रूस से एक जहाज क्रूड ऑयल लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में 5 जहाज करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे। इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात में अडानी पोर्ट्स आया था। वहीं, दो अन्य एलपीजी कैरियर एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस लेकर 16 और 17 मार्च को भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे।

फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है। यहां से दुनियाभर की करीब 20% ऑयल की सप्लाई होती है। भारतीय झंडे वाला क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर आया था। इस टैंकर में करीब 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल था। यह तेल यूएई से आया, जिसे फुजैराह पोर्ट पर लोड किया गया था। अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। (अनंत ज्ञान)

राज्यों को आज से 20% ज्यादा मिलेगी एलपीजी

केंद्र सरकार ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट से पहले के स्तर (प्री-क्राइसिस लेवल) के 50% तक पहुंच जाएगी।

पीएम ने पश्चिम एशिया में बने हालातों पर की मीटिंग

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार को अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के कारण पश्चिम एशिया में बने संघर्ष के हालात पर हाई लेवल मीटिंग हुई। पीएम आवास पर आयोजित बैठक में 3.30 घंटे तक पेट्रोलियम, कच्चा तेल, गैस, बिजली और फर्टिलाइजर्स की स्थिति को लेकर चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि देश में जरूरी चीजों की सप्लाई बिना रुकावट जारी रहे, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

न्यूज शॉर्ट्स

मंडी में आधी रात को लगे भूकंप के झटके

अनंत ज्ञान, मंडी। हिमाचल प्रदेश में आधी रात को भूकम्प के झटके लगे हैं। भूकंप के लिहाज से सबसे संवेदनशील मंडी जिला में शनिवार मध्य रात्रि भूकंप के हल्के झटकों से धरती हिली। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.4 रही। ये झटके रात 12 बजकर 15 मिनट पर कुछ सेकंड तक रहे। हालांकि तीव्रता कम होने की वजह से इसका ज्यादा असर लोगो ने महसूस नहीं किया। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक भूकंप का केंद्र मंडी में 31.47 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.97 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रहा और इसकी गहराई जमीन की सतह से पांच किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों के कारण किसी तरह का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है।

महिला की लाश के साथ 13 घंटे उड़ता रहा विमान

एजेंसी, लंदन। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में रविवार को एक महिला यात्री की टेकऑफ के करीब 1 घंटे बाद मौत हो गई। इसके बाद उनका शव पूरे 13 घंटे तक विमान में ही रखा रहा। शव को विमान के पीछे वाले हिस्से में रखा गया था, जहां फर्श गर्म था। इसी वजह से धीरे-धीरे बदबू फैलने लगी, जिससे पीछे बैठे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह घटना हॉन्गकॉन्ग से लंदन जा रही फ्लाइट में हुई। महिला की उम्र करीब 60 साल थी। पायलट ने फ्लाइट को बीच में रोकने या वापस लौटने के बजाय लंदन तक जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि नियमों के मुताबिक ऐसी स्थिति को आमतौर पर इमरजेंसी नहीं माना जाता। वहीं, एयरलाइन ब्रिटिश एयरवेज ने कहा कि सभी नियमों का सही तरीके से पालन किया गया और वे महिला के परिवार के साथ हैं। (अनंत ज्ञान)

घरेलू फ्लाइट्स का आज से बढ़ सकेगा किराया

एजेंसी, नई दिल्ली। अब एयरलाइन कंपनियां घरेलू फ्लाइट्स का किराया सीटों की मांग की हिसाब से बढ़ा सकेंगी। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने हवाई किराए पर लगी रोक को हटा दिया है। आदेश के मुताबिक यह फैसला 23 मार्च से लागू होगा। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया लगाया गया था। सरकार ने एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18000 रुपए तय किया था। एयरलाइन इससे ज्यादा दाम नहीं ले सकती थीं। पूरे सेक्टर में उड़ानों की क्षमता बहाल हो गई है तथा परिचालन सामान्य हो गया है। समीक्षा के बाद, यह फैसला किया गया है कि किराए पर लगाई गई सीमा को 23 मार्च से हटा दिया जाएगा। अपने आदेश में, मंत्रालय ने यह भी कहा कि एयरलाइंस को कीमतों के मामले में अनुशासन बनाए रखना होगा और जिम्मेदारी से काम करना होगा। (अनंत ज्ञान)

मंडी के कोटली में भूस्खलन से दहशत, खाली करवाए नौ घर

अनंत ज्ञान

कोटली। मंडी जिले के कोटली उपमंडल के सुराड़ी क्षेत्र के रोपड़ू गांव में रविवार को हुए भीषण भूस्खलन ने लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा और चट्टानें गिरने से एक गौशाला पूरी तरह जमींदोज हो गई, गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

खतरे को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नौ घरों को खाली करवा दिया और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण पहाड़ी की मिट्टी कमजोर हो गई थी। वहीं, गांव के ऊपर चल रहे हाईवे निर्माण कार्य के दौरान की गई कटिंग को भी लोग इस घटना की बड़ी वजह मान रहे हैं। उनका आरोप है कि पहाड़ी के साथ छेड़छाड़ के चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई है, जिससे अब पूरे गांव पर खतरा मंडरा रहा है।

एसडीएम कोटली जगदीश चंद्र ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क पर गिरे मलबे और बड़े बोल्डर को हटाने के लिए मशीनों की मदद ली जा रही है, ताकि आवाजाही बहाल की जा सके। साथ ही लोगों को संवेदनशील क्षेत्र के पास न जाने की सख्त हिदायत दी गई है।

नशा तस्करी में संलिप्त मुख्य आरोपी कठुआ से गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सीआईए नूरपुर की टीम ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी को पकड़ा, जिससे नशा तस्करी के संगठित गिरोह पर प्रभावी कार्रवाई संभव हो पाई है। पुलिस मुख्यालय शिमला से जारी जानकारी के अनुसार, इस मामले की शुरुआत 11 अक्तूबर 2025 को कंडवाल बैरियर पर नाका चेकिंग के दौरान हुई थी, जब 6.044 किलोग्राम चरस बरामद की गई थी और जिला मंडी के तीन आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान मुख्य आरोपी शुभकरण निवासी समकेहर, तहसील जवाली, जिला कांगड़ा की पहचान कर उसे चंडीगढ़ से काबू किया गया। आगे की पड़ताल में यह खुलासा हुआ कि बरामद मादक पदार्थ की खेप कठुआ निवासी विजय कुमार उर्फ वीके तक पहुंचनी थी, जिसे अब उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया गया है।

ईरान ने इसराइल पर दागीं 4 बैलिस्टिक मिसाइलें

मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इसराइल के ऊर्जा ढांचों पर हमला करने की चेतावनी

एजेंसी, तेहरान/तेल अवीव

ईरान ने इसराइल पर रविवार सुबह से 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। टाइम्स ऑफ इसराइल के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इसराइली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इसराइल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर हमला करेगा।

इससे पहले ईरान ने शनिवार रात भी इसराइल के डिमोना और अराद शहरों पर हमला किया था।

यहां इसराइल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट है। ईरान की ओर से यह हमले ट्रंप की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा, अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी। (अनंत ज्ञान)

हमला रोकने के लिए आगे आएं ब्रिक्स देश : ईरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने शनिवार को पीएम मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को ईरान पर हो रहे हमले रोकने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को बिना किसी दबाव के अपने दम पर काम करना चाहिए और इस मामले में आगे आना चाहिए। ईरान के राष्ट्रपति ने यह भी सुझाव दिया कि मिडिल ईस्ट के देशों को मिलकर एक नया सुरक्षा सिस्टम बनाना चाहिए। इससे इलाके में शांति और स्थिरता बनी रहेगी।

एयर इंडिया की वित्तीय हालत टाइट

2500 उड़ानें रद्द, सीईओ ने दी फिजूलखर्ची रोकने की सलाह

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष ने भारतीय विमानन क्षेत्र की कमर तोड़नी शुरू कर दी है। इस बीच एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने कर्मचारियों को चेतावनी दे डाली है। कैंपबेल विल्सन ने कहा कि युद्ध का असली वित्तीय झटका अभी लगना बाकी है। उन्होंने साफ कहा कि अब समय आ गया है जब कंपनी को फालतू के खर्चों पर लगाम लगानी होगी।

पिछले 22 दिनों से पश्चिम एशिया में जंग के हालात हैं। इस वजह से इन इलाकों से गुजरने वाले विमानों को या तो डायवर्ट किया जा रहा है या फिर रद्द करना पड़ रहा है। विल्सन ने कहा कि युद्ध शुरू होने के महज तीन हफ्तों के भीतर एयर इंडिया को मध्य पूर्व जाने वाली अपनी लगभग 2,500 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। फिलहाल एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस इस क्षेत्र में अपनी क्षमता का केवल 30 प्रतिशत ही परिचालन कर पा रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

लंबा रास्ता, ईंधन महंगा

युद्ध की मार केवल मध्य पूर्व की उड़ानों तक सीमित नहीं है। ब्रिटेन, यूरोप और उत्तरी अमेरिका जाने वाली एयर इंडिया की उड़ानें अब बहुत लंबे और घुमावदार रास्तों से गुजर रही हैं। हवाई क्षेत्र पर पाबंदी की वजह से विमानों को डायवर्ट करना पड़ रहा है। इससे ईंधन की खपत में भी भारी इजाफा हुआ है।

छत्तीसगढ़: खल्लारी मंदिर में रोपवे टूटा, 2 ट्रॉलियां गिरीं

एजेंसी, महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रोपवे टूटने से 16 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि एक युवती की मौत हो गई। घायलों में 4 की हालत गंभीर है। यह सभी लोग चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन दर्शन करने आए थे। दर्शन के बाद कुछ श्रद्धालु रोपवे की ट्रॉली से नीचे उतर रहे थे। तभी अचानक केबल टूट गया। ट्रॉली पहाड़ी से टकराई और उसमें बैठे लोग करीब 20 फुट नीचे गिर गए। इसी दौरान ऊपर जा रही दूसरी ट्रॉली भी संतुलन खोकर गिर गई। उसमें बैठे लोग भी घायल हो गए। ज्यादातर घायल रायपुर के रहने वाले हैं। कलेक्टर ने कहा है कि केबल कैसे टूटा, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल सभी घायलों का इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले ट्रॉली के श्रद्धालु दर्शन कर वापस लौट रहे थे। तभी केबल टूटने से ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। लगभग 20 फीट नीचे पहाड़ी की चट्टान से जा टकराई। इस जोरदार झटके के कारण ट्रॉली में बैठे लोगों को गंभीर चोटें आईं। एक युवती ने दम तोड़ दिया। (अनंत ज्ञान)

◆ **एक श्रद्धालु की मौत 16 घायल, चार गंभीर**

दियोटसिद्ध मंदिर में चढ़ावे की गणना में कथित लापरवाही पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। दियोटसिद्ध मंदिर ट्रस्ट में चढ़ावे की गणना के दौरान कथित लापरवाही का मामला सामने आया है, जिसमें गणना प्रक्रिया के दौरान एक अतिरिक्त नोटों की गड्डी पाए जाने का आरोप लगा है। सूत्रों के अनुसार 21 मार्च को गणना के दौरान एक अधिकारी द्वारा सौ-सौ के नोटों के एक बंडल में निर्धारित संख्या से अधिक गड्डियां बांध दी गईं, जिसे ट्रस्टी सुरेंद्र सोनी की सतर्कता से पकड़ा गया।

◆ **मंदिर ट्रस्ट ने नकारे लापरवाही के आरोप**

बताया जा रहा है कि गणना नियमों के अनुसार एक बड़े बंडल में पांच गड्डियां होनी चाहिए, लेकिन शुरुआत में ही छह गड्डियां बांध दी गई थीं। जब ट्रस्टी ने इस पर आपत्ति जताई, तो अतिरिक्त गड्डी अलग की गई। यह पूरी प्रक्रिया गणना कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। इससे पहले 30 अक्तूबर, 2025 की गणना में भी कथित अनियमितताओं को लेकर मामला सुर्खियों में आया था, जिसमें विदेशी मुद्रा और नोटों की संख्या को लेकर सवाल उठे थे। इस घटना को लेकर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। गणना के दौरान तैनात सुरक्षा कर्मियों की भूमिका पर भी चर्चा हो रही है कि उनकी मौजूदगी में यह त्रुटि कैसे हुई। वहीं, मंदिर अधिकारी केशव कुमार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह केवल मानवीय भूल थी और पांच की जगह छह गड्डियां गलती से रख दी गई थीं, जिसे बाद में जांच कर सही कर लिया गया।

'एआई' ज्यूडीशियरी को मजबूत करने में करे मदद : सीजेआई

एजेंसी, बेंगलुरु

सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मतलब एआई को ज्यूडिशियल सिस्टम में इस तरह से शामिल किया जाना चाहिए जिससे यह हमारी व्यवस्था को मजबूत करे, न कि उसके असली काम को ही कमजोर कर दे। उन्होंने कहा कि एआई को बड़ी मात्रा में डेटा और रिकॉर्ड को संभालने, पैटर्न पहचानने और सिस्टम में हो रही देरी को कम करने में मदद करनी चाहिए। वह फैसले सुनाने के काम में दखल न दे, बल्कि फैसले इंसानों के हाथों में ही रहना चाहिए। चीफ जस्टिस सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के बेंगलुरु में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन-2026 में शामिल हुए थे। जहां 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- विवादों की रोकथाम और समाधान' विषय सेमिनार रखा गया था।

◆ **डेटा-रिकॉर्ड संभाले, लेकिन फैसले सुनाने में न दे दखल**

सीजेआई सूर्यकांत ने कानूनी पेशे में लैंगिक समानता को लेकर भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी वकीलों और मुफ्त कानूनी सहायता पैनल में कम से कम 50% महिलाओं को शामिल किया जाना चाहिए। देश में 45 से 50% न्यायिक अधिकारी महिलाएं हैं और कई राज्यों में यह आंकड़ा 60% तक पहुंच चुका है। (अनंत ज्ञान)

रिकॉर्ड मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री कार्यकाल मिलाकर बतौर हेड ऑफ गवर्नमेंट 8931 दिन पूरे

पीएम मोदी सबसे ज्यादा दिन सरकार प्रमुख रहने वाले राजनेता

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार के प्रमुख के रूप में 8,931 दिन पूरे करने के साथ ही पीएम मोदी ने चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ दिया है।

◆ **पवन कुमार चामलिंग को छोड़ा पीछे**

नरेंद्र मोदी नेहरू के रिकॉर्ड से 1812 दिन पीछे हैं। रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 2029 के बाद भी उन्हें प्रधानमंत्री रहना पड़ेगा। भारतीय जानता पार्टी आईटी डिपार्टमेंट के मुखिया अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह उपलब्धि दशकों तक लगातार सार्वजनिक सेवा और नेतृत्व को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नाम कई विशिष्ट उपलब्धियां भी दर्ज हैं।

वह गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री रहे हैं। मालवीय ने कहा कि नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता के बाद जन्म लेने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार तीन बार जीत दर्ज की है। (अनंत ज्ञान)

चार बार गुजरात के मुख्यमंत्री और तीन बार प्रधानमंत्री बने

17 सितंबर को जन्मे नरेंद्र मोदी 6 साल की उम्र में ही कांग्रेस की ओर से महागुजरात आंदोलन का हिस्सा बने। फिर 8 साल की उम्र में ,स्स से जुड़ गए थे। 7 अक्टूबर 2001 को 51 साल की उम्र में बिना विधायक बने ही मोदी गुजरात के 14वें मुख्यमंत्री बने। इसके बाद वे 2002 में, 2007 में और फिर 2012 में गुजरात के मुख्यमंत्री चुने गए। अपने राजनीतिक सफर के 24 सालों में से पीएम मोदी 14 साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। पिछले 11 साल से वे देश के प्रधानमंत्री हैं।

यह उनका तीसरा कार्यकाल है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री रह चुके हैं, और वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं जिनके पास मुख्यमंत्री के तौर पर काम करने का सबसे लंबा अनुभव है। हालांकि, सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम है। वे 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक यानी लगातार 6126 दिन तक इस पद पर रहे थे।

2025 में तोड़ा था पीएम इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड

नरेंद्र मोदी भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे पीएम भी हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिनों (24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977) का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। 22 मार्च 2026 तक बतौर प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी 4318 पूरे कर चुके हैं।

राज्य स्तरीय ऐतिहासिक नलवाड़ी मेला और मुख्यमंत्री का बिलासपुर से विशेष जुड़ाव

हिमाचल प्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिदृश्य में नलवाड़ी मेला का अपना एक अलग ही महत्त्व है। बिलासपुर की धरती पर आयोजित होने वाला यह राज्य स्तरीय मेला न केवल पशु व्यापार की पुरानी परंपरा का प्रतीक है, बल्कि यह प्रदेश की लोक संस्कृति, कला, परंपराओं और सामाजिक समरसता का जीवंत उत्सव भी है। वर्षों से यह मेला स्थानीय लोगों के साथ-साथ प्रदेश और देशभर से आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस ऐतिहासिक अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आगमन बिलासपुर के लिए गौरव का विषय है। उनका स्वागत केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह जनता और सरकार के बीच विश्वास, विकास और संवाद का प्रतीक भी है। नलवाड़ी मेले का ऐतिहासिक महत्व नलवाड़ी मेले की शुरुआत एक पारंपरिक पशु मेले के रूप में हुई थी, जहां बैल, गाय और अन्य पशुओं का व्यापार होता था। समय के साथ यह मेला सांस्कृतिक उत्सव में परिवर्तित हो गया, जिसमें लोक नृत्य, गीत-संगीत, हस्तशिल्प, खेलकूद प्रतियोगिताएं और विभिन्न प्रदर्शनियां शामिल हो गईं।

यह मेला बिलासपुर की ऐतिहासिक पहचान और विरासत को जीवित रखने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री का स्वागतः जनभावनाओं का प्रतिबिंब मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का नलवाड़ी मेले में आगमन न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह बिलासपुर के लोगों के लिए विशेष भावनात्मक महत्त्व भी रखता है। उनका स्वागत पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्य यंत्रों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से किया जाता है, जो हिमाचल की समृद्ध संस्कृति को दर्शाता है। बिलासपुर के लिए मुख्यमंत्री की देन मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में बिलासपुर जिला विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनकी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों में प्रमुख रूप से पर्यटन को बढ़ावाः गोविंद सागर झील और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार, जिससे स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़े हैं। सड़क और आधारभूत ढांचाः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़कों के सुधार और नई परियोजनाओं की शुरुआत, जिससे संपर्क व्यवस्था मजबूत हुई है। स्वास्थ्य सुविधाएंः अस्पतालों में आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार। शिक्षा के क्षेत्र में सुधारः स्कूलों और कॉलेजों में बेहतर सुविधाएं और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा। युवाओं के लिए अवसरः रोजगार और स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के प्रयास। संस्कृति और विकास का संगम नलवाड़ी मेला केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह एक ऐसा मंच है जहां परंपरा और आधुनिकता का संगम देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री का इस मेले में शामिल होना यह दर्शाता है कि सरकार सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए विकास को भी समान प्राथमिकता दे रही है। राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेला बिलासपुर की पहचान का अभिन्न हिस्सा है, और इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का स्वागत पूरे जिले के लिए सम्मान की बात है। उनकी विकासात्मक नीतियां और योजनाएं बिलासपुर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यह मेला और मुख्यमंत्री का जुड़ाव मिलकर एक ऐसे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जहां परंपरा और प्रगति साथ-साथ आगे बढ़ते हैं।

प्रस्तुति : अरुण डोगरा रीतू
जिला प्रभारी बिलासपुर

राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेला
बिलासपुर की हार्दिक शुभकामनाएं

आभार

हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय समाचारपत्र अनंत ज्ञान द्वारा प्रकाशित विशेषांक में सहयोग देने पर सभी विज्ञापनदाता बंधुओं का हृदय से आभार। आशा है भविष्य में भी आपका सहयोग यथावत बना रहेगा।

अरूण डोगरा (रीतु)
ब्यूरो प्रमुख, बिलासपुर
मो. 9015909310
7018200490

संदेश

राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले के शुभ अवसर पर जिला बिलासपुर के समस्त नागरिकों एवं प्रदेशवासियों के साथ-साथ अनंत ज्ञान समाचार पत्र प्रबंधन को हार्दिक शुभकामनाएं। नलवाड़ी मेला हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। यह मेला न केवल हमारी ऐतिहासिक पहचान को सहेजता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों, हस्तशिल्पियों और व्यापारियों को एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करता है। जिला प्रशासन द्वारा मेले के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मैं सभी आगंतुकों से आग्रह करता हूं कि मेले का आनंद लेते हुए स्वच्छता बनाए रखें व प्रशासन का सहयोग करें।

राहुल कुमार
आईएएस
उपायुक्त बिलासपुर

राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले के पावन अवसर पर अनंत ज्ञान समाचार पत्र प्रबंधन तथा सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह मेला हमारी सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है। जिला पुलिस द्वारा मेले के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि सभी लोग सुरक्षित वातावरण में इस उत्सव का आनंद ले सकें। मैं सभी से अपील करता हूं कि यातायात नियमों का पालन करें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें और प्रशासन के साथ सहयोग बनाए रखें। आप सभी का सहयोग ही इस आयोजन को सफल और सुरक्षित बनाएगा।

संदीप धवल
आईएएस, पुलिस
अधीक्षक बिलासपुर

राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले
के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

राजेंद्र ठाकुर
पूर्व जिला पार्षद
बिलासपुर

राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले
के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

तृप्ता ठाकुर
नेशनल कोऑर्डिनेटर
अखिल भारतीय महिला कांग्रेस

राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेला -2026
के
समापन समारोह पर

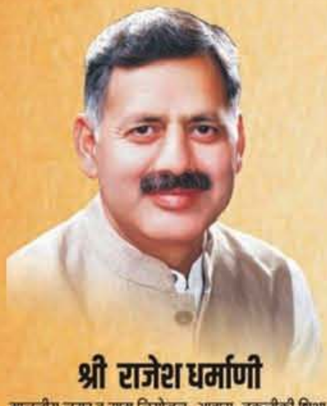

श्री राजेश धर्माणी
माननीय नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री हिमाचल प्रदेश

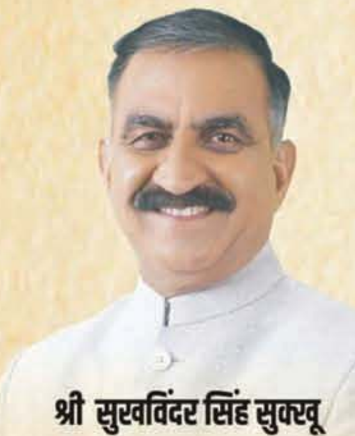

श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू
माननीय मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश

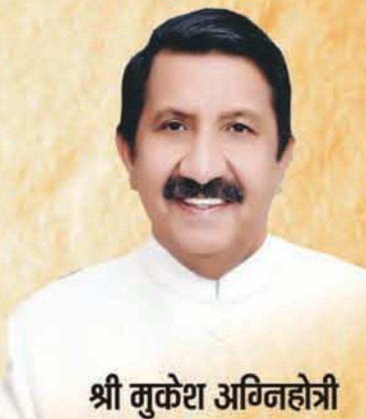

श्री मुकेश अग्निहोत्री
माननीय उप मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश

आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

दिनांकः 23–03–2026 **स्थानः लुहणु मैदान** **समयः सांय 05:00 बजे**

निवेदकः अध्यक्ष मेला कमेटी बिलासपुर

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन अभिकरण (आतमा) बिलासपुर (हि.प्र.)

राजीव गांधप्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना के अर्न्तगत विभिन्न मद

- प्राकृतिक खेती के आधार पर खाद्यान, दलहन, तिलहन, सब्जियों, फल दार पौधों तथा देशी गाय के रख रखाव व प्रबन्धन के प्रदर्शन।
- प्राकृतिक खेती में दो दिवसीय प्रशिक्षण के लिये इच्छुक किसानों को ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण करवाना।
- प्रशिक्षित किसानों को प्राकृतिक खेती के माडल फार्मो में भ्रमण करवाना।
- देशी गाय खरीदने पर 50 प्रतिशत अनुदान या 25000 रूपये अधिकतम, देशी गाय के रख रखाव के लिये फर्श पक्का करने हेतु 8000 रूपये का अनुदान तथा खेती में प्रयोग होने वाले घटकों को बनाने हेतु प्लास्टिक ड्रम पर 75 प्रतिशत अनुदान या 750 रूपये अधिकतम अनुदान, संसाधन भण्डार स्थापित करने पर 15000 रूपये अधिकतम अनुदान।
- प्राकृतिक खेती के आधार पर प्रदर्शन क्षेत्रों के द्वारा कृषि तकनीकी का प्रसार।
- प्राकृतिक खेती के आधार पर खेत पाठशाला में पुरस्कृत या उन्नत किसानों द्वारा आसपास के 25 किसानों को उन्नत कृषि तकनीक की जानकारी तथा विशेषज्ञों से चर्चा।

प्राकृतिक खेती को बढावा देने हेतु वर्ष 2025-26 में आतमा परियोजना के अन्तर्गत 96 लाख 57 हजार रूपये की कार्य योजना बनाई गई थी जो विभिन्न मदों में व्यय किया जा रहा हैं।

- राजीव गांधी प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना हिमाचल प्रदेश में वर्ष 2018-19में क्रियान्वित की गई तथा वर्ष 2025-26 में 27.66 लाख रूपये प्राकृतिक खेती में व्यय करने के लिये प्राप्त हो चुके हैं जिसमें से 24 लाख 76 हजार रूपये व्यय किये जा चुकें हैं। अभी तक राजीव गांधी प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना की विधि से 15076 किसानों को प्रशिक्षित करवाया जा चुका है जिन में से अभी तक 8046 किसानों ने प्राकृतिक खेती 1096 हैक्टेयर क्षेत्र में खेती करना शुरू कर दिया है। माननीय मुख्यमन्त्री जी के बजट सपीच के अनुसार 5000 नये किसानों को जोडने का लक्ष्य को पूरा किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त जिला विलासपुर में नेशनल मिशन नैचुरल फार्मिंग के अन्तर्गत 36 कलस्टर वनाये जा चुके है। जिसमें 4500 किसानो को 1800 हैक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करवाने का लक्ष्य रखा गया था जो पूरा किया जा चुका है। आगामी वर्ष 2026-27 के लिये नेशनल मिशन नैचुरल फार्मिंग के अन्तर्गत 12 कलस्टर बनाये का लक्ष्य रखा गया है।
- हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस वर्ष प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों को 60रू0 प्रति किलो ग्राम के हिसाब से 60.622 किवन्टल गेहूं 40 किसानों से खरीद की।
- इस वर्ष प्राकृतिक खेती कर रहें किसानों से 40 रू प्रति किलों ग्राम के हिसाब से मक्की की खरीद 76 किसानों से की गई।
- इस वर्ष प्राकृतिक खेती कर रहें किसानों से 90रू प्रति किलों ग्राम के हिसाब से हल्दी की खरीद की गई।

अधिक जानकारी व सहायता के लिए खण्ड स्तर पर बी0टी0एम0/ए0टी0एम0 तथा जिला स्तर पर परियोजना निदेशक कार्यालय आतमा बिलासपुर से संपर्क करें।

परियोजना निदेशक (आतमा)
बिलासपुर, जिला बिलासपुर (हि.प्र.)
दूरभाष : 01978-222379

राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले
के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

तिलक राज शर्मा
पूर्व विधायक, सदर विधानसभा क्षेत्र बिलासपुर

Budha Mal & Sons Jewellers
Satish Karwal Group
PALAMPUR

BUDHA MAL & SONS JEWELLERS

नवरात्रि स्पेशल - 9 दिन के 9 उपहार 19 - 27 MARCH 2026

BREAKING NEWS

नवरात्रि का उत्सव और भी ख़ास — नौ दिन, नौ चमकते उपहार, सिर्फ़ BUDHA MAL & SONS JEWELLERS के साथ।

19 मार्च से 27 मार्च तक BUDHA MAL & SONS JEWELLERS, PALAMPUR प्रस्तुत करता है नवरात्रि का भव्य और शुभ उत्सव!
नवरात्रि के पावन दिनों में माता रानी की कृपा और शुभ ऊर्जा के साथ, हम आपके लिए लेकर आए हैं नौ दिनों तक नौ विशेष उपहार, शानदार ऑफ़र्स और हर दिन जीतने का सुनहरा अवसर।

विशेष ऑफ़र्स

- **डायमंड ज्वेलरी पर 20% + 5% अतिरिक्त छूट**
  अपने पसंदीदा डायमंड कलेक्शन को इन उत्सव दिनों में और भी बेहतरीन कीमत पर घर ले जाएँ।
- **पुराने सोने पर 100% तक एक्सचेंज मूल्य**
  साथ ही पाएं 2% अतिरिक्त लाभ, जिससे आपकी पुरानी ज्वेलरी आपको देगी और ज़्यादा फायदा।
- **गोल्ड मेकिंग चार्ज पर 40% तक की विशेष छूट**
  इस नवरात्रि गोल्ड ज्वेलरी खरीदना बनाएं और भी किफ़ायती।

पिछले कई दशकों से आपकी सेवा में समर्पित, उत्कृष्ट कारीगरी और शुद्धता की गारंटी के साथ। इस नवरात्रि अपने परिवार के साथ पधारें और हमारे नवीनतम गोल्ड, डायमंड और सिल्वर कलेक्शन का अनुभव लें।

हर रोज़ एक LUCKY WINNER – उपहार में पाएँ LED TV! नवरात्रि के हर दिन एक ग्राहक को मिलेगा विशेष तोहफ़ा — बिल्कुल मुफ्त!

BUDHA MAL & SONS JEWELLERS, PALAMPUR – विश्वास की पहचान
स्टोर पता: BUDHA MAL EMPIRE, AIMA, NEAR YAMINI HOTEL, PALAMPUR, DISTT. KANGRA (H.P.)
संपर्क: 098167 33344

navratri SPECIAL
9 दिन के 9 उपहार
19th-27th MARCH

हर रोज़ एक LUCKY WINNER

*T&C APPLY

चौथे नवरात्र में मां कूष्मांडा की आराधना से आलोकित हुआ कालीबाड़ी मंदिर

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। चैत्र नवरात्र के चौथे दिन मां के चतुर्थ स्वरूप मां कूष्मांडा की आराधना की जाती है, जिन्हें सृष्टि की आदि शक्ति और ब्रह्मांड की रचयिता माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां कूष्मांडा ने अपनी मंद मुस्कान से पूरे ब्रह्मांड की उत्पत्ति की थी, इसी कारण उन्हें 'आदि सृजन शक्ति' कहा जाता है। नौ दुर्गा के स्वरूपों में यह चौथा रूप अत्यंत तेजस्वी और कल्याणकारी माना जाता है, जो अपने भक्तों को आयु, आरोग्य, यश और समृद्धि का वरदान देती हैं। यह स्वरूप विशेष रूप से सूर्य मंडल में निवास करने वाली शक्ति का प्रतीक है और अंधकार को दूर कर जीवन में प्रकाश भरने वाली देवी के रूप में पूजित है।

◆ **श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, मौसम खुलते ही लौट आई आस्था की रौनक**

◆ **भजन-कीर्तन से गुंजायमान हुआ मां का दरबार**

राजधानी शिमला स्थित प्रसिद्ध कालीबाड़ी मंदिर में रविवार को मां कूष्मांडा के पूजन को लेकर अद्भुत श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिला। बीते दो दिनों तक लगातार बारिश और घने कोहरे के कारण मंदिर परिसर कुछ सूना-सूना सा प्रतीत हो रहा था, लेकिन जैसे ही मौसम ने करवट ली, वैसे ही आस्था की रौनक फिर से लौट आई। सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा और मंदिर परिसर 'जय माता दी' के जयघोषों से गूंज उठा। दूर-दराज इलाकों से आए श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में शीश नवाकर अपनी मनोकामनाएं अर्पित की। कालीबाड़ी मंदिर, जो मां श्यामला को समर्पित माना जाता है और जिसकी आस्था कोलकाता की मां काली से भी जुड़ी हुई है, आज भक्तों की अकीदत का केंद्र बना रहा। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का समां बंधा रहा, जहां भक्त भाव-विभोर होकर माँ की स्तुति में लीन नजर आए। माहौल में एक रूहानी कैफियत थी, जहां संगीत, श्रद्धा और भक्ति का संगम पूरे वातावरण को पाक और सरसब्ज बना रहा था। हर ओर श्रद्धालुओं की भीड़, आरती की धुन और घंटियों की मधुर आवाज एक दिव्य अनुभूति का एहसास करा रही थी।

कालीबाड़ी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़।

सबके लिए खुला है मां का दरबार

मंदिर में मौजूद पुजारी पंडित जगदेव ने बताया कि बीते दो दिनों में मौसम की प्रतिकूलता के कारण श्रद्धालुओं की संख्या में कुछ कमी आई थी, लेकिन अब मौसम साफ होते ही फिर से भारी संख्या में भक्त पहुंचने लगे हैं। उन्होंने कहा कि 'मौसम की रुकावट के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई, बल्कि जैसे ही बादल छंटे, वैसे ही भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से लेकर शाम तक लगातार दर्शनार्थियों का तांता लगा हुआ है। आने वाले दिनों में यदि मौसम इसी तरह साफ बना रहा, तो श्रद्धालुओं की संख्या और भी बढ़ने की पूरी उम्मीद है, क्योंकि हर वर्ष नवरात्र के दौरान यहां हजारों-लाखों की तादाद में भक्त माँ के दरबार में हाजिरी लगाने आते हैं। उन्होंने कहा कि मां कुष्मांडा का स्वरूप विशेष रूप से भक्तों के कष्टों को हरने वाला है और जो भी सच्चे मन से मां का ध्यान करता है, उसे माँ का आशीर्वाद अवश्य प्राप्त होता है। उनके अनुसार, इस पावन अवसर पर मंदिर में आकर पूजा-अर्चना करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सभी बाधाएं दूर होती हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने रचा इतिहासः डॉ. बिंदल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 8931 दिन पूर्ण करने पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह देश के लिए गौरव का क्षण है और मोदी ने सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले जननेता के रूप में इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान बनाई है तथा जनकल्याण, विकास और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे।

भाजपा ने बजट को बताया 'आंकड़ों का मायाजाल'

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजपा प्रवक्ता जितेंद्र भोटका, रूपा शर्मा और शशांक अत्री सहित अन्य नेताओं ने बजट 2026-27 को जनविरोधी और दिशाहीन बताते हुए कहा कि यह केवल आंकड़ों का मायाजाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट का आकार घटा है, जिससे प्रदेश की कमजोर होती अर्थव्यवस्था उजागर होती है और कर्मचारियों के वेतन स्थगन जैसी स्थिति सरकार की विफलता को दर्शाती है। भाजपा नेताओं ने कहा कि सरकार की गारंटियां केवल घोषणाओं तक सीमित हैं और किसानों को योजनाओं का वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा। बढ़ते कर्ज और स्पष्ट आर्थिक रोडमैप के अभाव में यह बजट जनता पर अतिरिक्त बोझ डालने वाला साबित होगा।

सुक्खू सरकार का बजट संतुलित व दूरदर्शीः बलदेव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव एवं राज्य बस अड्डा प्रबंधन प्राधिकरण के निदेशक बलदेव ठाकुर ने कहा कि आपदा से हुए नुकसान और केंद्र के नकारात्मक रवैये के बावजूद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने संतुलित और प्रभावशाली बजट पेश किया है। उन्होंने बताया कि 40,361 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियों के मुकाबले 46,938 करोड़ रुपये व्यय, 6,577 करोड़ का राजस्व घाटा, 9,698 करोड़ का राजकोषीय घाटा और 85,311 करोड़ रुपये के कर्ज जैसी चुनौतियों के बीच भी सरकार ने दूरदर्शिता दिखाई है। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों-बागवानों के हित, कर्मचारी वर्ग के वेतन व पेंशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। साथ ही मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों के वेतन में कटौती का निर्णय जनहित में बड़ा कदम है, जो संसाधनों को जनकल्याण में लगाने की सोच को दर्शाता है। उनके अनुसार यह बजट न केवल वर्तमान संकट का समाधान प्रस्तुत करता है, बल्कि भविष्य के लिए भी मजबूत आधार तैयार करता है।

एसडीआरएफ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीत गर्व का क्षण : सीएम सुक्खू

लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान किया हासिल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल द्वारा राष्ट्रीय स्तर की कोलैप्स्ड स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू प्रतियोगिता में लगातार दूसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त करना प्रदेश के लिए गर्व का विषय बना है। इस उपलब्धि पर शिमला स्थित ओक ओवर में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि छोटे राज्य का राष्ट्रीय मंच पर इस तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करना प्रदेश की क्षमता और समर्पण को दर्शाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को विजेता टीम ने ट्रॉफी भी भेंट की।

एसडीआरएफ टीम को संबोधित करते हुए सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू। अनंत ज्ञान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं में वृद्धि हुई है, विशेषकर वर्ष 202× और 2025 में भारी नुकसान दर्ज किया गया। ऐसे कठिन समय में एसडीआरएफ, होम गार्ड्स, अग्निशमन सेवाओं और सिविल डिफेंस ने लोगों की जान बचाने और राहत कार्यों में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इन सभी बलों की तत्परता, साहस और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि आपदा के समय इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

◆ **होम गार्ड वॉलंटियर मैनेजमेंट सिस्टम का किया शुभारंभ**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने होम गार्ड वॉलंटियर मैनेजमेंट सिस्टम का उद्घाटन भी किया, जिससे राज्यभर में स्वयंसेवकों के बेहतर समन्वय और प्रबंधन को बल मिलेगा। साथ ही फायर सेफ्टी कोड 2026 की समीक्षा कर राज्य में सुरक्षा मानकों को और मजबूत बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, महापौर सुरेन्द्र चौहान सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा वर्ग मातृभाषा व विकसित भारत निर्माण में निभाए अहम भूमिका : कविंद्र गुप्ता

राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते राज्यपाल कविंद्र गुप्ता। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। नागपुर में आयोजित भारतीय युवा संसद के राष्ट्रीय अधिवेशन में राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने युवाओं को संबोधित करते हुए मातृभाषा के महत्व पर बल दिया और 'विकसित भारत 2047' के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

◆ **नागपुर में भारतीय युवा संसद के राष्ट्रीय अधिवेशन को राज्यपाल ने किया संबोधित**

महर्षि व्यास सभागार में आयोजित इस अधिवेशन में देशभर से लगभग 600 युवाओं ने भाग लिया और राष्ट्रीय विषयों पर सार्थक लोकतांत्रिक विमर्श किया। राज्यपाल ने कहा कि भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्र की आत्मा और पहचान होती हैं। उन्होंने युवाओं में मातृभाषा के प्रति बढ़ती झिझक पर चिंता जताते हुए कहा कि अंग्रेजी सीखना आवश्यक है, परंतु अपनी भाषा को त्यागकर नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी में दिए गए संबोधनों को सांस्कृतिक आत्मसम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि भारत आधुनिक विषयों पर भी अपनी भाषा में नेतृत्व करने में सक्षम है।

उन्होंने भारत की भाषाई विविधता को देश की शक्ति बताते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। राज्यपाल ने 'पंच परिवर्तन' के सिद्धांतों, स्वबोध, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और जिम्मेदारी से ही साकार होगा। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कौशल विकास, स्टार्टअप और डिजिटल पहलों को युवाओं के सशक्तिकरण का आधार बताया। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्मृति भूमि में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और श्री माधव सदाशिव गोलवलकर को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा आयोजन संस्थाओं की सराहना की।

काल्टा ने 15वें वित्त आयोग की राशि वापसी पर जताई चिंता

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में 15वें वित्त आयोग के तहत जिला परिषदों को मिली धनराशि वापस मांगने के मुद्दे पर विवाद गहराता जा रहा है। थरोला वार्ड के पूर्व जिला परिषद सदस्य अनिल काल्टा ने इस फैसले पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है जब कांग्रेस सरकार द्वारा केंद्र से प्राप्त राशि को वापस मांगा जा रहा है। उन्होंने इसे जनहित के विपरीत कदम बताया।

◆ **जिला परिषदों को मिली धनराशि वापस लेने का फैसला समझ से परे**

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पंचायतों और जिला परिषदों को सशक्त बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति देने के उद्देश्य से पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाई गई थी। इस पहल से गांव-गांव में विकास कार्यों को मजबूती मिल रही थी। काल्टा ने कहा कि अब इस धनराशि को वापस लेने का निर्णय न केवल तर्कसंगत नहीं है, बल्कि इससे ग्रामीण विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि 15वें वित्त आयोग के तहत आवंटित धनराशि को यथावत रखा जाए, ताकि आम जनता को इसका पूरा लाभ मिल सके।

अंतरराज्यीय नशा तस्करी गिरोह के सरगना को किया गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में जारी जन-आंदोलन के दौरान सीआईए नूरपुर की टीम ने अंतरराज्यीय चिट्टा और मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया, जिससे पूरे नेटवर्क को करारा झटका लगा।

गिरफ्तार आरोपी पुलिस टीम के साथ। अनंत ज्ञान

पुलिस मुख्यालय, शिमला के अनुसार, मामला 11 अक्तूबर 2025 को कंडवाल बैरियर पर नाका चेकिंग के दौरान सामने आया था, जब 6.044 किलोग्राम चरस बरामद की गई और जिला मंडी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में मुख्य आरोपी शुभकरण, निवासी समकेहर, तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा को चंडीगढ़ से पकड़ा गया। आगे की पड़ताल में पता चला कि बरामद मादक पदार्थ कठुआ निवासी विजय कुमार उर्फ वीके तक पहुंचना था, जिसे उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस कार्रवाई से हिमाचल, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से जुड़े अंतरराज्यीय नशा तस्करी नेटवर्क की कमर टूट गई है। प्रदेश पुलिस नशे के खिलाफ सख्ती के साथ कार्रवाई जारी रखेगी।

बजट से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती : नरदेव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर ने वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले मुख्यमंत्री सुक्खू ने आम जनता के हितों को केंद्र में रखते हुए सर्वहितकारी बजट प्रस्तुत किया है। बजट में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र, गरीब और आम आदमी का ध्यान रखा गया है, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। नरदेव के मुताबिक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए साहसिक निर्णय प्रदेश में वित्तीय अनुशासन स्थापित करने के साथ-साथ सतत विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगे।नरदेव ने शिमला से जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ने पहली बार किसानों और पशुपालकों को सीधा लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से दूध, हल्दी, जौ, गेहूं और मक्की के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की है तथा अदरक पर पहली बार समर्थन मूल्य तय किया गया है। इसके साथ ही एक लाख अति निर्धन परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और बीपीएल परिवारों की महिलाओं को इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि के तहत 1500 रुपए देने की घोषणा सराहनीय है।

प्रदेश में वित्तीय आपातकाल जैसे हालात : संदीपनी भारद्वाज

अनंत ज्ञान

पत्रकार वार्ता करते हुए संदीपनी भारद्वाज।

ब्यूरो, शिमला। भाजपा के राज्य प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने शिमला में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस सरकार के बजट पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग 45,000 करोड़ का कर्ज लेने के बाद कुल देनदारी 1 लाख करोड़ के पार पहुंच गई है, जबकि करीब 15,000 करोड़ की अदायगी के लिए कोई स्पष्ट योजना नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि बजट में कटौती कर इसे लगभग 54,928 करोड़ तक सीमित करना विकास कार्यों पर सीधा असर डालेगा और यह वित्तीय कुप्रबंधन का संकेत है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के वेतन का हिस्सा स्थगित करना वित्तीय संकट का स्पष्ट प्रमाण है। साथ ही पंचायतों के फंड, किसानों के भुगतान और बागवानी क्षेत्र की अनदेखी को लेकर सरकार पर सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत मिले धन का सही उपयोग नहीं हो पाया और पारदर्शिता की भी कमी है। अंत में उन्होंने बजट को कर्मचारी, किसान और युवा विरोधी बताते हुए कहा कि यह केवल दिखावा है, जो प्रदेश को आर्थिक अस्थिरता की ओर ले जाएगा।

संस्कृत कॉलेज में छात्रों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, फागली में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि उच्चतर शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत शर्मा रहे। समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुई। प्राचार्य ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्थान की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सह-पाठ्यक्रम उपलब्धियों का विवरण दिया।

इस अवसर पर परीक्षा, वाद-विवाद, भाषण, श्लोक पाठ और खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि और अन्य वक्ताओं ने संस्कृत को भारतीय ज्ञान परंपरा की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में नृत्य, नाटिका और श्लोक वाचन ने कार्यक्रम को और आकर्षक बनाया।

सुक्खू सरकार का बजट पूरी तरह दिशाहीन : जयराम ठाकुर

जनता के साथ कांग्रेस नेता भी नाखुश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत चौथे बजट पर तीखा प्रहार करते हुए इसे प्रदेश के इतिहास का सबसे नीरस, दिशाहीन और जनविरोधी बजट करार दिया।

उन्होंने कहा कि न केवल आम जनता बल्कि कांग्रेस के अपने नेताओं में भी इस बजट को लेकर कोई उत्साह दिखाई नहीं दे रहा है, जो इस बात का प्रमाण है कि सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। ठाकुर ने कहा कि अपने लंबे राजनीतिक अनुभव में उन्होंने कई बजट देखे हैं, लेकिन ऐसा निराशाजनक दस्तावेज पहले कभी नहीं देखा, जिसमें विकास की स्पष्ट दिशा ही न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर सत्ता में आई सरकार आज जनता को राहत देने के बजाय उनसे सुविधाएं छीनने और आर्थिक बोझ बढ़ाने का काम कर रही है।

उन्होंने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि बजट भाषण के दौरान मुख्यमंत्री का अहंकार साफ झलक रहा था और उन्होंने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए सदन में मजाक का सहारा लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने वित्तीय कुप्रबंधन के चलते खजाना खाली कर दिया है और अब कर्मचारियों की सैलरी तक विलंबित करने जैसे फैसले लिए जा रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि इस बजट में कोई भी नई मौलिक योजना नहीं है और केवल केंद्र सरकार की योजनाओं का नाम बदलकर पेश किया गया है, जो जनता के साथ सीधा छल है।

शिंकजा — सिस्टम को दुरुस्त करने की ठोस पहल, कुल्लू प्रकरण ने खोली अंदरूनी परतें

हिमाचल में चिट्टे की जद में आए 21 पुलिस कर्मी बर्खास्त

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। नशे के खिलाफ छेड़ी जंग में राज्य सरकार ने अब पूरे सिस्टम को दुरुस्त करने की दिशा में निर्णायक और प्रभावी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। चिट्टा जैसे जानलेवा नशे ने जिस तरह समाज और खासकर युवा पीढ़ी को अपनी गिरफ्त में लिया है, उससे निपटने के लिए सरकार केवल बाहरी तस्करों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि व्यवस्था के भीतर छिपी कमजोर कड़ियों को भी खत्म करने की नीति पर काम कर रही है।

ऐसे ही हालात में बिना किसी नरमी के सख्त रुख अपनाते हुए चिट्टा मामलों में संलिप्त पाए गए कुल 21 पुलिस कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि अब जवाबदेही तय होगी और कानून का रखवाला भी यदि कानून तोड़ेगा तो उसे किसी तरह की रियायत नहीं मिलेगी।

एनडीपीएस मामले में संलिप्त चार पुलिस कर्मी गिरफ्तार। अनंत ज्ञान

जानकारी के अनुसार जिला शिमला सहित कुल्लू में सामने आए एनडीपीएस प्रकरण ने पुलिस तंत्र के भीतर की कुछ चौंकाने वाली परतों को उजागर किया है। इस मामले में चार पुलिस कर्मियों की संलिप्तता सामने आने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवा से हटा दिया गया। इससे पहले भी 17 पुलिस कर्मियों पर इसी तरह की कार्रवाई हो चुकी है, जो यह दर्शाता है कि सरकार लगातार निगरानी बनाए हुए है और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या नशा तस्करी से जुड़ी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जा रहा। इस सख्ती से न केवल पुलिस महकमे में अनुशासन का संदेश गया है, बल्कि आम जनता में भी यह भरोसा मजबूत हुआ है कि सरकार व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए गंभीर है।

मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में 15 नवंबर, 2025 से शुरू हुआ 'चिट्टा-मुक्त हिमाचल' अभियान अब एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इस मुहिम के तहत प्रदेशभर में पुलिस और प्रशासन द्वारा लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है, जिससे नशा तस्करी के नेटवर्क पर लगातार चोट पड़ रही है। इसके साथ ही जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया जा रहा है। सरकार की मंशा केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज की स्थापना करना है, जिसमें नशे के लिए कोई जगह न हो।

जनता के सहयोग की अपील

पुलिस विभाग ने प्रदेश के लोगों, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि वे नशे के खिलाफ इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना 112 या नजदीकी थाने में दी जा सकती है, और सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। विभाग का कहना है कि सरकार, प्रशासन और जनता के साझा प्रयासों से ही इस बुराई को जड़ से खत्म किया जा सकता है। सामूहिक जिम्मेदारी और जागरूकता के बल पर 'चिट्टा-मुक्त हिमाचल' का लक्ष्य अब पहले से अधिक साकार होता दिखाई दे रहा है।

सुधेड़ के अखनखोला में लोहे के गार्डों पर टिकी क्षतिग्रस्त पुलिया

ग्रामीणों को हर समय सताता हादसे का डर, तीन बरसात झेल चुकी पुलिया, इस बार टिकना मुश्किल, कई बार उठाई मांग, लेकिन नहीं हुई कार्रवाई

अनंत ज्ञान

राजेश कुमार, धर्मशाला। स्मार्ट सिटी धर्मशाला से सटी सुधेड़ पंचायत के अखनखोला गांव में एक क्षतिग्रस्त पुलिया लोहे के गार्डों के सहारे टिकी हुई है। जिस कारण स्थानीय ग्रामीणों को इस पुलिस के खिसकने की आशंका के चलते हर समय हादसे का डर सताता रहता है।

अनंत ज्ञान मुद्दा

ग्रामीणों का कहना है कि जैसे-तैसे यह पुलिया अब तक तीन बरसात झेल चुकी है, लेकिन इस बार की बरसात को शायद ही पुलिया झेल पाए। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार पुलिया के नए निर्माण सहित ऊपरी तरफ सड़क के मामले को सरकार व प्रशासन के समक्ष उठाया गया, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। ऐसे में लोगों ने चेताया है कि जल्द समस्या न सुलझी तो उनका गुस्सा फूटेगा तथा उन्हें आंदोलन की राह अपनाने को मजबूर होना पड़ेगा। गौरतलब है कि क्षतिग्रस्त पुलिया को स्थानीय ग्रामीणों ने अपने स्तर पर लोहे के गार्ड की स्पॉट देकर टिकाया है, अन्यथा यह पुलिया कब की धराशायी हो चुकी होती। बड़ी बात यह है कि बरसात में जब धर्मशाला बाईपास मार्ग भूस्खलन के कारण बंद हो गया था तो पठानकोट से आने वाले पर्यटकों ने मैक्लोडगंज जाने के लिए इसी अखनखोला-सुधेड़ मार्ग का प्रयोग किया था, जिसके चलते स्थानीय लोग इसे मैक्लोडगंज से जोड़ने वाली लाइफलाइन भी कहते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अखनखोला-सुधेड़ मार्ग पर सड़क का काम भी चल रहा है, जहां डंगा लगाकर काम छोड़ दिया गया है, जबकि बरसात होने पर वाहनों के फिसलने से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

अखनखोला गांव में लोहे के गार्ड के सहारे टिकाई गई पुलिया। अनंत ज्ञान

हादसा हुआ तो कौन होगा जिम्मेदार : अजीत नैहरिया

स्थानीय निवासी अजीत नेहरिया ने कहा कि अखनखोला से सुधेड संपर्क मार्ग पर पुलिया तीन साल से क्षतिग्रस्त है। यह सड़क गाव की लाइफलाइन है, पिछले साल मैक्लोडगंज का रास्ता बंद हुआ था, उस समय इसी मार्ग से पर्यटकों ने मैक्लोडगंज का रुख किया था। विभाग को समस्या से अवगत करवाया गया है, स्थानीय विधायक भी गांव की परेशानी को जानते हैं। लोगों ने अपने स्तर पर क्षतिग्रस्त पुलिया को लोहे के गार्ड से स्पॉट दे रखी है। अनजान लोगों के लिए यह पुलिया डेथ ट्रैक के समान है। गांव में बड़े वाहन भी आते हैं, ऐसे में पुलिया की वजह से कोई हादसा होता है तो इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा। ग्रामीण लंबे समय से सड़क सुधरने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन भी कर सकते है, क्योंकि लाइफलाइन नहीं रहेगी तो परेशानी पेश आना लाजमी है।

बच्चों को स्कूल भेजने में आती दिक्कत : सीमा कुमारी

ग्रामीण महिला सीमा कुमारी ने कहा कि बरसात में काफी दिक्कतें आती हैं। कई बार बच्चे समय पर बरसात में स्कूल नहीं पहुंच पाते। गांव के बुजुर्ग लोगों और गर्भवती महिलाओं को परेशान होना पड़ता है। सरकार व प्रशासन से आग्रह है कि इस सड़क को सुधार कर पुलिया का जल्द निर्माण किया जाए। वहीं ग्रामीण महिला सीमा ने कहा कि बरसात में लोगों को समस्या बढ़ जाती है। अलमा यह होता है कि बच्चों को बारा कोठा तक छोड़ने जाना पड़ता है। गाड़ियों की आवाजाही बंद हो जाती है। पुलिया की हालत को देखते हुए दुर्घटना का अंदेशा भी बना रहता है। विधायक को सड़क और पुलिया की समस्या बताई गई है, आग्रह है कि जल्द समस्या सुलझाई जाए।

विभाग को दिए कार्य करने के निर्देश : केवल पठानिया

शाहपुर के विधायक एवं उप मुख्य सचेत केवल सिंह पठानिया ने कहा कि अखनखोला गांव के लोग मुझसे भत्तला पंचायत के कार्यक्रम में मिले थे। जिस पर लोक निर्माण विभाग को जल्द टेंडर लगाकर इस कार्य को पूरा किया जाए। सुधेड़ में जहां भूस्खलन हो रहा है, उसके लिए भी विधानसभा में प्रश्न उठाया है। अखनखोला-सुधेड़ मार्ग पर मैन मेड डिजास्टर है। इन मामलों को लेकर विभागीय अधिकारियों से बैठक की है। विधानसभा खत्म होने उपरांत इन गांवों का दौरा कर कितना कार्य हुआ है, इसकी फीडबैक ली जाएगी।

शायद ही इस बार बरसात को झेल पाए पुलिया : गौरव

स्थानीय होटल कारोबारी गौरव ने कहा कि बदहाल सड़क की वजह से लोग परेशान हैं। इस सड़क मार्ग पर ग्रामीण ही नहीं, बल्कि छोटे कारोबारी भी हैं। होटल कारोबार पर्यटकों से चलता है। क्षतिग्रस्त पुलिया तीन साल झेल चुकी है, जो कि इस बार की बारिश मुश्किल ही झेल पाएगा। डंगे का टेंडर हुआ था, लेकिन काम अधूरा पड़ा है। होटल करोबारी सरकार को जीएसटी देते है, इसके बावजूद समस्या जस की तस है। सीएम सहित लोक निर्माण मंत्री को भी पत्र लिखा गया है। पर्यटन सीजन शुरू होने वाला है, उससे पहले सड़क की दशा न सुधरी तो हमें भी होटल बंद कर स्टाफ को नौकरी से निकालना पड़ेगा, क्योंकि पर्यटक नहीं होंगे तो कारोबार नहीं होगा, तो पैसा नहीं आएगा तो कैसे होटल चलेंगे। उन्होंने सरकार व प्रशासन से आग्रह किया है कि पर्यटन सीजन से पहले सड़क मार्ग को सुधारा जाए।

निराशाजनक व जन विरोधी बजट: इंदु

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। राज्य सभा सांसद इंदु गोस्वामी ने हिमाचल के बजट को निराशाजनक, जन विरोधी और आम जन मानस से खिलवाड़ करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने का दाबा करती है, लेकिन बजट आबंटन में पर्यटन और ट्रांसपोर्ट क्षेत्र की घोर उपेक्षा की गई है जिससे पर्यटन सैक्टर को नुकसान होगा और पर्यटन सेक्टर से जुड़े कारोबारी और प्रोफेशनल इसका खामियाजा भुगतेंगे। उन्होंने कहा कि जन हितेषी सरकार का ढिंढोरा पीटने वाली प्रदेश सरकार ने बजट में सामाजिक सेवाओं के लिए उचित प्रावधान नहीं किया है जिसके चलते वृद्धावस्था, अपंग और विधवा पेन्शन की समय पर आयदायगी नहीं हो पायेगी और इसका असर समाज के सबसे नीचले हिस्से की लोगों पर पड़ेगा। सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और ग्रामीण विकास योजनाओं के लिए प्रदान किया गया बजट ऊंट के मुंह में जीरा है। देश के सबसे बड़े ग्रामीण प्रधान राज्य में ग्रामीण क्षेत्र की उपेक्षा सत्तारूढ़ दल की मानसिकता को उजागर करती है।

जनसहयोग से खड़ा हुआ भरोसे का सहारा, अब अंधेरे में भी नहीं थमेगी जिंदगी बचाने की जंग

◆ आदर्श स्वास्थ्य संस्थान फतेहपुर को मिला साइलेंट जनरेटर

अनंत ज्ञान

रविंद्र चौधरी, फतेहपुर। जिला कांगड़ा के फतेहपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार ऐसी पहल सामने आ रही हैं, जो सिर्फ विकास नहीं बल्कि इंसानियत और एकजुटता की मिसाल भी बन रही हैं। क्षेत्र की जागरूक एवं सहयोगी जनता, रोगी कल्याण समिति और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों से आदर्श स्वास्थ्य संस्थान आज एक नए विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

इसी कड़ी में आदर्श सिविल अस्पताल फतेहपुर में 100त्न पावर बैकअप सुनिश्चित करने हेतु साइलेंट जनरेटर की स्थापना की गई है। यह केवल एक मशीन नहीं, बल्कि उन अनगिनत मरीजों के लिए जीवनरेखा है, जिन्हें हर पल बेहतर इलाज की उम्मीद होती है। अब बिजली जाने की स्थिति में भी अस्पताल की सेवाएं नहीं थमेंगी। ऑपरेशन थिएटर में चल रही जिंदगी बचाने की जंग हो या जरूरी जांच, हर सेवा अब बिना रुकावट जारी रहेगी। यह पहल उन पलों में संबल बनेगी, जब हर सेकंड कीमती होता है। इस जनरेटर की खरीद रोगी कल्याण समिति के माध्यम से की गई है, जिसमें फतेहपुर की जनता ने दिल खोलकर आर्थिक सहयोग दिया। यह सहयोग सिर्फ धन का नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक है। बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के विश्वास ने लोगों को आगे आने के लिए प्रेरित किया और समाजसेवा की इस मुहिम को मजबूत बनाया। इसी जनसहयोग का परिणाम है कि अस्पताल में लगातार मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए नया टॉयलेट ब्लॉक भी जल्द शुरू होने जा रहा है, जिससे यहां आने वाले हर व्यक्ति को सम्मानजनक और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। बही तमीरदारो को बैठने के लिए विशेष बेंच भी लगाए गये है फतेहपुर के विधायक भवानी सिंह पठानिया ने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। उनका लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति इलाज के लिए भटकने को मजबूर न हो और हर जरूरतमंद को समय पर, एक ही स्थान पर, बेहतर और भरोसेमंद स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

बीड़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई चरस मामले में तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार, पूछताछ जारी

अनंत ज्ञान, जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। पुलिस थाना बीड़ की टीम ने चरस तस्करी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी पहले से पकड़े गए दो युवकों से पुलिस रिमांड के दौरान की गई पूछताछ के आधार पर हुई है। जानकारी के अनुसार, 18 मार्च 2026 को बीड़ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को रोककर उनकी तलाशी ली थी। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 110 ग्राम चरस बरामद हुई थी। इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया। पुलिस रिमांड के दौरान की गई गहन पूछताछ में आरोपियों ने एक तीसरे व्यक्ति का खुलासा किया, जो उन्हें नशा उपलब्ध कराता था। इस सूचना के आधार पर बीड़ पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शनिवार को 42 वर्षीय बलवीर सिंह निवासी पंडोल रोड, बैजनाथ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सके। थाना प्रभारी आदर्श बरयाल ने बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि यदि उन्हें इस तरह की गतिविधियों की कोई जानकारी मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

श्री साई प्रीमियर लीगः क्रिकेट के जरिए नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, पठानकोट/बधानी। युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और समाज से नशे की बुराई को जड़ से मिटाने के उद्देश्य से 'श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स बधानी के क्रिकेट ग्राउंड में 'श्री साई प्रीमियर लीग' का भव्य आयोजन किया गया। यह विशेष मैच संस्थान के सीएमडी तुषार पुंज की देखरेख में हुआ। जिन्होंने न केवल आयोजन की कमान संभाली बल्कि खुद भी कॉलेज टीम एसएसजीआई सुपर स्टार के कप्तान के तौर पर मैदान में उतरे। दूसरी ओर, प्रेस इलेवन की टीम कप्तान पवन के नेतृत्व में दमखम दिखाने पहुंची।

मैच के शुभारंभ पर दोनों टीमों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान 'प्ले फॉर ए ड्रग-फ्री फ्यूचर' के नारे के साथ युवाओं को नशे से दूर रहने का कड़ा संदेश दिया गया। टॉस जीतकर एसएसजीआई सुपर स्टार के कप्तान तुषार पुंज ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी के लिए उतरी प्रेस मीडिया की टीम साई कॉलेज की सटीक गेंदबाजी के आगे संघर्ष करती नजर आई और पूरी टीम 20 ओवरों के खेल में 86 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्री साई कॉलेज की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और महज 10 ओवरों में ही मैच जीतकर शानदार जीत दर्ज की। समापन समारोह के दौरान सीएमडी तुषार पुंज ने विजेता व रनर-अप टीमों को सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेलों के माध्यम से ही हम युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकते हैं और पंजाब को नशा मुक्त बनाने के मिशन को सफल बना सकते हैं।

श्री साई प्रीमियर लीग के विजेता खिलाड़ी। अनंत ज्ञान

◆ साई कॉलेज टीम ने प्रेस इलेवन को हराया

इस अवसर पर डायरेक्टर रंजीत सिंह, प्रिं इंजी. मुकेश गुप्ता, डॉ. नवदीप सनवाल, डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. गरीश गुप्ता, अश्वनी शर्मा, किरणदीप सिंह केडी आदि उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

नौण, सेदूं गांव में कल बंद रहेगी बिजली

अनंत ज्ञान, राकेश डोगरा, डरोह। विद्युत उपमंडल थुरल के सहायक अभियंता इंजीनियर प्रवीण सिंह ने प्रेस को जारी एक बयान में कहा कि विद्युत उपमंडल थुरल के अंतर्गत आने वाले 11 केवी बैरघाट, 11 केवी लोकल थुरल और 11 केवी डरोह मूंढी एच टी लाइन पर आइसोलेटर लगाने के कार्य के चलते 24 मार्च दिन मंगलवार को नौण, सेदूं, चूला, बैरघाट, पंखी, डूहक, डूहक कुटिया, धनियारा, दाबी, लंगा लाहड़, छतरू देवी, छैंटी, थुरल थाना, भनार, हेव, भ्राता, बटाहण, भाटी, लुहार पंगा, कोतवाल लाहड़, मूंढी, साई, मरघुणी, नागिनी व सिपन पट्ट आदि गांवों की विद्युत आपूर्ति सुबह 9 बजे से लेकर कार्य समाप्ति तक बाधित रहेगी। मौसम खराब होने की स्थिति में यह कार्य अगले दिन किया जाएगा। उन्होंने जनता से सहयोग की अपील की है।

सात दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। लायंस क्लब धर्मशाला की ओर से 22 से 28 मार्च तक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ रविवार को क्लब अध्यक्ष लायन मोहिंदर सिंह धीमान के करकमलों से किया गया। यह शिविर खासकर न्यूरोपैथी व नैचुरोपैथी संबंधित विभिन्न प्रकार की बिमारियों से ग्रसित लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए रखा गया है। अध्यक्ष लायन मोहिंद्र सिंह धीमान ने सभी लायन सदस्यों की उपस्थिति में आम नागरिकों से भी इस समाचार के माध्यम से अपील की जाती है कि भारी संख्या में हमारे लायन भवन धर्मशाला पहुंच कर इस निशुल्क शिविर भरपूर फायदा उठाएं। सिर्फ 100 रुपए सभी दिनों की एक ही बार डाक्टर की फीस देनी होगी।

संत शारदा ने वचनों से सत्संग को किया निहाल

अनंत ज्ञान, कपिल वासुदेवा, नगरोटा बगवां। संत निरंकारी मिशन परिसर भवन नगरोटा बगवां में रविवार को सत्संग में प्रचारक संत शारदा ने अपने वचनों से सत्संग को निहाल किया। अपने वचनों में फरमाया कि हमें अच्छे कर्म करने हैं बहुत ही अपार कृपा है इस परमात्मा की। इस निरंकार परम परमेश्वर की जो मेहर भरा हाथ हमारे उपर रखा है मालिक की बड़ी रहमत है बड़ी कृपा है। इस मलिक को जानकर इसको मानकर इसकी भगती कर रहे हैं बड़े किस्मत वाले होते हैं संत जिनके हिस्से में यह घड़िया आती है जिन पर इसकी कृपा होती है वही इन की रहमतों को लूट पाते हैं ।

भटेच्छ छिंज मेला 12 और 13 अप्रैल को

अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर की पंचायत ठारू के भटेच्छ गांव में 12 व 13 अप्रैल को छिन्ज मेला का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को संपन्न भटेच्छ छिंज मेला कमेटी की बैठक में ये सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया। कमेटी अध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि 11 अप्रैल को झंडा रस्म के साथ छिंज का शुभारंभ होगा। 12 अप्रैल को छोटी छिंज व 13 अप्रैल को बड़ी छिंज का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक में छिंज मेला के सफल आयोजन के लिए प्रबंधन कमेटियों का भी गठन कर दिया गया है और प्रबंधन कमेटियों को विशेष रूप से निर्देश दिए गए हैं प्रबंधन में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए ताकि बाहर से आये पहलवानों तथा दुकानदारों को कोई भी परेशानी पेश ना आए।

शहीदी दिवस पर उमड़ेगा देशभक्ति का जज्बा

अनंत ज्ञान, रविंद्र चौधरी, फतेहपुर। शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में 23 मार्च को जिला कांगडा की विधानसभा फतेहपुर के कस्बा रैहन में भव्य श्रद्धांजलि रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली प्रातः 10 बजे क्रीड़ा प्रांगण (स्टेडियम) रैहन से प्रारंभ होकर रैहन बाजार, राजा तालाब, गनोह होते हुए फतेहपुर तक पहुंचेगी। रैली का आयोजन जन जागृति सेवा संगठन रैहन के तत्वावधान में किया जा रहा है, जिसमें एकल विद्यालय संगठन सहित विभिन्न संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी रहेगी। आयोजकों ने लोगों से अपने-अपने चारपहिया व दोपहिया वाहनों के साथ रैली में शामिल होने की अपील की है। संगठन के पदाधिकारी डीबी कपूर ने बताया कि रैली में सबसे आगे एक खुला वाहन रहेगा, जिसे शहीदों के चित्रों, बैनरों और फूल मालाओं से सजाया जाएगा। कार्यक्रम का समापन शाम 4 से 4:30 बजे के बीच किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार सभा स्थलों पर राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कविताएं और संगीत कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

सुक्खू सरकार के तीन साल बीतने पर नहीं हुआ एक भी काम : अर्जुन ठाकुर

अनंत ज्ञान

पूर्व विधायक अर्जुन ठाकुर का स्वागत करते हुए। अनंत ज्ञान

ऊषा जरियाल, जवाली। ज्वाली विधानसभा क्षेत्र की कोटला बेल्ट कि सियुनी पंचायत में पूर्व विधायक अर्जुन ठाकुर के पहुंचते ही स्थानीय लोगों एवं कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक अर्जुन ठाकुर ने सयुनी पंचायत के लोगों को केंद्र सरकार की नीतियों के बारे में उजागर करते हुए विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत करवाया गया। इसके उपरांत उन्होंने कहा कि सियुनी पंचायत में जो काम भाजपा सरकार में हुए उसकी गति थमी हुई है तथा कांग्रेस सरकार के 3 वर्ष बीतने पर भी कृषि एवं पशुपालन मंत्री चौधरी चंद्र कुमार एक भी काम नहीं करवा पाए।

उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार के होते हुए भी सियुनी पंचायत के लोग आज भी खाद ब अन्य क्रृषि की सामग्री के लिए जगह-जगह स्थान पर भटक रहे हैं तथा सरकार को कोस रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्ष बीतने के बावजूद भी सियुनी पंचायत के लोग काले पानी की जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा 40 करोड़ की चलाई गई भोद्रीनी स्कीम आज भी लटकी हुई है तथा लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं। यह स्कीम केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई जल जीवन मिशन के तहत शुरू की गई थी जिसके तहत इस स्कीम को भाजपा सरकार में शुरू कर दिया गया था, लेकिन कांग्रेस सरकार के आते ही आपदा के दौरान इसकी हालत इतनी खराब हो गई की जिसे कृषि मंत्री इस स्कीम को आज तक नहीं चलवा पाए। कोटला बेल्ट के लोगों को पानी के लिए तरस तरस कर जीना पड़ रहा है। इस अवसर पर पूर्व प्रधान अंजना देवी, प्रभात सिंह राणा, कैप्टन रविंद्र, कैप्टन मान सिंह राणा, धर्म सिंह राणा, अक्षर सिंह राणा, करनैल सिंह, महिंदू राणा,विचित्र सिंह बहादुर सिंह आदि मौजूद रहे।

सीएम सुक्खू का बजट भाषण अहंकार का प्रतीकः विश्व चक्षु

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली और उनके आचरण पर कड़ा प्रहार करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी पुरानी आदतों से मजबूर हैं और उन्हें लगता है कि उनके द्वारा किया गया हर कार्य सही है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। उन्होंने कहा कि आज सदन में जिस प्रकार मुख्यमंत्री ने असंसदीय शब्दों का प्रयोग कर विपक्ष को नीचा दिखाने का कुत्सित प्रयास किया, उसमें वह छह बार के विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के धैर्य और लंबे संसदीय अनुभव के आगे पूरी तरह बौने साबित हुए। नेता प्रतिपक्ष की शालीनता और गरिमा का ही परिणाम था कि मुख्यमंत्री को न केवल अपने शब्दों के लिए माफी मांगने पर मजबूर होना पड़ा, बल्कि बजट की शुरुआत में कहे गए उन अमर्यादित शब्दों को सदन की कार्यवाही से भी हटाना पड़ा।

विश्व चक्षु ने कहा कि सुखविंद्र सिंह सुक्खू कभी मंत्री तक नहीं रहे और सीधे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के कारण उनमें न तो पद के अनुरूप शालीनता है और न ही वह अनुभव, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण आज पूरे प्रदेश और देश ने देखा। मुख्यमंत्री को यह समझना चाहिए कि संवैधानिक पद की एक मर्यादा होती है और उन्हें छात्र संगठन चलाने जैसी ओछी व छिछोरी हरकतों को त्याग कर गंभीर आचरण अपनाना चाहिए। भाजपा नेता ने कांग्रेस सरकार द्वारा पेश किए गए इस बजट को पूरी तरह अहंकार से भरा, जनविरोधी और दिशाहीन करार देते हुए कहा कि इस दस्तावेज ने मुख्यमंत्री की प्रशासनिक नालायकी और विफलता को प्रदेश की जनता के सामने पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है, जिसमें आम जनमानस के हितों की अनदेखी कर केवल राजनीतिक प्रतिशोध और खोखली बयानबाजी को ही प्राथमिकता दी गई है।

मंत्री गोमा ने जख बाबा मंदिर में किया 15 लाख के विकास कार्यों का लोकार्पण

जख बाबा मंदिर बेहडू में पूजा करते मंत्री यादविंद्र गोमा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

पालमपुर/जयसिंहपुर। आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान जख बाबा मंदिर बेहडू में लगभग 15 लाख रुपए से पूर्ण हुए विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत लोकार्पण किया और जनता को समर्पित किया। इन विकास कार्यों में मुख्य रूप से 5 लाख रुपए की लागत से किया गया टाइल कार्य, 5 लाख रुपए से निर्मित मंदिर प्रवेश द्वार तथा 5 लाख रुपए की लागत से तैयार शौचालय शामिल हैं। लोकार्पण समारोह के अवसर पर स्थानीय निवासियों और मंदिर समिति ने इन जनसुविधाओं के विस्तार के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया। क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आयुष मंत्री ने मंदिर कमेटी और स्थानीय जनता की मांग पर मंदिर परिसर के सौंदर्य करण हेतु विधायक निधि से अतिरिक्त 15 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि धार्मिक व सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण सरकार की प्राथमिकता है ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। कार्यक्रम के दौरान मंदिर समिति द्वारा मंत्री को शॉल व हिमाचली टोपी भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री मछुआरा सहायता योजना के लिए देहरा के मछुआरों ने जताया आभार

◆ विधायक कमलेश ठाकुर के प्रयासों से साकार हुई मछुआरों की मांग

अनंत ज्ञान

शिव गुलेरिया, देहरा। देहरा विधानसभा क्षेत्र के मछुआरा समुदाय ने प्रदेश सरकार द्वारा मत्स्य पालन क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने तथा मछुआरों के कल्याण हेतु शुरू की जाने वाली मुख्यमंत्री मछुआरा सहायता योजना के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू एवं देहरा की लोकप्रिय विधायक कमलेश ठाकुर का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

मछुआरा समुदाय के प्रतिनिधियों सचिव गोरखा कुमार, प्रधान राकिन्द्र कुमार, उपप्रधान हेमराज, कोषाध्यक्ष नेम चन्द, कमेटी सदस्य देवराज, रविकांत, बुद्धि सिंह एवं राकेश कुमार (आदि) ने संयुक्त रूप से कहा कि यह योजना उनके जीवन में नई उम्मीद और आर्थिक संबल लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सरकार ने मछुआरों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। पहली बार मछली का न्यूनतम समर्थन मूल्य 100 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है, जिससे उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिलेगा। यदि बाजार में मछली का मूल्य कम होता है, तो सरकार द्वारा 20 रुपए प्रति किलोग्राम तक का अनुदान के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त मछलियों पर लगने वाली रॉयल्टी को 15 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत किया गया है, जिसे भविष्य में 1 प्रतिशत तक कम करने की घोषणा की गई है। इस निर्णय से राज्य के 6000 से अधिक मछुआरों को सीधा लाभ मिलेगा। मछुआरों ने बताया कि मछली पकड़ने पर प्रतिबंधित अवधि के दौरान मछुआरा परिवारों को 3500 प्रति वर्ष की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही जाल एवं अन्य उपकरणों पर 90 प्रतिशत तक अनुदान तथा नाव खरीदने पर 70 प्रतिशत सब्सिडी देने का भी प्रावधान किया गया है। मछुआरों ने एक स्वर में कहा कि वे प्रदेश सरकार के आभारी हैं।

कार्यक्रम | बागवानों व किसानों के लिए सुनहरा बजट, प्रदेश में होगा किसान आयोग का गठन

आय बढ़ाने पर सरकार का जोरः पठानिया

अनंत ज्ञान

शाहपुर। उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि प्रदेश सरकार का वित्त वर्ष 2026-27 का बजट किसानों और बागबानों के हितों को समर्पित बजट है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच के चलते पहली बार बजट में कृषि, किसान, बागबान तथा गरीब वर्ग के उत्थान पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।

उन्होंने कहा कि किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए प्रदेश सरकार ने हिमाचल प्रदेश राज्य किसान आयोग के गठन का ऐलान किया है, जो किसानों की समस्याओं के समाधान और नीतिगत सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केवल सिंह पठानिया रैत में कृषि विज्ञान केंद्र कांगड़ा द्वारा आयोजित अनुसूचित जाति किसानों के लिए क्षमता निर्माण, आजीविका संवर्धन एवं सतत कृषि प्रोत्साहन विषय पर आयोजित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति किसानों के लिए इस प्रकार का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाना सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और बजट में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। हल्दी का समर्थन मूल्य 90 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलोग्राम किया गया है, जबकि अदरक का समर्थन मूल्य पहली बार 30 रुपए प्रति किलोग्राम घोषित किया गया है। इसके अतिरिक्त गेहूं का समर्थन मूल्य 60 रुपए से बढ़ाकर 80 रुपये, मक्का का 40 रूपए से बढ़ाकर 50 रुपए तथा पांगी घाटी के जौ का समर्थन मूल्य 60 रुपए से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है।

कार्यक्रम में उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से तैयार उत्पादों की गुणवत्ता जांच के लिए हमीरपुर में आधुनिक प्रयोगशाला तथा एक मार्केटिंग सेल स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री खेत बाड़बंदी योजना के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में बीज सम्प्रभुता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीज गांव स्थापित किए जाएंगे, जिनमें 50 से 100 किसानों के समूह पारंपरिक बीजों का उत्पादन करेंगे।

इसके साथ ही चयनित गांवों में सामुदायिक बीज बैंक स्थापित किए जाएंगे तथा जलवायु प्रतिरोधी फसलों जैसे मक्का, मसूर, लाल चावल और कोदा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बीज उत्पादकों को 5 हजार रुपए प्रति बीघा की सब्सिडी तथा प्रत्येक बीज गांव को 2 लाख रुपए की एकमुश्त सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि भेड़ की ऊन के लिए मार्केट स्टेबलाइजेशन योजना के तहत 100 रुपये प्रति किलोग्राम के समर्थन मूल्य की घोषणा भी की गई है। इसके अतिरिक्त उनके प्रयासों से प्रदेश में पैरामिलिट्री वेलफेयर बोर्ड के गठन की घोषणा की गई है, जिससे पूर्व अर्धसैनिक बलों के कल्याण को बल मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि कांगड़ा जिले में एयरोसिटी का निर्माण किया जाएगा।

कांगड़ा के शक्तिपीठों में लगे मां के जयकारे

रविवार को छुटटी के चलते चामुंडा, बज्रेश्वरी और ज्वालामुखी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। चैत्र नवरात्रों के चौथे दिन रविवार को जिला के शक्तिपीठों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार को छुटटी के चलते जिला के तीनों शक्तिपीठों श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम, श्री बज्रेश्वरी मंदिर कांगड़ा और श्री ज्वालामुखी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर, जयकारे लगाते हुए देवी दर्शन किए। चैत्र नवरात्र के चौथे दिन विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ ज्वाला देवी मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। देश के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर परिसर में सुबह से ही लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं, वहीं कई श्रद्धालु दंडवत करते हुए मां के दरबार तक पहुंचे और अपनी श्रद्धा प्रकट की। मंदिर प्रशासन के अनुसार नवरात्र के चार दिनों में ही करीब 1 लाख श्रद्धालु माता के दर्शन कर चुके हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

वहीं चामुंडा धाम में चैत्र नवरात्र के चौथे दिन 10000 श्रद्धालु नतमस्तक हुए। शनिवार और रविवार की छुट्टी होने के कारण बाहरी राज्यों के श्रद्धालुओं का श्री चामुंडा मंदिर नंदिकेश्वर धाम में सैलाब उमड़ा। मंदिर अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु व्यापक व्यवस्था की गई है।

धर्मशाला में चिट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक और सफलता मिली है। पुलिस थाना धर्मशाला की टीम ने गश्त के दौरान एक युवक को 6.46 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम घरोह-गढ़ रोड क्षेत्र में गश्त कर रही थी, इसी दौरान शक के आधार पर एक युवक की तलाशी ली गई। तलाशी में आरोपी के पास से नशीला पदार्थ बरामद हुआ। आरोपी की पहचान 27 वर्षीय वैभव निवासी गांव थरोट, डाकघर चड़ी, तहसील शाहपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर उसके खिलाफ NDPS Act की धारा 21 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि जिला पुलिस का नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे नशा तस्करी की सूचना पुलिस को दें, उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

शाहपुर में काली माता मंदिर से लाखों का सामान चोरी

अनंत ज्ञान

शाहपुर। पुलिस थाना शाहपुर के तहत काली माता मंदिर शाहपुर में शनिवार रात चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी की इस घटना में 3 लाख से ज्यादा कीमत की चोरी हुई है। मंदिर के पुजारी मुकेश कुमार निवासी सदूं ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वो शाहपुर के काली माता मंदिर में वर्ष 2007 से पुजारी के रूप में काम कर रहा है तथा हर रोज की तरह रात को मंदिर के मुख्य द्वार को ताला लगाकर वो अपने घर चला गया था।

रविवार सुबह जब वो मंदिर में करीब 4 बजे पहुंचा तो पाया कि मंदिर गेट को लगाया हुआ ताला टूट कर नीचे गिरा हुआ था। पुजारी ने इसके बाद स्थानीय लोगों को सूचित किया तथा मंदिर में जाकर देखा कि अंदर चांदी का शिवलिंग, चांदी का छत्तर, चांदी का नाग, चांदी के छत्तर के अंदर सोने का छोटा छत्तर व माता रानी की सोने की आंखे गायब थीं। चोरी की घटना में करीब 3,20,000 रुपए की चोरी मंदिर से हुई है। शिकायत के आधार परद पुलिस थाना शाहपुर में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 305,331(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की पुष्टि करते हुए एएसपी कांगड़ा बीर बहादुर ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है तथा मामला दर्ज कर चोरों की धरपकड़ के लिए प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

मैक्लोडगंज में कैफे से बीयर की खेप बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। पुलिस थाना मैक्लोडगंज के तहत एक कैफे से भारी मात्रा में बीयर की खेप बरामद करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार पुलिस थाना मैक्लोडगंज की टीम जब गश्त पर थी तो तेन्जिन निवासी टिप्पा रोड़ मैक्लोडग़ंज के कैफे में दबिश दी गई। तलाशी के दौरान कैफे से 64 कैन बीयर मार्का टबर्ग, 24 कैन बियर मार्का किंगफिशर व 4 कैन बीयर मार्का वुडवाइजर समेत कुल 92 कैन बीयर तथा 46000रू नकदी बरामद की गई। आरोपी इस बीयर को बेचने के लिए कोई भी लाईसैंस या परमिट पुलिस के समक्ष प्रस्तुत नहीं कर पाया। पुलिस थाना मैक्लोडग़ंज में आरोपी के खिलाफ बिना बिना लाईसैंस व परमिट के बियर रखना व बेचने को लेकर हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 39(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एएसपी कांगड़ा बीर बहादुर ने मामले की पुष्टि की है।

बजट से नाखुश पैरा वर्कर, घेराव को तैयार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश सरकार के बजट से नाखुश, जल शक्ति विभाग के पैरा वर्कर एक बार फिर से विधानसभा को तैयार हैं। पैरा वर्कर यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष अंकुश ने कहा कि जल शक्ति विभाग के पैरा कर्मचारी अपनी मांगो को शिमला में जाकर सरकार के समक्ष रखा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अभी वर्तमान में पैरा कर्मचारियों को 5500 एवं 6600 रुपए के रूप मे वेतन दिया जा रहा है जिससे कर्मचारियों का तेल का खर्चा पूरा कर पाना ही बहुत मुश्किल है घर चलाना तो दूर कि बात है । पैरा कर्मियों से कागजों में कार्य 6 घंटे का है, जबकि इस वर्ग से 8 से 10 घंटे काम लिया जा रहा है। आपदा मे दिन रात जान माल की परवाह किये बिना ड्यूटी करना बिना किसी छूटी के सेवा करना इसका फल उनका शोषण करके दिया जा रहा है । इस पर पैरा कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष महेश शर्मा (अंकुश) ने इस बार पीछे ना हटते हुए सडक़ों पर आने का फैसला किया है व विधानसभा घेराव की तैयारी कर ली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गौरवशाली सफर को राष्ट्र का सलाम: संजय शर्मा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संजय शर्मा ने कहा कि आज का दिन भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होने वाला दिन है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक कार्यालय के शीर्ष पदों पर (गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधान मंत्री के रूप में) 8,931 दिन का गौरवशाली कार्यकाल पूरा कर लिया है। यह उपलब्धि केवल समय की गणना नहीं है, बल्कि अंत्योदय से आत्मनिर्भर भारत तक की एक अद्वितीय विकास यात्रा का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने से लेकर आज विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में भारत का नेतृत्व करने तक मोदी का हर दिन राष्ट्र प्रथम के संकल्प को समर्पित रहा है। इन 8,931 दिनों में उन्होंने शासन प्रशासन को पॉलिसी पैरालिसिस से निकालकर डिलीवरी और परफॉर्मेंस के युग में पहुंचाया है। इन लगभग 24 वर्षों के सार्वजनिक नेतृत्व के दौरान प्रधान मंत्री मोदी ने देश के सामाजिक और आर्थिक ढांचे को नई दिशा दी है। 8,931 दिनों का यह कार्यकाल इस बात का प्रमाण है कि जब नेतृत्व साधना बन जाता है, तो देश सिद्धि की ओर अग्रसर होता है। बिना एक भी दिन का अवकाश लिए, प्रधानमंत्री ने थकान रहित और निष्काम सेवा का जो उदाहरण पेश किया है, वह दुनिया भर के प्रशासकों के लिए एक केस स्टडी है।

9,828 बनना चाहते सीबीएसई शिक्षक

हिमाचल के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई के लिए परीक्षा, बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश ने साझा किए आंकड़े

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों को सीबीएसई पैटर्न पर ढालने की दिशा में सुक्खू सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहले से कार्यरत शिक्षकों को अब सीबीएसई के तहत संचालित होने वाले विशेष स्कूलों में तैनात करने के लिए एक विशेष चयन प्रक्रिया शुरू की गई है। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा में प्रदेश के हजारों शिक्षकों ने अपनी प्रतिभा और विषय ज्ञान का प्रदर्शन किया।

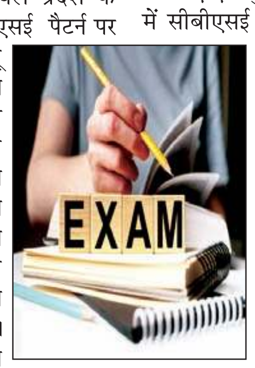

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस परीक्षा की आधिकारिक उपस्थिति रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि प्रदेश के 24 केंद्रों पर कुल 9,828 शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह परीक्षा केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उन शिक्षकों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो भविष्य में सीबीएसई मानकों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने की बड़ी जिम्मेदारी संभालना चाहते हैं। हिमाचल सरकार की नई नीति के अनुसार, इस परीक्षा में सफल होने वाले शिक्षकों का चयन पूरी तरह से मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

चयनित होने वाले इन गुरुजनों को प्रदेश के नव-निर्धारित सीबीएसई स्कूलों में अगले 10 वर्षों के लिए नियुक्त किया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस संबंध में कहा कि यह परीक्षा शिक्षकों की गुणवत्ता और सीबीएसई प्रणाली के प्रति उनकी तत्परता को जांचने का एक महत्वपूर्ण पैमाना है। बोर्ड बेहद पारदर्शी तरीके से मेरिट सूची तैयार कर रहा है ताकि केवल सर्वश्रेष्ठ और योग्य शिक्षक ही इन विशेष स्कूलों का नेतृत्व कर सकें और सरकारी शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकें। परीक्षा के आंकड़ों का जिलावार विश्लेषण करें तो कांगड़ा, शिमला और मंडी जिलों में शिक्षकों की सबसे अधिक भागीदारी देखने को मिली है। कांगड़ा जिले में इस चयन प्रक्रिया को लेकर विशेष उत्साह देखा गया, जहां अकेले एमसीएम डीएवी कॉलेज, कांगड़ा केंद्र पर सबसे अधिक 886 शिक्षक अपनी उपस्थिति दर्ज कराने पहुंचे। इसके साथ ही धर्मशाला गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में 452 और पालमपुर के शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा कॉलेज में 451 शिक्षकों ने मेरिट में स्थान बनाने के लिए पसीना बहाया। शिमला जिले में भी गुरुजनों का भारी हुजूम उमड़ा, जहाँ सेंट बेड्स कॉलेज में 829, राजकीय कन्या महाविद्यालय में 727 और पोर्टमोर स्कूल में 341 शिक्षक परीक्षा में शामिल हुए। मंडी जिले के केंद्रों पर भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जहां वल्लभ कॉलेज में 471 और जोगिंदरनगर कॉलेज में 410 शिक्षक परीक्षा देने पहुंचे।

मेरिट से तय होगा शिक्षकों का 10 साल का भविष्य

प्रमुख केंद्रों की विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, हमीरपुर जिले के अनु स्थित नेताजी सुभाष चंद्र मेमोरियल पीजी कॉलेज में 533 और नाहन के डॉ. वाईएस परमार पीजी कॉलेज में 658 शिक्षकों ने अपनी दावेदारी पेश की। सिरमौर और सोलन जैसे क्षेत्रों में भी शिक्षकों की उपस्थिति काफी प्रभावी रही, जहाँ नालागढ़ डिग्री कॉलेज में 397 और सोलन कॉलेज में 213 शिक्षकों ने परीक्षा दी। बिलासपुर जिले के स्वामी विवेकानंद कॉलेज घुमारवीं में 303 और झंडूता कॉलेज में 202 शिक्षकों ने अनुशासन के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. राजेश शर्मा द्वारा साझा की गई इस रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेशभर के 24 केंद्रों पर कुल 11,294 शिक्षकों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें से लगभग 87 प्रतिशत शिक्षकों ने इस महा-परीक्षा में हिस्सा लिया। अब सबकी नजरें बोर्ड द्वारा तैयार की जाने वाली मेरिट सूची पर टिकी हैं, जो इन शिक्षकों के अगले 10 साल का कार्यक्षेत्र तय करेगी।

देहरा में संत महात्माओं ने संगत को किया निहाल

अनंत ज्ञान, देहरा। देहरा में संयोजक स्तरीय निरंकारी संत समागम का भव्य आयोजन हुआ जिसमें सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आदेशों अनुसार चंडीगढ़ से आए ज्ञान प्रचारक महात्मा पवन कुमार ने सतगुरु का पैगाम संगत के साथ सांझा किया। इस संयोजन स्तरीय सत्संग का आनंद लेने के लिए सैकड़ो की तादाद में दूर-दूर से निरंकारी भक्त जन सत्संग भवन देहरा में पहुंचे। सत्संग के दौरान अनेकों ही संत महात्माओं ने मनों को सुकून देने वाले सुंदर भजनों, कविताओं व प्रेरणादायक प्रवचनों से संगत को निहाल किया। इस दौरान विशेष कर कांगड़ा जॉन से सेवा दल के क्षेत्रीय संचालक तिलक राज डोगरा, धर्मशाला दाड़ी की संयोजक बहन रूपा, देहरा संयोजक महात्मा संजीव कुमार, गूलेर की मुखी बहन संतोष गुलेरीया, मुखी बलदेव निरंकारी, सेवादल संचालक सोमराज, मुखी सतीश कुमार, आदि महात्मा उपस्थित रहे। इस संत समागम के दौरान संत निरंकारी मिशन का संदेश लेकर आए चंडीगढ़ से ज्ञान प्रचारक महात्मा पवन ने अपने प्रबचों मे कहा की संत निरंकारी मिशन एक आध्यात्मिकता का मिशन है।

लोक प्रशासन विभाग ने उभरते पेशेवर नवाजे

धर्मशाला में ग्रैंड वैलेडिकशन का भव्य आयोजन, विद्यार्थियों को दी भावुक विदाई

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के लोक प्रशासन विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-26 के स्नातक विद्यार्थियों के सम्मान में 'ग्रैंड वैलेडिक्शन' नामक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ-साथ उन्हें भविष्य की पेशेवर चुनौतियों के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश केंद्रीय विवि के प्रोफेसर डॉ. अमित गंगोटिया उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नगरोटा बगवां कॉलेज की अंग्रेजी विभाग की प्रो. सीमा कुमारी ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश पठानिया ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके सफल शैक्षणिक सफर और उत्कृष्ट आयोजन के लिए बधाई दी। समारोह के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी 'अवसरों से भरा है विश्व' में बीए तृतीय वर्ष के सात विद्यार्थियों सुहानी कटोच, प्रेनिका ठाकुर, रीतिका, रोहित ठाकुर, सोनिया थापा, मंथन और अर्चित जमवाल ने अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में अवसरों की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए टीम वर्क, इवेंट मैनेजमेंट, नेटवर्किंग और आत्मविश्वास जैसे कौशलों को सफलता की कुंजी बताया। लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन और निरंतर सीखने की आदत बनाए रखने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि डॉ. अमित गंगोटिया ने कहा कि दृढ़ संकल्प और नवाचार के बल पर सफलता की कोई सीमा नहीं होती और आज का युवा अपनी प्रतिभा से वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकता है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' का खिताब रोहित ठाकुर और प्रेनिका कटोच को मिला, जबकि 'मिस्टर फेयरवेल' मंथन और 'मिस फेयरवेल' रितिका बनीं। 'मिस्टर पर्सनैलिटी' का सम्मान अर्चित जमवाल और 'मिस पर्सनैलिटी' का खिताब सुहानी कटोच को मिला। 'अचीवर्स अवार्ड' सोनिया थापा और वैष्णवी डोगरा को प्रदान किया गया। समारोह का सबसे भावुक क्षण 'टॉर्च पासिंग सेरेमनी' रहा, जिसमें पासिंग आउट बैच के विद्यार्थियों ने परंपरा, अनुशासन और ज्ञान की प्रतीकात्मक मशाल अपने जूनियर्स को सौंपी। यह विभाग की निरंतरता और उत्कृष्टता का प्रतीक रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों से आशीर्वाद लेकर जीवन के नए अध्याय की ओर कदम बढ़ाया।

धर्मशाला में ग्रैंड वैलेडिकशन का आयोजन किया गया। अनंत ज्ञान

कांग्रेस का बजट निराशाजनक और दिशाहीन: रविता भारद्वाज

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव रविता भारद्वाज ने कांग्रेस सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को पूरी तरह निराशाजनक और दिशाहीन करार दिया है। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि यह बजट न तो युवाओं की आकांक्षाओं को समझता है और न ही महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति कोई गंभीर प्रतिबद्धता दर्शाता है।

रविता भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सरकार ने बड़े-बड़े दावे तो किए, लेकिन युवाओं के लिए रोजगार, स्किल डेवलपमेंट और स्टार्टअप को बढ़ावा देने हेतु कोई ठोस योजना या विशेष पैकेज प्रस्तुत नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित रह गया है। महिलाओं के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि सुरक्षा, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कोई नई पहल नजर नहीं आती। उनके अनुसार, यह बजट महिलाओं के साथ अन्याय है और उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता। रविता भारद्वाज ने कहा ने कहा कि यह बजट जनता की उम्मीदों पर नहीं, बल्कि कांग्रेस की विफलताओं पर आधारित है। युवाओं और महिलाओं को इससे केवल निराशा ही हाथ लगी है। अंत में उन्होंने सरकार से जवाब मांगते हुए कहा कि आखिर कब तक हिमाचल के युवाओं और महिलाओं को केवल आश्वासनों के सहारे रखा जाएगा।

शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण तकनीकों का दिया प्रशिक्षण

रोजमेरी स्कूल में सक्रिय अधिगम पर सीबीपी का आयोजन किया गया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

शिव गुलेरिया, देहरा। आज रोजमेरी पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए एक्टिव लर्निंग (सक्रिय अधिगम) विषय पर एक सशक्त और ज्ञानवर्धक कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण विधियों से परिचित कराना तथा कक्षा में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति के रूप में जगदीप शर्मा ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने शिक्षकों को एक्टिव लर्निंग की विभिन्न तकनीकों एवं रणनीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे गतिविधि-आधारित शिक्षण, समूह कार्य, प्रश्नोत्तरी एवं प्रोजेक्ट आधारित कार्यों के माध्यम से छात्रों की रुचि और सहभागिता को बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान कई रोचक गतिविधियां भी करवाई गईं, जिनमें सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इससे न केवल शिक्षकों की समझ में वृद्धि हुई, बल्कि उन्होंने इन विधियों को अपने दैनिक शिक्षण में अपनाने का संकल्प भी लिया। यह सीबीपी अत्यंत सक्रिय, प्रभावी एवं फलदायी रहा। अंत में विद्यालय प्रशासन ने संसाधन व्यक्ति का आभार व्यक्त किया और शिक्षकों को भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

बजट आंकड़ों का मकडजाल जनता से किए वादों को भूली प्रदेश सरकार: मुल्खराज प्रेमी

अनंत ज्ञानल, जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। प्रदेश कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए पेश किया गया आम बजट केवल आंकड़ों का मकडज़ाल है और इससे आम जनता को कोई वास्तविक राहत नहीं मिलने वाली। यह कड़ी प्रतिक्रिया पूर्व विधायक मुल्खराज प्रेमी ने बजट पर व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले मित्रों की सरकार बनाकर अपने करीबियों को लाभ पहुंचाया, लेकिन अब बजट में खुद, मंत्रियों और अधिकारियों के वेतन में कटौती दिखाकर जनता की सहानुभूति हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। मुल्खराज प्रेमी ने आरोप लगाया कि यदि सरकार ने शुरुआत से ही फिजूलखर्ची पर रोक लगाई होती और अपने मित्रों को लाभ न पहुंचाया होता, तो आज प्रदेश को आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव के दौरान जो वादे कर सत्ता हासिल की थी, उन्हें इस बजट में पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार ने हर घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और प्रत्येक महिला को 1500 रुपये मासिक देने का वादा किया था, लेकिन अब इन योजनाओं को सीमित कर दिया गया है। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि सरकार केवल कुछेक लाभार्थियों तक ही इन योजनाओं को सीमित कर रही है, जिससे अधिकांश जनता वंचित रह जाएगी। अंत में उन्होंने कहा कि यह बजट कुल मिलाकर गरीब, युवा, मध्यमवर्ग, किसान और वरिष्ठ नागरिकों के हितों के खिलाफ है और जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता।

कार्यशाला स्प्रिंगशेड प्रबंधन विषय पर जिला स्तरीय एनएक्यूआईएम 2.0 कार्यशाला का किया आयोजन

स्प्रिंग्स के संरक्षण के लिए तकनीकी उपाय की जरूरत: हेमराज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। विश्व जल दिवस के अवसर पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रविवार को उपायुक्त कार्यालय के सभागार स्प्रिंगशेड प्रबंधन विषय पर जिला स्तरीय एनएक्यूआईएम 2.0 कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस एक दिवसीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कांगड़ा जिला प्रशासन एवं विभिन्न हितधारकों को स्प्रिंगशेड प्रबंधन की आवश्यकता और महत्ता के प्रति जागरूक करना था। क्षेत्र की बड़ी आबादी अपने दैनिक उपयोग और सिंचाई के लिए प्राकृतिक जल स्रोतों (स्प्रिंग्स) पर निर्भर है। जलवायु परिवर्तन और वर्षा पैटर्न में बदलाव के कारण इन स्रोतों पर पड़ रहे प्रभाव को ध्यान में रखते हुए कार्यशाला में स्प्रिंग्स के संरक्षण एवं पुनर्जीवन (कायाकल्प) से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेषज्ञों एवं हितधारकों के बीच विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जल संकट और आपदाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने कांगड़ा जिले के विविध भौगोलिक क्षेत्रों के अनुसार स्प्रिंग्स के पुनर्जीवन हेतु उपयुक्त तकनीकों के प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, धर्मशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय पाण्डेय ने हिमाचल प्रदेश में बोर्ड द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने भू-जल अन्वेषण, मॉनीटरिंग, रिचार्ज, संसाधन आकलन तथा आगामी योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्प्रिंगशेड प्रबंधन, जिला कांगड़ा विषय पर किए गए कार्यों को भी साझा किया।

स्प्रिंगशेड प्रबंधन विषय पर जिला स्तरीय एनएक्यूआईएम 2.0 कार्यशाला का आयोजन किया गया। अनंत ज्ञान

कार्यशाला में एनजीओ कॉर्ड द्वारा जन भागीदारी के माध्यम से स्प्रिंगशेड प्रबंधन विषय पर अपने अनुभव एवं कार्यों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर वैज्ञानिक मानसी सिंह एवं शिवानी सोनी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक शिखर पाण्डेय, बिमल चंद्र सिन्हा, मनोहर कुमार, देवेन्द्र कुमार, अभिषेक वर्मा, प्रशान्त कुमार सिंह, अंजू देवी तथा इंजीनियर महावीर लाल मीणा ने अपने-अपने कार्यों की प्रस्तुतियां दीं। कार्यशाला में केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, कांगड़ा जिले के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षक तथा विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एक जन-जागरूकता रैली का सफल आयोजन भी किया गया।

एनएचएम कर्मचारियों के वेतनमान में ऐतिहासिक वृद्धि पर मुख्यमंत्री का आभार जताया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) हिमाचल प्रदेश कर्मचारी महासंघ ने प्रदेश सरकार द्वारा बजट सत्र के दौरान एनएचएम कर्मचारियों के वेतनमान में वृद्धि किए जाने पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का हार्दिक धन्यवाद किया है। महासंघ ने इस निर्णय को ऐतिहासिक, स्वागतयोग्य, सराहनीय तथा कर्मचारी हित में लिया गया अत्यंत महत्वपूर्ण कदम बताया है। एनएचएम हिमाचल प्रदेश कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मनजीत धीमान, महासचिव सुनील कुमार एवं प्रेस सचिव राज महाजन ने संयुक्त बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि वे प्रदेश के कर्मचारियों की भावनाओं, समस्याओं और लंबे समय से लंबित मांगों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील, गंभीर और प्रतिबद्ध हैं। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि नेशनल हेल्थ मिशन कर्मचारियों के वेतनमान में वृद्धि बजट सत्र के माध्यम से की गई है, जो ह।रू कर्मचारियों के लिए केवल आर्थिक राहत ही नहीं, बल्कि सम्मान, विश्वास और मनोबल बढ़ाने वाला ऐतिहासिक निर्णय भी है। उन्होंने कहा कि वर्षों से अनुबंध आधार पर सेवाएं दे रहे ह।रू कर्मचारियों के लिए यह फैसला सरकार की सकारात्मक सोच, संवेदनशील प्रशासनिक दृष्टिकोण और कर्मचारी हितैषी नीतियों का स्पष्ट प्रमाण है। महासंघ के नेताओं ने कहा कि यह वेतनमान वृद्धि एनएचएम कर्मचारियों के वर्षों के धैर्य, संघर्ष, अनुशासन, संगठनात्मक एकजुटता और निरंतर सेवाभाव की भी एक प्रकार से स्वीकृति है। यह निर्णय कर्मचारियों के मनोबल को नई ऊर्जा देगा।

न्यूज ब्रीफ

जख्योल से 75 वर्षीय महिला 8 दिन से लापता

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के अंतर्गत रवि कुमार पुत्र स्व जगदीश चंद गांव जख्योल ने पुलिस थाना भोरंज में अपनी माता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रवि कुमार ने बताया कि मेरी माता जिन्दी देवी उर्फ सरोज देवी पिछले 8 दिनों से घर से बिना बताए कहीं चली गई है। उन्होंने बताया कि मैने सभी रिश्तेदारों के पास भी ढूंढा लेकिन कहीं पर उसका पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि माता की लंबाई 5 फुट और उम्र 75 वर्ष है। पुलिस थाना भोरंज में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सीबीएसई काडर के लिए 1563 ने दी परीक्षा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर जिले में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों के डेपुटेशन के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। उच्चतर शिक्षा उपनिदेशक डॉ. मोही राम चौहान ने बताया कि जिले में कुल 1780 शिक्षकों के लिए पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों पर 1563 शिक्षकों ने परीक्षा दी, जबकि 217 अनुपस्थित रहे। डिग्री कॉलेज कंजयाण, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोरंज, डिग्री कॉलेज हमीरपुर, बहुतकनीकी कॉलेज बड़ू और डिग्री कॉलेज सुजानपुर में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। सभी केंद्रों पर प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षा के सफल आयोजन से शिक्षा विभाग ने संतोष व्यक्त किया है।

बलिदान दिवस पर 76 यूनिट रक्त संग्रह

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ठाकुर राम सिंह स्मृति न्यास की ओर से बलिदान दिवस के अवसर पर एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानवता की सेवा का संदेश दिया। आयोजकों के अनुसार शिविर के दौरान कुल 76 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिससे क्षेत्र में लंबे समय से बनी रक्त की कमी को दूर करने में मदद मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला प्रशासन, टैक्सी यूनियन तथा हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन के स्टाफ सहित विभिन्न सहयोगियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिविर के संचालन में मेडिकल टीम की विशेष भूमिका रही, जिन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित पुस्तक भी भेंट स्वरूप प्रदान की गई।

करनेहड़ा में 56 यूनिट रक्त किया एकत्रित

अनंत ज्ञान, बड़सर। विधानसभा क्षेत्र बड़सर की ग्राम पंचायत रैली के करनेहड़ा गांव में जय ज्वाला मां राम नाटक क्लब द्वारा दरिद्र नारायण कल्याण समिति घुमारवीं के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 56 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सुभाष ढटवलिया ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए लोगों से ऐसे शिविरों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर विपिन ढटवालिया, पूर्व प्रधान मुख्तियार सिंह, प्रकाश चौधरी, क्लब प्रधान देसराज सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जन सुधार संस्था कोहला ने दी आर्थिक मदद

अनंत ज्ञान, नादौन। जन सुधार संस्था कोहला की बैठक संस्था के अध्यक्ष राजीव कुमार की अध्यक्षता में रविवार को कोहला गांव में संपन हुई। जिसमें तरसेम कुमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। संस्था के मेंबर स्वर्गीय निर्मल सिंह और स्वर्गीय सीता राम को 2 मिनट कम ऑन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने कहा कि सीता राम ने अपनी बॉडी मेडिकल कॉलेज हमीरपुर को दान करने की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी बॉडी से कई प्रशिक्षु डॉक्टरों को मानव शरीर से प्रैक्टिकल करके बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। राजीव ने बताया कि संस्था ने संस्था के पेंशन भोगियों को पेंशन सहायता राशि भी दी। बैठक में राजीव कुमार, रवि मेहता, गुलबंत सिंह, जगदीश, सुमन, संजीव, संदीप, विक्रमजीत, सुरेंद्र चौधरी, तिलक राज, चमन, रूप लाल, मोनिका, देवेंद्र, धर्मराज, ओमप्रकाश, सुदेश, लकी, राजेंद्र आदि उपस्थित रहे।

गलोड़ में राम जन्म की कथा ने बांधा समां

अनंत ज्ञान, गलोड़। गलोड़ क्षेत्र के लोअर हड़ेटा स्थित राम तीर्थ में चल रही नौ दिवसीय राम कथा के चौथे दिन भगवान राम के जन्म का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा वाचन करते हुए शास्त्री अमित लखनपाल ने बताया कि संतान प्राप्ति के लिए राजा दशरथ ने कुलगुरु वशिष्ठ के निर्देश पर श्रृंगी ऋषि से पुत्रकामेष्टि यज्ञ करवाया, जिससे चारों पुत्रों का जन्म हुआ। राम जन्म का प्रसंग सुनते ही पूरा पंडाल 'जय श्री राम' के जयकारों से गूंज उठा। उन्होंने प्रभु राम की बाल लीलाओं और उनके आदर्श जीवन पर भी प्रकाश डाला। इस आयोजन में महिला भागवत कमेटी व ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग रहा। कथा के दौरान क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे और भक्ति रस में सराबोर दिखे।

वरिष्ठ नागरिकों के अनुभवों से सीखने का संदेश

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोईस में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 'इंटर जनरेशनल बॉन्डिंग' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला कल्याण अधिकारी चमन लाल शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं के बीच संवाद, समझ और सम्मान को बढ़ावा देना है। उन्होंने अटल वयो अभ्युदय योजना, राष्ट्रीय वयोश्री योजना सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए युवाओं से बुजुर्गों के अनुभवों से सीखने का आग्रह किया। कार्यक्रम में डॉ. दीक्षा डोगरा ने पीढ़ियों के बीच भावनात्मक जुड़ाव की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं सेवानिवृत्त आयुष अधिकारी डॉ. कमल किशोर ने बुजुर्गों को स्वस्थ रहने के उपाय बताए। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

भड़ोली में आधुनिक शिक्षण पद्धतियों पर जोर

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन के डीएवी पब्लिक स्कूल भड़ोली में आयोजित दो दिवसीय सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। यह कार्यशाला प्रधानाचार्य सुरजीत कुमार राणा के निर्देशन में आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य एनसीएफ 2023 के अंतर्गत 'थ्योरी ऑफ नॉलेज' विषय पर शिक्षकों को आधुनिक और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना था। इसमें डीएवी कांगू के शिक्षकों ने भी भाग लिया। संसाधन व्यक्तियों रुचि वक्शी और शिवाय गुलेरिया ने नैतिक मूल्यों के विकास, तनावमुक्त शिक्षण और विद्यार्थियों की रुचि आधारित शिक्षा पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने गतिविधियों के माध्यम से समझाया कि विद्यार्थी विभिन्न तरीकों से ज्ञान अर्जित करते हैं, जिससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी बन सकती है।

अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड की घोषणा पर आभार

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य अर्धसैनिक कल्याण संघ ने विधानसभा में अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया है। संघ के पदाधिकारियों ने इस निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह लंबे समय से लंबित मांग थी, जिसे पूरा किया गया है। संघ के अनुसार इस बोर्ड के गठन से अर्धसैनिक कर्मियों, वीर नारियों और शहीदों के परिवारों के कल्याण को नई दिशा मिलेगी और यह प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। संघ ने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के साथ-साथ विधायक केवल सिंह पठानिया की भूमिका भी सराहनीय रही, जिन्होंने इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया। संघ ने प्रदेश के सभी सदस्यों के लिए गर्व का विषय बताते हुए भविष्य में सम्मान कार्यक्रम आयोजित करने की भी जानकारी दी।

कृषि सेवा सहसभा सुजानपुर के चुनाव 9 को

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। दी सुजानपुर कृषि सेवा सहसभा सुजानपुर की प्रबंधक कमेटी का चुनाव आगामी पांच वर्षों के लिए होने जा रहा है। सभा कार्यक्षेत्र से इच्छुक उम्मीदवार अपना नामांकन दिनांक 23 व 24 मार्च सुबह 10 से सायं 3 बजे तक सभा कार्यालय में भर सकेंगे। नामांकन पत्रों वापसी 28 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी व उसके उपरांत चुनाव चिन्ह आबंटित कर दिए जाएंगे। चुनाव मतदान के द्वारा 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे से सायं 3 बजे तक सभा कार्यालय में होगा। यह जानकारी निवर्तमान प्रधान रिंकू कुमार ने दी।

हंगामे में टले सीनियर सिटीजन काउंसिल चुनाव

225 वोट पड़ चुके थे, 28 को लेकर हुआ विवाद, अब एसडीएम के पास जाएगा मामला

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। पहले विवाद हुआ और फिर हंगामा, इसी दरमियान 'सीनियर सिटीजन काउंसिल' का बहुचर्चित चुनावी प्रोसेस स्थगित हो गया। चुनाव को लेकर पिछले कुछ दिनों से जो गहमागहमी और जोर-आजमाइश का दौरा चल रहा था, उसका पटाक्षेप होने से पहले ही विवादों में घिर गया। कल 328 आजीवन सदस्यों वाली इस सभा का इस तरह की यह चुनावी प्रक्रिया पहली मर्तबा हो रही थी। टाउन हॉल में सुबह 10:00 बजे से ही काफी रौनक शुरू हो गई थी। 11:55 तक सदस्यों को सभा स्थल पर एंट्री सुनिश्चित की गई थी। सेवानिवृत्त प्रिंसिपल पुरुषोत्तम कालिया को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था व स्थानीय तहसीलदार नरेश पटियाल को ऑब्जर्वर बनाया गया था। पुलिस के बंदोबस्त किए गए थे ताकि किसी तरह की विवादित स्थिति पैदा न हो।

328 सदस्यों में से 250 से ज्यादा मौजूद हुए और जब तक 225 वोट पड़ चुके थे, उसके बाद 28 ऐसे लोगों की मौजूदगी भी हुई, जिन्होंने वोट नहीं डाला था। रजिस्टर पर हाजिरी और आई कार्ड वाले अलग रजिस्टर की हाजिरी से शुरू हुआ यह विवाद अंततः चुनाव स्थगित होने पर सिमट गया।

चुनावी प्रक्रिया शुरू होने के बाद यह तय हुआ कि पुराने सिस्टम के मुताबिक ही चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसमें 7 लोगों का चुनाव होगा। इस पर भी हो हल्ला हुआ, फिर प्रधान पद के लिए दो उम्मीदवार सामने आए जिनमें भगवान दास शास्त्री व तेजनाथ ने नामांकन भरे। इसी के तहत वोटिंग की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन इससे पहले कुछ फाउंडर मेंबर्स ने कहा कि आपस में बातचीत करके पदाधिकारी बन सकते हैं। चुनाव के बड़े क्लेश में पड़ने की जरूरत नहीं है। समाजसेवा का ही तो यह काम है, लेकिन अंततः वोटिंग के जरिए चुनावी प्रक्रिया शुरू करनी ही पड़ी।

चुनाव में विवाद की जड़ बनी सदस्यों की संख्या

काबिलेगौर है कि यह संस्था मेडिकल कॉलेज में मरीजों को तीन वक्त का खाना परोसती है। कई तरह की और सुविधाएं भी मुहैया करवाती है। संस्था को आर्थिक रूप में सुदृढ़ करने के लिए बहुत सारे लोग आर्थिक मदद करते हैं, लेकिन इसके चुनाव का प्रोसेस अभी तक की प्रक्रिया से पहले केवल डेढ़ दर्जन सदस्यों के बीच ही सिमटा हुआ था, यही असल में विवाद की जड़ थी। सेवाभाव वाली इस संस्था में आज चुनाव प्रक्रिया के दौरान जो कुछ हुआ, वह नहीं होना चाहिए था।

एसडीएम को देंगे रिपोर्ट : ऑब्जर्वर

चुनाव सभा स्थगित होने के बाद स्थानीय तहसीलदार और ऑब्जर्वर नरेश पटियाल का कहना था कि रिपोर्ट तैयार करके एसडीएम को सौंप जाएगी। 225 वोट पड़ चुके थे। उसके बाद 28 ऐसे लोग भी वहां मौजूद थे, जिनके वोट अभी डलने थे, विवाद इसलिए पैदा हुआ क्योंकि दो अलग-अलग रजिस्टर एक आई कार्ड को लेकर और दूसरा हाजिरी रजिस्टर वाला था, जिस कारण विवाद हुआ और फिर चुनाव स्थगित करना पड़ा।

चुनाव प्रक्रिया स्थगित : कालिया

चुनाव अधिकारी पुरुषोत्तम कालिया का कहना था कि चुनाव प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है और अब सारी रिपोर्ट बनाकर एसडीएम को सौंपी जाएगी। उसके बाद जो भी फैसला होगा, उसी के तहत अगली कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रदेश का प्रशंसनीय बजट ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती: बन्याल

अनंत ज्ञान, बड़सर। मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट को हिमुंडा के निदेशक इंजीनियर राजेश बन्याल ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए उत्कृष्ट बजट बताया है। यह बजट दूरदर्शी व हिमाचल के हितों के लिए महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने 2026-27 के लिए 54,928 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है, जिसे हिमुंडा निदेशक ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने वाला बजट बताया है। इस बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं: ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए गाय और भैंस के दूध के मूल्य में 10 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे पशुपालकों को लाभ होगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा वर्कर, सिलाई शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की गई है। शिक्षा विभाग को 9660 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 2068 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए गेहूं और मक्की के मूल्य में वृद्धि की गई है, जबकि पशुपालन के लिए 724 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। जल शक्ति मंत्रालय ने 2000 करोड़ रुपये की योजना तैयार की है, जबकि ऊर्जा क्षेत्र के लिए 4150 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

नवगठित पंचायत में आभार समारोह, विधायक सुरेश ने गिनाए विकास कार्य

दशमल पंचायत के लिए दिए 10 लाख रुपए

अनंत ज्ञान

भोरंज। भोरंज उपमंडल के अंतर्गत नवगठित दशमल पंचायत में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा विधायक सुरेश कुमार के सम्मान में एक भव्य आभार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए और पंचायत गठन को विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

गौरतलब है कि पूर्व पंचायतों कडोहता, भौंखर और खुथड़ी से अलग होकर बखौटा, झलेहा, डडली बरडु, खोरी, जाड़, गहरा और नाहलवीं सहित कई गांवों को मिलाकर दशमल पंचायत का गठन किया गया है।

कार्यक्रम में अतुल कडोहता और आयोजक मदन लाल शर्मा ने पंचायत गठन को क्षेत्र के लिए लाभकारी बताते हुए विधायक का आभार जताया। ब्लॉक अध्यक्ष विजय बन्याल ने कहा कि सरकार की योजनाएं लगातार आम जनता तक पहुंच रही हैं। अपने संबोधन में विधायक सुरेश कुमार ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि भोरंज में बस अड्डे का निर्माण और सम्मू ताल का सौंदर्यकरण कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि चार नई पंचायतों और एक नगर पंचायत का गठन क्षेत्रीय जरूरतों को ध्यान में रखकर किया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि दो पेयजल योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि सतलुज नदी से नई योजना के लिए 18 करोड़ रुपये की पहली किस्त मिल चुकी है। साथ ही 25 एंबुलेंस सड़कों का निर्माण किया गया है और मुख्य सड़कों के चौड़ीकरण का कार्य जारी है। विधायक ने दशमल पंचायत के लिए 10 लाख रुपए तथा चार महिला मंडलों को 21-21 हजार रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम में 116 वर्षीय खड़कू राम विशेष आकर्षण रहे, वहीं पूर्व प्रधान बीर सिंह रणौत ने विधायक को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में 116 वर्षीय खड़कू राम हुए शामिल। अनंत ज्ञान

सच्चाई स्वीकार करें, भ्रम न फैलाएं : विधायक

विधायक सुरेश कुमार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए विपक्ष पर लोगों को भ्रमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विकास एक निरंतर प्रक्रिया है व कांग्रेस सरकार ने भी कई कार्यों को आगे बढ़ाया है। विधायक ने सड़क विस्तार, स्कूल, अस्पताल व अन्य परियोजनाओं की अधिसूचनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये कार्य विभिन्न तिथियों पर स्वीकृत हुए हैं। उन्होंने विकास कार्यों पर राजनीति न करने की अपील की।

दियोटसिद्ध में श्रद्धालु की मौत पर न्यास प्रशासन ने जताई संवेदना

अनंत ज्ञान, बड़सर। विश्व प्रसिद्ध बाबा बालकनाथ धाम दियोटसिद्ध में शनिवार को एक श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ने से हुई मौत के मामले में न्यास प्रशासन ने गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है। मृतक की पहचान विजय कुमार पुत्र महेंद्र दास निवासी गांव सरयाणा, तहसील मुकेरिया, जिला होशियारपुर (पंजाब) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही न्यास प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए देर रात न्यास अध्यक्ष एवं एसडीएम बड़सर स्वाति डोगरा अस्पताल पहुंचीं और शोक संतप्त परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने हर संभव सहायता का भरोसा भी दिलाया। न्यास प्रशासन की ओर से आज फौरी राहत के तौर पर मृतक के परिजनों को 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही न्यास द्वारा एंबुलेंस की व्यवस्था कर शव को मुकेरिया तक भिजवाया गया। न्यास अध्यक्ष स्वाति डोगरा ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना न्यास की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस दुखद घटना के बाद परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई गई है।

न्यायिक समीक्षा तक जलविद्युत उपकर पर तत्काल लगे रोक : अनुराग ठाकुर

अनंत ज्ञान

- **हिमाचल के फैसले से बढ़ सकता है बिजली बिल**

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर लोकसभा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जलविद्युत एवं बांध परियोजनाओं पर लगाए गए भूमि राजस्व उपकर को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मांग की है कि न्यायिक समीक्षा पूरी होने तक इस उपकर से संबंधित अधिसूचनाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए। लोकसभा में यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भाखड़ा, पोंग और ब्यास-सतलुज सहित कई अंतर-राज्यीय और केंद्रीय जलविद्युत परियोजनाओं पर उपकर लगाया है। ये परियोजनाएं एनएचपीसी लिमिटेड, एसजेवीएन लिमिटेड, एनटीपीसी लिमिटेड तथा भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड जैसे केंद्रीय उपक्रमों द्वारा संचालित की जाती हैं।

विद्युत मंत्रालय के अनुसार, परियोजनाओं के औसत बाजार मूल्य का 2 प्रतिशत उपकर निर्धारित किया गया है, जिससे इन संस्थानों पर कुल मिलाकर 1,217 करोड़ रुपए से अधिक का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से बिजली दरों में लगभग 0.30 से 0.48 रुपये प्रति यूनिट तक की वृद्धि हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई परिवार प्रतिमाह 300 यूनिट बिजली की खपत करता है, तो उसे सालाना 1,000 से 1,700 रुपये तक अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह केवल सरकारों के बीच का मामला नहीं, बल्कि आम उपभोक्ताओं से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार से अपील की कि केंद्र और अन्य राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर इस विषय का समाधान निकाला जाए, ताकि उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े।

जनता के सपनों पर बजट का वार, बड़सर की अनदेखी नहीं सहेंगे : इंद्रदत्त लखनपाल

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। बड़सर विधानसभा क्षेत्र के विधायक इन्द्रदत्त लखनपाल ने हिमाचल सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की कड़ी आलोचना करते हुए जनविरोधी, दिशाहीन और निराशाजनक बताया है। लखनपाल ने कहा कि बीते वर्षों में सरकार बड़ी घोषणाओं के माध्यम से अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का ध्यान केवल चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित है और बड़सर जैसे क्षेत्रों की लगातार अनदेखी की जा रही है।

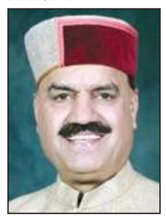

बजट में बड़सर विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख आवश्यकताओं की उपेक्षा की गई है। ढटवाल क्षेत्र के कम्यूनिटी हेल्थ सेंटर को सुदृढ़ करने, बिझड़ी के ताल स्टेडियम के जीर्णोद्धार, बड़सर में बस अड्डे के निर्माण तथा राजकीय महाविद्यालय बड़सर में एमए कक्षाएं शुरू करने जैसे लंबे समय से लंबित मुद्दों पर कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया। इससे स्पष्ट है कि सरकार के पास क्षेत्रीय विकास की कोई ठोस योजना नहीं है। विधायक क्षेत्र विकास निधि में की गई कटौती को जनविकास पर सीधा प्रहार बताया। लखनपाल ने कहा कि वे अपना पूरा वेतन देने के लिए तैयार हैं, लेकिन क्षेत्र के विकास के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। विधायक निधि में कटौती किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। प्रदेश वर्तमान में प्राकृतिक आपदाओं की गंभीर स्थिति से गुजर रहा है, जिसमें अनेक परिवार अपने घरों और जमीनों से वंचित हो चुके हैं। ऐसे समय में विधायक निधि राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण साधन हो सकती है, लेकिन सरकार इस संसाधन को कमजोर कर रही है। लखनपाल ने यह भी प्रश्न उठाया कि 31 मार्च 2026 तक आपदाग्रस्त क्षेत्रों में घरों की सुरक्षा हेतु डंगे लगाने के लिए दी गई छूट का क्या औचित्य है, जब प्रभावित लोगों के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध ही नहीं हैं।

कर्मचारी महासंघ ने मुख्यमंत्री सुक्खू का जताया आभार

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों के वेतनमान में हुई ऐतिहासिक वृद्धि पर कर्मचारी महासंघ ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया है। महासंघ के पदाधिकारियों ने इसे कर्मचारियों के हित में लिया गया महत्वपूर्ण और सराहनीय निर्णय बताया।

उनका कहना है कि पहली बार बजट सत्र के माध्यम से एनएचएम कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की गई है, जिससे हजारों कर्मचारियों को आर्थिक राहत के साथ सम्मान भी मिला है। महासंघ ने कहा कि पिछले 27 वर्षों से अनुबंध आधार पर कार्य कर रहे कर्मचारी प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ रहे हैं और उन्होंने कोविड-19 सहित हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवाएं दी हैं। हालांकि वेतन वृद्धि का स्वागत करते हुए कर्मचारियों ने नियमितीकरण और स्थायी सेवा नीति की मांग भी दोहराई है। उनका विश्वास है कि सरकार जल्द ही इस दिशा में भी सकारात्मक कदम उठाएगी।

राष्ट्रीय स्तरीय होली उत्सव में उमड़ी भीड़

सुजानपुर में चल रहे मेले में खरीदारी और मनोरंजन का दिखा उत्साह

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। ऐतिहासिक नगरी सुजानपुर में चल रहे राष्ट्रीय स्तरीय होली उत्सव में रविवार को भारी भीड़ उमड़ी, जिससे मेले में रौनक लौट आई। महाराजा संसार चंद की इस ऐतिहासिक नगरी में आयोजित होली मेले में लोगों ने न केवल खरीदारी की, बल्कि झूलों और खान-पान के स्टॉल्स का भी जमकर आनंद लिया।

रविवार अवकाश के चलते चौगान मैदान में लोगों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। मेले में प्रदेश सहित बाहरी राज्यों से आए दुकानदारों ने क्रॉकरी, रेडीमेड वस्त्र, लकड़ी के सामान और अन्य कई प्रकार के उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं। वहीं झूलों और मनोरंजन के साधनों ने भी बच्चों और युवाओं को आकर्षित किया।

पिछले दिनों बारिश और मंदी के कारण कारोबार प्रभावित हुआ था, लेकिन अब विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं समाप्त होने के बाद व्यापारियों को बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। दुकानदारों का कहना है कि आने वाले दिनों में भीड़ बढ़ने से उनका व्यवसाय बेहतर होगा और घाटे की भरपाई संभव हो सकेगी।

मेले के दौरान प्रशासन द्वारा पेयजल, विद्युत प्रकाश और सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है।

गौरतलब है कि यह होली उत्सव 1 मार्च को शुरू हुआ था और आधिकारिक रूप से 4 मार्च को संपन्न हो चुका है, लेकिन परंपरा के अनुसार मेला लंबे समय तक चलता है। इस उत्सव को राष्ट्रीय स्तरीय दर्जा प्राप्त है और इसे आगे बढ़ाकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का दर्जा देने की घोषणा भी की गई है। व्यापारियों और स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि आगामी दिनों में मेले में और अधिक भीड़ बढ़ेगी, जिससे सुजानपुर होली उत्सव की रौनक और कारोबार दोनों में वृद्धि होगी।

सुजानपुर होली उत्सव में रविवार को उमड़ी भारी भीड़। अनंत ज्ञान

सर्तकता स्वास्थ्य विभाग ने होली मेला में जाकर खाने-पीने की दुकानों का किया इंस्पेक्शन

अब सुजानपुर में आए पीलिया के तीन मामले

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। सुजानपुर में पीलिया ने तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है। दो का इलाज सुजानपर अस्पताल में जारी है जबकि एक युवक को टांडा अस्पताल रेफर किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले को की गंभीरता को देखते हुए घर-घर जाकर दवाइयां बांटीं। सुजानपुर में इन दिनों होली मेला जारी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने होली मेला में जाकर खाने-पीने की दुकानों का इंस्पेक्शन भी किया तथा साफ सफाई न रखने वाले दुकानदारों को चेतावनी भी दी कि खाने-पीने की चीजों को ढक कर रखें नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दुकानदारों को साफ पानी उपयोग करने को कहा है।

माना जा रहा है कि खानपान में कोताही के चलते यह मामले सामने आए हैं। पीलिया के प्रसार के चलते स्वास्थ्य विभाग इस बारे अलर्ट हो गया है। सुजानपुर के कार्यवाहक बीएमओ डॉक्टर राजकुमार ने बताया कि आशा वर्करों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रभावित परिवारों के साथ-साथ अन्य घरों में जाकर सर्व करें। ताकि कोई ऐसा अन्य व्यक्ति पीलिया का कोई ऐसा मरीज न हो जो की सुजानपुर अस्पताल में न आकर प्राइवेट अपना इलाज करवा रहा हो। लोगों को पीने का पानी उबालकर पीने तथा क्लोरीन युक्त पानी पीने की सलाह दी गई है।

सुजानपुर के वार्ड नंबर 1 तथा वार्ड नंबर 2 में यह मामले सामने आए हैं। वार्ड नंबर एक में एक युवक तथा एक युवती इसकी चपेट में आए। जबकि वार्ड नंबर 2 में एक युवती इसकी चपेट में आई है। तीनों जब सुजानपुर अस्पताल पहुंचे तो दोनों में पीलिया के लक्षण मिले। जिस पर स्वास्थ्य विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित घरों में जाकर उन्हें दवाइयां बांटी तथा पीने के पानी के सैंपल भी लिए, ताकि पीलिया के सही कारणों का पता चल सके। इसके साथ-साथ दोनों वार्ड ऑन में आशा वर्करों को भेजकर लोगों को क्लोरीन युक्त पानी पीने तथा पानी उबाल कर पीने की सलाह भी दी गई है। इससे पहले हमीरपुर में भी ऐसे मामले सामने आए थे।

सुजानपुर होली मेले में दुकानों का निरीक्षण करते हुए। अनंत ज्ञान

घर-घर जाकर बांटी दवाइयां : राजकुमार

डॉ. राजकुमार ने बताया कि लोगों के घरों में जाकर दवाइयां बांटी गई है। इसके साथ ही लोगों को पीने का पानी उबालकर पीने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि सुजानपुर होली मेला में जाकर खाने-पीने की दुकानों की चेकिंग भी की गई है। उन्होंने बताया कि तीन ही मामले सामने आए हैं।

डिपो धारकों को मासिक वेतन देने का वायदा पूरा नहीं कर पाई प्रदेश सरकार

अनंत ज्ञान

अनिल कुमार, हमीरपुर। बजट में भी चुनावी घोषणा पत्र में डिपो धारकों को 20 हजार रुपए मासिक वेतन देने के अपने वायदे को पूरा नहीं कर पाई। प्रदेश डिपो संचालक समिति के राज्य अध्यक्ष अशोक कवि ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आम विधानसभा चुनावों से पूर्व प्रदेश के निजी डिपो धारकों व सहकारी सभाओं के विक्रेताओं को प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने के उपरांत बीस हजार रुपए मासिक वेतन देने का वायदा किया था और अपने चुनावी घोषणा पत्र की क्रम संख्या 14 में इसका उल्लेख भी किया था, लेकिन प्रदेश सरकार ने अपने चौथे बजट में भी प्रदेश के डिपो धारकों की अनदेखी की। अशोक कवि ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार लाने में प्रदेश के डिपो धारकों ने अहम भूमिका निभाई थी उसके बाद प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों में भी प्रदेश के डिपो धारकों ने कांग्रेस पार्टी द्वारा घोषित प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए भी डिपो धारकों ने तन मन और धन से पार्टी का समर्थन किया था यही नहीं जब 2023 में प्रदेश में आपदा आई तब भी प्रदेश के निजी डिपो धारकों व सहकारी सभाओं के विक्रेताओं ने करीब बीस लाख रुपए का चैक आपदा राहत कोष के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय को सौंपा था। कवि ने कहा कि प्रदेश डिपो संचालक समिति ने प्रदेश की दयनीय आर्थिक स्थिति को देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री को ए पी एल राशन कार्ड धारकों के आटे व चावल के दाम बढ़ाकर बढ़े हुए पैसे डिपो धारकों के कमीशन में प्लस करके डिपो धारकों को मासिक वेतन देने का सुझाव भी दिया था।

प्रदेश सरकार ने समिति के इस सुझाव को स्वीकार करते हुए प्रदेश के ए पी एल राशन कार्ड धारकों के आटे का रेट नौ रुपए तीस पैसे से बढ़ाकर 12 रुपए प्रति किलो ग्राम और चावल दस रुपए से बढ़ाकर 13 रुपए प्रति किलो ग्राम कर दिया, लेकिन डिपो धारकों के साथ किया गया वायदा तब भी पूरा नहीं किया। कवि ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री से डिपो धारकों के साथ किए गए वायदे को शीघ्र पूरा करने की मांग की है।

चूड़ी पुल की हालत बेहद जर्जर, आधा दर्जन पंचायतों के लिए खतरे की घंटी

अनंत ज्ञान

देशराज कश्यप, धरवाला। धरवाला उपतहसील के समीप बना अनेक पंचायतों को जोड़ता एकमात्र चूड़ी पुल जो अपनी जर्जर हालत बयां कर रहा है।

वर्ष 1995 में बना यह पुल अनेक पंचायतों जैसे राडी, प्रीणा, गांण, किलोड, कुनेड सहित आधा दर्जन पंचायतों को जोड़ता एकमात्र पुल जिस पर सैकड़ों वाहन व राहगीर प्रतिदिन गुजरते हैं। स्थानीय लोगों अखिल भारतीय जनजातीय विकास समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश भारद्वाज सहित राजेश शर्मा, श्रवण रैना, पूर्ण सिंह, सोनू, अनित शर्मा, सन्नी शर्मा, भक्तों, अमरू राम, बोथ राज, कल्याण सिंह, पवन कुमार, विक्की, सरवो राम, गुड्डू राम, सुमित्रा, कृष्णा देवी, रीना, गुतला, सपना, मनोजी, रेखा, अनु, निशा, मनीषा, लक्ष्मी सहित बहुत से स्थानीय लोगों का कहना है कि चूड़ी पुल मात्र यही एक विकल्प है, जो विभिन्न पंचायतों के हजारों लोगों को पूरे विश्व से जोड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चूड़ी पुल की हालत दिन प्रतिदिन बेहद दयनीय होती जा रही है पुल के बीचों बीच बहुत बड़े-बड़े गड्ढे पड़ चुके हैं जिससे पानी का रिसाव भीतर की ओर हो रहा है।

वहीं, पुल बनाने के लिए उपयोग किया गया (लोहा) जिसके ऊपर से सीमेंट बजरी निकल चुकी है। वहीं जानकारों का कहना है कि पुल के बिल्कुल नीचे किनारे पर भी दरार दिखने लगी है जिससे स्थिति और भयावह हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते संबंधित विभाग ने ठोस कदम नहीं उठाए, तो आधा दर्जन पंचायतों का संपर्क पूरी तरह पूरे देश दुनिया से कट जाएगा जिससे हजारों लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि न सिर्फ पुल के ऊपर महज एक से दो बैग सीमेंट या तारकोल डालने की आवश्यकता है, बल्कि विशेषज्ञों की टीम बुलाई जाए व पंचायत जनप्रतिनिधि व स्थानीय लोगों की निगरानी में पुल का निरीक्षण हो, ताकि सही निरीक्षण के बाद ही पुल की स्थिति का जायजा लेने के बाद ही कार्य को गति दी जा सके।

पठानकोट में चंबा के दंपती को पंजाब पुलिस ने 13.10 ग्राम चिट्टे समेत दबोचा

अनंत ज्ञान, चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से संबंध रखने वाले एक दंपती को पंजाब पुलिस ने नशे की खेप के साथ गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों की पहचान चंबा जिले के भटियात क्षेत्र के ककीरा निवासी रितिक व उसकी पत्नी सिमरन के रूप में हुई है। दोनों को पठानकोट जिले के नरोट जैमल सिंह क्षेत्र में 13.10 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दंपति अपनी निजी बोलेरो गाड़ी में सवार होकर दीनानगर से वापस लौट रहा था। इसी दौरान रियैल्टी चौक के पास थाना नरोट जैमल सिंह की पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर रखी थी और वाहनों की सघन जांच की जा रही थी। संदेह के आधार पर जब पुलिस ने बोलेरो को रोका और उसकी तलाशी ली, तो डैशबोर्ड के भीतर छिपाकर रखा गया 13.10 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। नशीला पदार्थ बरामद होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बोलेरो गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि यह दंपति पिछले कुछ समय से नशा तस्करी के अवैध कारोबार में सक्रिय था और उनकी गतिविधियों के चलते वे पहले से ही पुलिस के रडार पर थे। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। जांच का फोकस इस बात पर है कि दीनानगर से यह खेप किससे लाई गई और चंबा में किन लोगों तक इसकी सप्लाई होनी थी। साथ ही इस पूरे ड्रग नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर नशा तस्करी की पूरी कड़ी तोड़ने की दिशा में कार्रवाई तेज कर दी गई है।

चंबा के धार्मिक स्थलों की अनदेखी पर फूटा जनाक्रोश

अनंत ज्ञान

भरमौर/चंबा। हिमाचल प्रदेश सरकार के हालिया फैसलों ने चंबा जिले में तीखी नाराजगी को जन्म दे दिया है। एक ओर जहां सरकार ने गाय के दूध का मूल्य 61 रुपए प्रति लीटर और भैंस के दूध का 70 रुपए प्रति लीटर तय किया है, वहीं दूसरी ओर धार्मिक पर्यटन को लेकर बड़े-बड़े दावे जमीनी हकीकत से कोसों दूर नजर आ रहे हैं।

भाजपा के आईटी संयोजक राकेश कुमार ने इस फैसले पर कड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि 'क्या गाय पालने वाले किसान कम महत्वपूर्ण हैं?' उनका कहना है कि पहाड़ी क्षेत्रों में अधिकांश पशुपालक गाय पर निर्भर हैं, ऐसे में यह मूल्य निर्धारण सीधे तौर पर उनके साथ अन्याय है। उन्होंने मांग की कि दूध के दामों में समानता लाई जाए, ताकि किसानों के साथ भेदभाव न हो। सिर्फ दूध के दाम ही नहीं, बल्कि सरकार के बजट में धार्मिक पर्यटन को लेकर किए गए वादों पर भी सवाल उठ रहे हैं। चंबा जिला, जो धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है, आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। भरमौर का ऐतिहासिक 84 मंदिर समूह, देश-विदेश में प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा, छतराड़ी का शिव शक्ति माता मंदिर, चंबा का प्राचीन लक्ष्मी नारायण मंदिर, बलिदान की गाथा समेटे सुई माता मंदिर, आस्था का केंद्र भलेई माता मंदिर, साहो गांव का 1100 साल पुराना चंद्रशेखर महादेव मंदिर और खुंडी माता जैसे महत्वपूर्ण स्थल—इन सभी की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। हर साल लाखों श्रद्धालु इन स्थानों पर पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें न तो बेहतर सड़कें मिलती हैं, न स्वच्छता की सुविधाएं और न ही ठहरने की समुचित व्यवस्था। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार हर बार चंबा को नजरअंदाज कर देती है, जबकि धार्मिक पर्यटन के नक्शे पर यह जिला सबसे ऊपर होना चाहिए। वहीं, बजट में 300 यूनिट मुफ्त बिजली योजना को केवल एक लाख परिवारों तक सीमित रखने पर मिडिल क्लास में भी भारी नाराजगी है।

चंबा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 मामले दर्ज

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला पुलिस चंबा ने नशे व अवैध शराब के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए एक ही दिन में विभिन्न धाराओं के तहत 5 अभियोग दर्ज किए हैं।

सभी मामलों में नियमानुसार आगामी कार्रवाई जारी है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। पुलिस थाना सदर के अंतर्गत उदयपुर में गश्त के दौरान शुभम पठानिया नामक व्यक्ति की दुकान से 4500 मिलीलीटर अवैध देशी शराब बरामद की गई। इसी थाना क्षेत्र में एक अन्य कार्रवाई के दौरान नंद गांव के पास गुलाम मोहम्मद के कब्जे से 526 ग्राम चरस बरामद की गई। वहीं, पुलिस थाना चुवाड़ी में खरोटी निवासी दौलत राम के पास से 5250 मिलीलीटर अवैध शराब पकड़ी गई। वहीं, थाना तीसा पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक गाड़ी से 18000 मिलीलीटर अवैध संतरा शराब बरामद की, जिसमें रूप लाल सहित दो लोग शामिल पाए गए। इसके अलावा, थाना भरमौर में कुठेड़ गांव में विजय कुमार की दुकान से 6000 मिलीलीटर अवैध देशी शराब जब्त की गई। पुलिस अधीक्षक चंबा ने बताया कि जिले में नशे व अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा व इसमें संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम जनता से भी सहयोग की अपील की है ताकि समाज को नशा मुक्त बनाया जा सके।

प्रदेश के इतिहास का सबसे निराशाजनक बजट : धीरज

अनंत ज्ञान

चंबा। हिमाचल प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा पेश किए गए बजट को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। चंबा से भाजपा के जिला अध्यक्ष धीरज नरियाल ने इस बजट को प्रदेश के इतिहास का 'सबसे निराशाजनक बजट' करार दिया है।

नरियाल ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का 4 घंटे 9 मिनट लंबा भाषण केवल शब्दों और शेरो-शायरी तक सीमित रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार की कोई ठोस योजना नहीं है, वहीं महिलाओं और गरीब वर्ग के लिए भी कोई नई राहत नहीं दी गई। भाजपा नेता ने बजट के कुल आकार पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका दावा है कि इस बार का बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब 4,000 करोड़ रुपए कम है, जिससे विकास कार्यों की गति पर असर पड़ना तय है। उन्होंने कहा कि घटते बजट के साथ विकास की रफ्तार बनाए रखना सरकार के लिए बड़ी चुनौती होगी। नरियाल ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार जिन योजनाओं का उल्लेख कर रही है, वे वास्तव में केंद्र सरकार की हैं। उन्होंने 'प्रसाद योजना' का उदाहरण देते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों के विकास के लिए मिलने वाली केंद्रीय सहायता को राज्य सरकार अपनी उपलब्धि बताने की कोशिश कर रही है। प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन में 20-30% कटौती केवल शुरुआत है। आने वाले समय में कर्मचारियों और पेंशनरों को भी ऐसे फैसलों का सामना करना पड़ सकता है। सरकार की चुनावी '10 गारंटियों' को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरा। उनका कहना है कि महिलाओं को 1500 रुपये देने का वादा सीमित कर दिया गया है, 300 यूनिट मुफ्त बिजली का दायरा घटाया गया है और हर साल 1 लाख रोजगार देने का वादा बजट में कहीं नजर नहीं आता।

बजट में स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी व समग्र विकास के लिए ऐतिहासिक प्रावधान

अनंत ज्ञान

राहुल सहगल, चंबा। हिमाचल प्रदेश, जो लंबे समय से कनेक्टिविटी व स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के कारण विकास में पिछड़ा रहा है, अब 2026-27 के बजट सत्र में ऐतिहासिक प्रावधानों का हकदार बन गया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने स्वास्थ्य, शिक्षा, कनेक्टिविटी, संस्कृति और समग्र विकास के लिए ठोस कदम उठाए हैं।

सदर विधायक नीरज नैय्यर की लगातार उठाई गई आवाज रंग लाई, जिन्होंने विधानसभा में बार-बार यह मुद्दा उठाया कि गंभीर मरीजों को अक्सर टांडा या अन्य जिलों के अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज चंबा के फेज-2 विस्तार के लिए 194 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसमें 40 बेड का अत्याधुनिक आईसीयू व नई कैथ लैब स्थापित की जाएगी, जिससे हृदय रोगियों को एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी जैसी सुविधाएं जिले में ही उपलब्ध होंगी और मरीजों को अन्य जिलों का रुख नहीं करना पड़ेगा। कनेक्टिविटी के क्षेत्र में चंबा-जोत टनल परियोजना को प्राथमिकता दी गई है, जो जिले की भौगोलिक कठिनाइयों को कम करने के साथ-साथ काम करते समय स्थानीय पर्यावरण की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। पर्यटन, व्यापार व युवाओं के रोजगार के अवसर बढ़ाएगी। सरकार इसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मोड में लागू करने की संभावनाओं का भी अन्वेषण करेगी।

अब दूरी से नहीं, प्रगति से पहचाना जाएगा चंबा : नीरज नैय्यर

विशेष समुदायों जैसे गद्दी, गुज्जर और जनजातीय समुदाय को पहल योजना के तहत 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिससे 40,000 से अधिक परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। सदर विधायक नीरज नैय्यर ने कहा, 'यह बजट केवल विकास का नहीं, बल्कि हर घर की खुशहाली, हर युवा का भविष्य और हर किसान की समृद्धि सुनिश्चित करने का ठोस और दीर्घकालिक कदम है। अब चंबा दूरी से नहीं, प्रगति से पहचाना जाएगा। इंतजार नहीं करेगा नेतृत्व करेगा। पूरे प्रदेश के लिए मिसाल बनेगा। इस बजट ने चंबा के स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, शिक्षा, संस्कृति और आर्थिक सशक्तिकरण में नए आयाम स्थापित कर दिए हैं और अब यह देखना होगा कि आने वाले समय में ये प्रावधान चंबा के विकास पर कितना प्रभाव डालते हैं।

इसके अतिरिक्त, सुल्तानपुर हेलिपोर्ट से चंबा को शिमला हवाई संपर्क मिलेगा, जिससे आपातकालीन सेवाएं तेज होंगी और समग्र विकास में तेजी आएगी। संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भूरी सिंह म्यूजियम का नवीनीकरण किया जाएगा और चंबा मेटल क्राफ्ट तथा चुख जैसे उत्पादों को जीआई टैग दिलाने का प्रावधान शामिल है, जिससे कारीगरों और किसानों की आय बढ़ेगी और उनके उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच सकेंगे। किसानों व पशुपालकों के लिए गेहूं, मक्का, जौ और हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है, बीज गांव योजना से स्थानीय बीज उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा और दूध उत्पादकों के लिए गाय का दूध 61 रुपये प्रति लीटर तथा भैंस का दूध 71 रुपए प्रति लीटर होगा। ऊन का समर्थन मूल्य 100 रुपए प्रति किलो निर्धारित किया गया है और चराई व पशुपालन में राहत प्रदान की जाएगी। शिक्षा और बाल कल्याण के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। बाल आश्रम साहो, चंबा के निर्माण और मरम्मत के लिए 2 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, साथ ही युवाओं व शिक्षा के क्षेत्र में गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज चंबा को खेलों व अन्य गतिविधियों में विकसित किया जाएगा व आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम तथा ऐआईएमएस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित छात्रों की पूरी फीस सरकार द्वारा वहन की जाएगी। गरीब और कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए शुभ विवाह योजना के तहत 51,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जबकि अपना सुखी परिवार योजना के माध्यम से 1 लाख गरीब परिवारों को लाभ मिलेगा और महिलाओं को 1,500 रुपए प्रति माह सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। आंगनवाड़ी, आशा वर्कर, मिड-डे मील वर्कर और अन्य सरकारी कर्मचारियों के मानदेय में 500 से 1000 रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

सरोल के शक्ति माता मंदिर में चैत्र नवरात्र में भक्तिमय माहौल

सरोल के शक्ति माता मंदिर में सत्संग करते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

चंबा। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर सरोल स्थित शक्ति माता मंदिर, सरोल में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है।

मंदिर परिसर में प्रतिदिन सत्संग का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय नागरिक एवं मातृशक्ति भाग लेकर भजन-कीर्तन के माध्यम से माँ भगवती की आराधना कर रहे हैं। हिंदू परंपरा के अनुसार चैत्र मास से नव वर्ष का शुभारंभ नव वर्ष प्रतिपदा के रूप में होता है, जो अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का प्रतीक है। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का संदेश जीवन में सकारात्मकता का संचार करता है। इस दौरान पकृति भी नव रूप धारण करती है और चारों ओर नई ऊर्जा का अनुभव होता है। मान्यता है कि इस दिन सृष्टि की रचना ब्रह्मा जी द्वारा की गई थी। साथ ही भगवान श्री राम का राज्याभिषेक, गुरु अंगद देव जी का जन्म और स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा आर्य समाज की स्थापना भी इसी दिन से जुड़ी मानी जाती है। इसी अवधि में नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है तथा आगे चलकर रामनवमी और हनुमान जयंती जैसे पावन पर्व भी मनाए जाते हैं। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस धार्मिक आयोजन का लाभ उठाने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

मंदिर रोड पर एक दिन के लिए यातायात रहेगा बाधित

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। रविवार को जोगिंद्रनगर शहर के मंदिर रोड पर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने का कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण मार्ग पर एक दिन के लिए यातायात बाधित रहेगा। कार्य के दौरान सड़क के किनारे खुदाई की जा रही है, जिससे वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को असुविधा हो सकती है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे इस अवधि के दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और कार्य स्थल के आसपास विशेष सावधानी बरतें। संबंधित विभाग ने बताया कि यह कार्य संचार सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है और इसे समयबद्ध तरीके से पूरा कर यातायात बहाल करने का प्रयास किया जाएगा।

क्रिकेट प्रतियोगिता से दिया नशा मुक्ति का संदेश: जम्वाल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। सुंदरनगर के महाराजा लक्ष्मण सेन स्मारक महाविद्यालय में आयोजित विभागीय (स्टाफ) क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक राकेश जम्वाल ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देते हैं, बल्कि समाज में नशा मुक्त और स्वस्थ जीवन का संदेश भी फैलाते हैं। राकेश जम्वाल ने बताया कि जब शिक्षक और स्टाफ स्वयं खेल और स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव सीधे विद्यार्थियों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन, टीम भावना और समर्पण की भावना विकसित करते हैं और युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने में मदद करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी और आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

चंबा से फिर भेदभाव, रोपवे परियोजनाओं से जिला बाहर, अब बर्दाश्त नहीं : अजय अटवाल

अनंत ज्ञान

चंबा। आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा संयोजक अजय अटवाल ने प्रदेश सरकार पर एक बार फिर चंबा जिले के साथ भेदभाव करने का गंभीर आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में वर्ष 2026-27 के बजट में सरकार द्वारा बाबा बालकनाथ रोपवे, माता चिंतपूर्णी रोपवे और कुल्लू के ढालपुर से पीज तक रोपवे जैसी तीन बड़ी परियोजनाओं की घोषणा की गई है, लेकिन एक भी परियोजना चंबा जिले को नहीं दी गई, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। अजय अटवाल ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब चंबा के साथ ऐसा अन्याय हुआ है। जब से वर्तमान सरकार बनी है, तब से प्रदेश में पर्यटन विकास के नाम पर कई बड़ी परियोजनाओं की घोषणाएं की गई हैं, जिनमें रोपवे, पर्यटन अवसंरचना और अन्य योजनाएं शामिल हैं, लेकिन आज तक आकांक्षी जिला चंबा को एक भी महत्वपूर्ण परियोजना नहीं दी गई। उन्होंने मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि बजट में भी एक बार फिर चंबा की अनदेखी की गई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार की प्राथमिकताओं में चंबा कहीं भी शामिल नहीं है। अटवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह रवैया चंबा के लोगों के साथ खुला अन्याय है, जिसे अब और सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन आरएस बाली को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले अधिकारी और नेता चंबा जैसे संभावनाओं से भरपूर जिले को नजरअंदाज कर रहे हैं। यदि सही नीतियां और परियोजनाएं चंबा को दी जाएं, तो यह जिला पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

अजय अटवाल ने जिले के वर्तमान विधायकों और पूर्व विधायकों पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि वे विधानसभा में चंबा के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता और विपक्ष दोनों ही दलों के जनप्रतिनिधि चंबा के हितों की रक्षा करने में नाकाम साबित हुए हैं और केवल औपचारिक बयानबाजी तक सीमित हैं।

चंबा के पांगी में ब्लैकआउट

अनंत ज्ञान, पांगी। जनजातीय उपमंडल पांगी में प्राकृतिक आपदा ने एक बार फिर जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। क्षेत्र में ग्लेशियर खिसकने व भूस्खलन की घटनाओं के चलते साच बिजली परियोजना पूरी तरह से ठप हो गई है, जिससे पांगी घाटी में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2M450 किलोवाट क्षमता वाले साच पावर हाउस को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसके कारण बिजली उत्पादन पूर्ण रूप से बंद हो गया है। अचानक आई इस आपदा ने न केवल तकनीकी ढांचे को क्षतिग्रस्त किया, बल्कि पूरे क्षेत्र को अंधेरे में धकेल दिया है। अधिशाषी अभियंता सुनील चंदेल ने बताया कि परियोजना की मरम्मत व पुनर्निर्माण कार्य में लगभग 12 दिन का समय लगेगा। पांगी घाटी के लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे इस कठिन समय में धैर्य व सहयोग बनाए रखें, ताकि मरम्मत कार्य को जल्द पूरा कर बिजली आपूर्ति बहाल की जा सके। लोगों में बिजली संकट को लेकर चिंता बढ़ गई है, खासकर ऐसे समय में जब मौसम भी प्रतिकूल बना हुआ है। प्रशासन व संबंधित विभागों पर अब जल्द से जल्द व्यवस्था बहाल करने का दबाव बढ़ गया है।

बन्नी माता मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं की स्कॉर्पियो तोड़ी, चारों टायर पंचर

अनंत ज्ञान

भरमौर। भरमौर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक मां भद्रकाली बन्नी माता मंदिर में दर्शन करने पहुंचे बाहरी श्रद्धालुओं के साथ हुई शर्मनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

जिला कांगड़ा से नवरात्र के दौरान माता के दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं की स्कॉर्पियो गाड़ी को असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाते हुए न केवल क्षतिग्रस्त किया, बल्कि गाड़ी के चारों टायर भी पंचर कर दिए। इस घटना के सामने आने के बाद चारों ओर रोष, नाराजगी और तीखी आलोचना देखने को मिल रही है। लोग इसे केवल वाहन तोड़फोड़ नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था, अतिथि-सम्मान और भरमौर की पहचान पर सीधा हमला मान रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, जिला कांगड़ा के कुछ श्रद्धालु चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर मां बन्नी माता के दर्शन के लिए भरमौर क्षेत्र पहुंचे थे। उन्होंने अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी मांधा गांव में खड़ी की थी, लेकिन जब सुबह वाहन के पास पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। गाड़ी के कई हिस्से तोड़े जा चुके थे और चारों टायर पंचर पाए गए।

पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र होने के कारण ऐसे इलाकों में न तो तुरंत मैकेनिक मिलता है और न ही वाहन मरम्मत की सुविधा आसानी से उपलब्ध होती है। ऐसे में श्रद्धालुओं और उनके साथ मौजूद सवारियों को भारी परेशानी, मानसिक तनाव और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। नवरात्र के दौरान मां बन्नी माता मंदिर, कुगती का ऐतिहासिक कार्तिक स्वामी मंदिर और भरमौर के अन्य धार्मिक स्थलों पर भारी संख्या में श्रद्धालु दूर-दराज़ से माथा टेकने पहुंचते हैं। ऐसे पवित्र समय में इस तरह की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भरमौर देवभूमि की पहचान रखने वाला क्षेत्र है, जहां हर साल हजारों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ शरारती व असामाजिक तत्वों की वजह से पूरे क्षेत्र की छवि खराब हो रही है। यदि समय रहते ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में धार्मिक पर्यटन पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है।

बजट में किए गए दावे 'हवाई', अहम मुद्दों पर जसवीर ने सरकार को घेरा

अनंत ज्ञान

चंबा। जिले की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है, जब भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष जसवीर नागपाल ने राज्य सरकार के बजट पर सीधा और बेबाक हमला बोला।

उन्होंने बजट में किए गए दावों को 'हवाई' बताते हुए तीन अहम मुद्दों पर सरकार को घेरा। सबसे पहले हेलिटैक्सी सेवा को लेकर नागपाल ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि चंबा से शिमला तक हेलिटैक्सी चलाने की बात तो की गई है, लेकिन अगर इसका किराया आम आदमी की जेब के बाहर हुआ, तो इस सुविधा का क्या मतलब रह जाएगा? उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में इस अहम पहलू पर कोई स्पष्ट चर्चा नहीं की गई, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। दूसरा और सबसे संवेदनशील मुद्दा महिलाओं को 1500 रुपए देने की योजना को लेकर रहा। नागपाल ने इसे 'सिर्फ चुनावी जुमला' करार देते हुए कहा कि अब तक यह योजना केवल घोषणाओं तक ही सीमित है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले तय किए गए मानदंडों में बार-बार बदलाव किया गया, जिससे आज तक कोई भी महिला इस योजना का वास्तविक लाभ नहीं उठा पाई। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि कांग्रेस सरकार को 'झूठे वादे करना बंद करना चाहिए' और जनता को मूर्ख समझने की भूल नहीं करनी चाहिए, क्योंकि आने वाले चुनावों में जनता इसका करारा जवाब देगी। तीसरा मुद्दा पर्यटन, खासकर आध्यात्मिक पर्यटन को लेकर उठा।

एमटीबी इवेंट से पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

अनंत ज्ञान, चंबा। चंबा में आयोजित एमटीबी (माउंटेन बाइक) इवेंट का रविवार को सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए प्रतिभागियों और स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इवेंट का उद्देश्य एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के साथ-साथ चंबा की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन संभावनाओं को देश-विदेश तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों और संस्थाओं द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। इसमें हिमाचल पर्यटन की विशेष भूमिका रही। आयोजन स्थल पर लगे प्रदर्शनी बोर्ड और ब्रांडिंग के माध्यम से 'चलो चंबा' अभियान को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर आयोजकों ने बताया कि इस तरह के एडवेंचर इवेंट्स न केवल युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करते हैं।

भनौता में विश्व जल दिवस पर जागरूकता व स्वच्छता अभियान आयोजित

स्वच्छ जल के संग्रहण, संरक्षण का पढ़ाया पाठ

अनंत ज्ञान

भनौता। विश्व जल दिवस के अवसर पर आकांक्षी जिला/ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत 'संपूर्णता अभियान 2.0' के तहत महिला व बाल विकास विभाग हिमाचल प्रदेश के सहयोग से ग्राम पंचायत भनौता के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र लडोह, ठुकराला, मधारका, घड़ोटी व चनेड में लाभार्थियों को स्वच्छ जल के संग्रहण, संरक्षण और उसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही सभी केंद्रों में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं ग्रामीणों की भागीदारी से सामुदायिक भवन लिल्ली भनौता और उसके आसपास के क्षेत्रों में भी सफाई की गई।

जिला समन्वयक पोषण अभियान विकास शर्मा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व जल दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमें पानी के महत्व और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी का एहसास कराता है। उन्होंने बताया कि बढ़ती आबादी और औद्योगिक विस्तार के चलते जल संकट गहराता जा रहा है, ऐसे में पानी का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में छोटे-छोटे कदम अपनाने की सलाह दी, जैसे नल को बेवजह खुला न छोड़ना, वर्षा जल संचयन करना, पानी बचाने वाली कृषि तकनीकों को अपनाना और जलवायु अनुकूल फसलों का चयन करना। कार्यक्रम के दौरान खंड समन्वयक विकास शर्मा ने स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए हाथ धोने की सही प्रक्रिया का प्रदर्शन भी किया। उन्होंने बताया कि सही तरीके से हाथ न धोने के कारण कई बीमारियां फैलती हैं। वहीं, बाल आश्रम साहू के अकाउंटेंट मनजीत ठाकुर ने भी समाज में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित करने की अपील की। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, स्वयं सहायता समूह के सदस्य और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बजट जनता के साथ छलावा, केवल घोषणाओं का पुलिंदा : निहाल शर्मा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। भाजपा जिला अध्यक्ष निहाल चंद शर्मा ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट पूरी तरह निराशाजनक है और प्रदेश की जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता। यह बजट सिर्फ कागजों में विकास दिखाने का प्रयास है, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिलकुल अलग है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा वर्ग रोजगार की आस लगाए बैठा है, लेकिन सरकार केवल खोखले वादे कर रही है। पहली कैबिनेट में 1 लाख नौकरियों और कुल 5 लाख रोजगार देने का वादा आज तक अधूरा है। किसानों को राहत देने की बात भी सिर्फ भाषणों तक सीमित है। निहालचंद शर्मा ने आपदा प्रबंधन को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए इस बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है। यह प्रदेश के आपदा पीड़ितों के साथ अन्याय है। उन्होंने दूध उत्पादकों की समस्याओं को उठाते हुए कहा कि कई दिनों से उनका दूध नहीं उठाया जा रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है, लेकिन सरकार इस ओर पूरी तरह उदासीन बनी हुई है। प्रदेश की सभी महिलाओं को 1500 देने के वादे पर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि चुनावी घोषणा पत्र में किया गया यह वादा इस बजट में सिर्फ महिलाओं को गुमराह करने के लिए नजर आया, जिससे स्पष्ट है कि सरकार सिर्फ वोट लेने के लिए घोषणाएं करती है।

अपना चरित्र उज्ज्वल होने पर भी सज्जन, अपना दोष ही सामने रखते हैं, अग्नि का तेज उज्ज्वल होने पर भी वह पहले धुंआ ही प्रकट करती है।
–कर्णपूर

संपादकीय

पहाड़ों का दर्द

हिमाचल प्रदेश में मौसम ने अभी से अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। गर्मियों की शुरुआत में ही हुई बारिश ने जिस तरह से पहाड़ों को दरकाया और सड़कों को बाधित किया, वह आने वाले समय के लिए गंभीर चेतावनी है। मंडी, कुल्लू, कांगड़ा और चंबा जिलों में लगातार भूस्खलन और मार्ग अवरुद्ध होने की घटनाएं यह साफ संकेत दे रही हैं कि पहाड़ अब अपने अस्तित्व के साथ हो रहे छेड़छाड़ को सहन करने की स्थिति में नहीं हैं। हाल ही में कुल्लू के इनर अखाड़ा क्षेत्र में भारी भूस्खलन की घटना सामने आई, जहां लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना पड़ा। सड़क किनारे खड़े वाहनों पर पत्थरों का गिरना अब आम बात हो गई है। यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले वर्ष भी इसी क्षेत्र में भूस्खलन ने कई घरों को तबाह कर दिया था और 10 लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह मंडी के कोटली उपमंडल के रोपडू गांव में चट्टान गिरने की घटना ने लोगों को भयभीत कर दिया, जहां एहतियातन नौ घर खाली करवाने पड़े।

इतना ही नहीं, कुल्लू में भुंतर–मणिकर्ण और मणिकर्ण–बरशैणी मार्गों सहित कई सड़कें बंद रहीं। कांगड़ा और चंबा के दुर्गम क्षेत्रों में भी सड़क संपर्क बाधित रहा। पठानकोट–भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लूना पुल के पास हुए भूस्खलन ने यातायात को घंटों तक ठप कर दिया। यह स्थिति बताती है कि हिमाचल की सड़कें अब सिर्फ यातायात का साधन नहीं रहीं, बल्कि जोखिम का पर्याय बनती जा रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर गर्मियों में ही इतनी तबाही क्यों देखने को मिल रही है? इसका जवाब कई पहलुओं में छिपा है। एक ओर जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है, वहीं दूसरी ओर विकास के नाम पर पहाड़ों के साथ हो रही अंधाधुंध छेड़छाड़ भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। सड़कों के निर्माण के दौरान भारी ब्लास्टिंग, बिना वैज्ञानिक अध्ययन के कटान और पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी ने पहाड़ों को भीतर से खोखला कर दिया है। पहाड़ों की अपनी एक संवेदनशील संरचना होती है। यह मैदानी इलाकों की तरह मजबूत और स्थिर नहीं होते। जब इन पर लगातार दबाव डाला जाता है, तो वे कमजोर होकर दरकने लगते हैं। यही कारण है कि हल्की बारिश भी अब बड़े भूस्खलन का कारण बन रही है। यह स्थिति आने वाले मानसून के लिए और भी चिंताजनक है, क्योंकि अगर अभी यह हाल है तो भारी बारिश के दौरान हालात कितने भयावह हो सकते हैं, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

हिमाचल प्रदेश का अधिकांश हिस्सा भूकंपीय दृष्टि से जोन–5 में आता है, जो अत्यंत संवेदनशील श्रेणी है। ऐसे में यदि लगातार हो रही भू–संरचना छेड़छाड़ के बीच कोई बड़ा भूकंप आता है, तो इसका परिणाम विनाशकारी हो सकता है। यह सिर्फ एक आशंका नहीं, बल्कि एक संभावित खतरा है, जिसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। यह भी सच है कि विकास की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। सड़कें, पुल और बुनियादी ढांचा लोगों के जीवन को आसान बनाते हैं और आर्थिक गतिविधियों को गति देते हैं लेकिन विकास का अर्थ अंधाधुंध निर्माण नहीं होना चाहिए। यदि विकास प्रकृति के संतुलन को बिगाड़कर किया जाएगा, तो उसका खामियाजा अंततः मानव समाज को ही भुगतना पड़ेगा। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि वर इस दिशा में गंभीरता से कदम उठाएं। सबसे पहले, सड़क निर्माण और अन्य परियोजनाओं के लिए सख्त पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। ब्लास्टिंग की प्रक्रिया को नियंत्रित किया जाए और जहां संभव हो, वैकल्पिक तकनीकों का उपयोग किया जाए। इसके अलावा, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां निर्माण गतिविधियों पर रोक या सीमित नियंत्रण लगाया जाना चाहिए।

साथ ही, आपदा प्रबंधन की तैयारियों को भी मजबूत करना जरूरी है। समय रहते लोगों को जागरूक करना, संवेदनशील क्षेत्रों में अलर्ट सिस्टम स्थापित करना और आपातकालीन स्थिति में त्वरित राहत और बचाव कार्य सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। स्थानीय लोगों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे संकट की स्थिति में स्वयं और दूसरों की मदद कर सकें। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ केवल पर्यटन का साधन नहीं हैं, बल्कि जीवन का आधार हैं। पानी, हवा और जैव विविधता का संतुलन इन्हीं पहाड़ों पर निर्भर करता है। यदि हम इनका अंधाधुंध दोहन करते रहेंगे, तो इसका दुष्परिणाम हमें ही भुगतना पड़ेगा। बहरहाल, हिमाचल की ये ताजा घटनाएं एक चेतावनी हैं –एक ऐसा संकेत, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य के लिए घातक हो सकता है। अभी भी समय है कि हम संभल जाएं और विकास तथा पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करें। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में हिमाचल को और भी बड़ी त्रासदियों का सामना करना पड़ सकता है। प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही स्थायी विकास संभव है। पहाड़ों की मजबूती ही हिमाचल की पहचान है, और यदि यही कमजोर पड़ गए, तो न केवल प्रदेश की सुंदरता, बल्कि वहां के लोगों का अस्तित्व भी संकट में पड़ जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज ही ठोस कदम उठाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और संतुलित हिमाचल सुनिश्चित किया जा सके। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आज की प्रमुख हस्ती

महान स्वतंत्रता सेनानी और देशभक्त

राममनोहर लोहिया का जन्म फैजाबाद में हुआ था। लोहिया ने देश की राजनीति में भावी बदलाव की बयार आजादी से पहले ही ला दी थी। अपनी प्रखर देशभक्ति और तेजस्वी समाजवादी विचारों के कारण वह अपने समर्थकों के साथ ही अपने विरोधियों के मध्य भी अपार सम्मान हासिल किया। उनके पिताजी हीरालाल पेशे से अध्यापक व हृदय से सच्चे राष्ट्रभक्त थे। उनके पिताजी गांधीजी के अनुयायी थे। जब वे गांधीजी से मिलने जाते तो राम मनोहर को भी अपने साथ ले जाया करते थे। इसके कारण गांधीजी के विराट व्यक्तित्व का उन पर गहरा असर हुआ। पिता के साथ 1918 में अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार शामिल हुए।

राममनोहर लोहिया
जन्म : 23 मार्च, 1910
मृत्यु : 12 अक्तूबर, 1967

बनारस से इंटरमीडिएट और कोलकता से स्नातक तक की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए लंदन के स्थान पर बर्लिन का चुनाव किया था। 1933 में मद्रास पहुंचने पर लोहिया गांधीजी के साथ मिलकर देश को आजाद कराने की लड़ाई में शामिल हो गए। इसमें उन्होंने विधिवत रूप से समाजवादी आंदोलन की भावी रूपरेखा पेश की। सन् 1935 में उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे पंडित नेहरू ने लोहिया को कांग्रेस का महासचिव नियुक्त किया। बाद में अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का ऐलान किया, जिसमें उन्होंने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और संघर्ष के नए शिखरों को छूआ। आजादी के समय उनके और पंडित जवाहर लाल नेहरू में कई मतभेद पैदा हो गए थे, जिसकी वजह से दोनों के रास्ते अलग हो गए। 12 अक्तूबर 1967 को लोहिया का 57 वर्ष की आयु में देहांत हो गया था ■

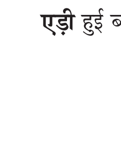

कविता

कोट कडायिते

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

कैप्टन जय महलवाल (अनजान)
प्रोफेसर, बिलासपुर कॉलेज (हि.प्र.)

एड़ी हुई बरखा मार्च महीने, ठंडी ने दबारा छुटी गई दनदली,
एनी लगे पौणे गर्मियां आले पसीने,
कोट कडाईते परमात्मे पीं ते,
चली तुफाना री एड़ी सनसनी।
डाल बी ढली गए,
टहनियां लगियां झूलने,
सड़कां रे कंडे लगयियां बगने नालियां,
रूड़ी गयियां फसलां नमानियां।
खुश हुई गए सारे बरखा ते,
पहीनी ले कोट ने ओढ़ी लियांरजाईयां,
फसला रे नुकसाना रियां, कहानियां हूण किसजो सुनानियां।
हुई गए खुश लोक देखी के बरखा रियां फुहारां,
गर्मियां ते थोड़ी ठंड पई चलियां एड़ियां हवावां,
धरतिया रे डाल बी लगे झूलदे,
हूण टहनियां खुशियां ने अपू बिच टकरावां।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

'प्रतिभा' का सम्मान या 'संबंधों' का विस्तार ?

देशभर में आईएएस और आईपीएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान समारोहों की परंपरा पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, सामाजिक संस्थाएं, शैक्षणिक संगठन, राजनीतिक समूह और विभिन्न मंच इन सफल युवाओं को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। भव्य पंडाल, मंच पर सजी कुर्सियां, मालाओं और शॉल से सुसज्जित अतिथि, और हर क्षण को कैद करते कैमरे–यह सब मिलकर एक उत्सव जैसा माहौल बनाते हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

पहली दृष्टि में यह परंपरा अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक प्रतीत होती है। आखिरकार, ये वही युवा हैं जिन्होंने वर्षों की कठिन साधना, आत्मसंयम और निरंतर परिश्रम के बल पर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। ऐसे समारोहों का मूल उद्देश्य समाज में प्रेरणा का संचार करना होना चाहिए–विशेषकर उन युवाओं के बीच, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्षरत हैं। जब कोई छात्र किसी सफल अभ्यर्थी को मंच पर सम्मानित होते देखता है, तो उसके भीतर भी एक उम्मीद जन्म लेती है कि वह भी एक दिन इस मुकाम तक पहुंच सकता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो ये कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरने का माध्यम बन सकते हैं, किंतु, इस उजले पक्ष के समानांतर एक ऐसा पहलू भी उभरकर सामने आ रहा है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। धीरे–धीरे इन समारोहों का स्वरूप बदलता हुआ प्रतीत हो रहा है। कई स्थानों पर यह सम्मान समारोह केवल 'प्रतिभा का उत्सव' न रहकर 'संबंधों का प्रदर्शन' और 'सामाजिक–राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन' बनते जा रहे हैं। मंच पर जितनी चर्चा चयनित अभ्यर्थियों की होनी चाहिए, उससे कहीं अधिक चर्चा आयोजकों, मुख्य अतिथियों और उनके प्रभाव क्षेत्र की होने लगती है।

यह प्रवृत्ति न केवल इन आयोजनों के मूल उद्देश्य को कमजोर करती है, बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी प्रसारित करती है–कि सफलता केवल परिश्रम और योग्यता का परिणाम नहीं, बल्कि संबंधों और पहुंच का भी खेल है। यह धारणा उन लाखों युवाओं के मनोबल को प्रभावित कर सकती है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

यहां एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है–क्या हम केवल उन लोगों का सम्मान कर रहे हैं जो सफलता की अंतिम सीढ़ी तक पहुंच चुके हैं, या उन लोगों की भी परवाह कर रहे हैं जो उस सीढ़ी पर चढ़ने की कोशिश में संघर्ष कर रहे हैं? भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज भी लाखों ऐसे विद्यार्थी हैं, जो प्रतिभा से भरपूर हैं, परंतु संसाधनों की कमी के कारण अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते।

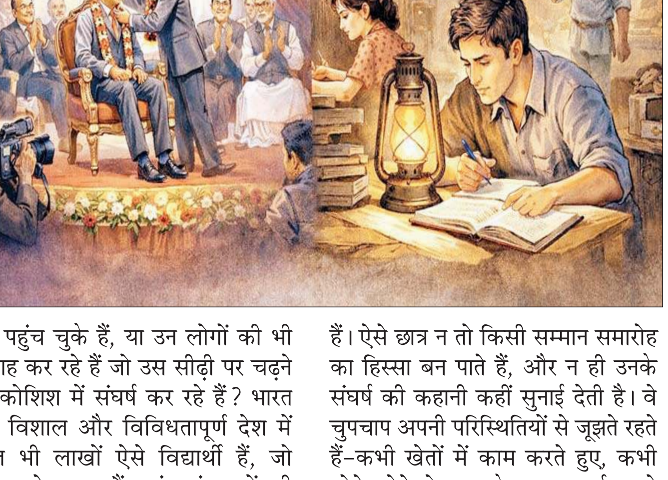

विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों में रहने वाले छात्र अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। उनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साधन नहीं होते, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन का अभाव होता है, और आर्थिक सीमाएं उन्हें अपने सपनों से समझौता करने के लिए मजबूर कर देती हैं। ऐसे छात्र न तो किसी सम्मान समारोह का हिस्सा बन पाते हैं, और न ही उनके संघर्ष की कहानी कहीं सुनाई देती है। वे चुपचाप अपनी परिस्थितियों से जूझते रहते हैं–कभी खेतों में काम करते हुए, कभी छोटे–मोटे रोजगार के साथ पढ़ाई करते हुए, तो कभी बिना किसी कोचिंग या मार्गदर्शन के स्वयं ही रास्ता खोजते हुए। उनके भीतर भी वही जज्बा, वही क्षमता और वही सपने होते हैं, जो किसी चयनित अभ्यर्थी के भीतर होते हैं–फर्क केवल इतना है कि उन्हें अवसर और संसाधन समान रूप से उपलब्ध नहीं हो पाते।

इस संदर्भ में यह आवश्यक हो जाता है कि हम 'सम्मान' की परिभाषा को पुनः परिभाषित करें। क्या सम्मान केवल सफलता का उत्सव है, या वह संघर्ष की पहचान भी है? सम्मान यदि केवल उपलब्धियों तक सीमित रह जाए, तो वह अधूरा रह जाता है। वास्तविक सम्मान वह है, जो सफलता की यात्रा, संघर्ष और प्रयासों को भी स्वीकार करे। सम्मान समारोहों को सार्थक बनाने के लिए उन्हें औपचारिकता से आगे बढ़ाकर सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाना आवश्यक है।

सबसे पहले, सम्मानित अभ्यर्थियों को मार्गदर्शक की भूमिका में लाना चाहिए, ताकि वे अन्य छात्रों को दिशा दे सकें। साथ ही, मेंटरशिप, निः शुल्क कोचिंग, पुस्तक बैंक और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं को इन आयोजनों से जोड़ा जाना चाहिए। इससे सम्मान का वास्तविक लाभ समाज तक पहुंच सकेगा।

इसके अतिरिक्त, केवल सफल ही नहीं, बल्कि संघर्षरत छात्रों को भी मंच देना जरूरी है। उनके प्रयासों की सराहना समाज में सकारात्मक संदेश देती है कि कोशिश भी सम्मान के योग्य है। आयोजनों को दिखावे से दूर रखकर संवाद और अनुभव साझा करने पर केंद्रित करना अधिक प्रभावी होगा।

समाज, मीडिया और संस्थाओं को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि हर प्रतिभा को अवसर मिले। तभी सम्मान केवल तालियों तक सीमित न रहकर जिम्मेदारी और परिवर्तन का प्रतीक बन पाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मध्य और पश्चिम एशिया संकट में भारत की कूटनीति के मायने

मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में वर्तमान संघर्ष ने वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक परिदृश्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तेल और गैस के प्रमुख मार्गों पर तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता और निवेश जोखिम बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय में शांतिप्रिय और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षक देश, जैसे भारत, विश्व स्तर पर शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत की विदेश नीति इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में स्पष्ट और निर्णायक रूप से काम कर रही है।

वीरेन ठाकुर
स्वतंत्र लेखक

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकटग्रस्त क्षेत्रों में कूटनीतिक सर्ा, यता दिखाते हुए कई देशों के नेताओं से संवाद स्थापित किया है। उन्होंने जॉर्डन के शाह महामहिम किंग अब्दुल्ला द्वितीय से बातचीत में दोनों देशों के बीच सहयोग और ऊर्जा आपूर्ति की निर्बाधता सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही उन्होंने फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में जॉर्डन के प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि पश्चिमी एशिया में ऊर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचे पर हमले निंदनीय हैं और इनसे हालात और बिगड़ सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से भी क्षेत्रीय सुरक्षा, ऊर्जा बुनियादी ढांचे और फंसे भारतीयों के संरक्षण पर चर्चा की। उन्होंने कतर में भारतीय समुदाय के प्रति प्रदर्शित सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस बातचीत में दोनों नेताओं ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने पर अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

पीएम मोदी ने संकट की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए अन्य देशों के साथ भी संवाद जारी रखा। उन्होंने कुवैत के क्राउन प्रिंस, ओमान के सुल्तान, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मै, ों और मलेशिया के प्रधानमंत्री से भी क्षेत्रीय स्थिति पर विचार–विमर्श किया। उन्होंने सभी से शांति और स्थिरता बनाए रखने, ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। 18 मार्च, 2026 को कुवैत के युवराज शेख सबाह अल–खालिद अल–हमद अल–मुबारक अल–सबाह से बातचीत के दौरान उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। भारत की विदेश नीति स्पष्ट रूप से दिखाती है कि देश केवल अपने स्वार्थ के लिए नहीं बल्कि वैश्विक शांति और सहयोग को बनाए रखने के लिए सक्रिय है। पीएम मोदी की 'मल्टी–अलाइनमेंट' नीति के तहत भारत सभी पक्षों से संवाद स्थापित करके विवादित क्षेत्रों में पुल का कार्य कर रहा है। जबकि अन्य देश खेमों में बंटे हैं, भारत निष्पक्ष और संतुलित दृष्टिकोण के माध्यम से सभी के साथ संपर्क बनाए हुए है।

इस सक्रिय कूटनीति ने भारत की वैश्विक छवि को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री मोदी की पहल ने यह साबित कर दिया कि भारत केवल आर्थिक या रणनीतिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह वैश्विक स्थिरता और मानव सुरक्षा के लिए जिम्मेदार भूमिका निभा रहा है। भारत की यह भूमिका न केवल संकटग्रस्त क्षेत्रों के लिए बल्कि विश्व स्तर पर भी प्रेरणादायक है।

कुल मिलाकर, वर्तमान संघर्ष और तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच भारत की विदेश नीति और कूटनीति शांति, सुरक्षा और सहयोग की दिशा में स्पष्ट रूप से अग्रसर हैं। प्रधानमंत्री मोदी की सर्ा, य पहल, बातचीत और निष्पक्ष दृष्टिकोण ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक जिम्मेदार, शांतिप्रिय और दूरदर्शी देश के रूप में उभर रहा है। ऐसे समय में भारत का संयमित और संतुलित कूटनीतिक दृष्टिकोण न केवल क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में मदद कर रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भरोसे और सहयोग की नींव मजबूत कर रहा है।

इस प्रकार, भारत की भूमिका यह संदेश देती है कि संघर्ष और अस्थिरता के समय भी कूटनीति, संवाद और सहयोग के माध्यम से शांति स्थापित की जा सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जल संरक्षण में लैंगिक समानता और पारंपरिक तरीकों का महत्व

हर वर्ष की भांति इस बार भी 22 मार्च को विश्च जल दिवस मनाया गया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जल केवल एक संसाधन मात्र नहीं, बल्कि जीवन की वह मूलधारा है, जिसके बिना सभ्यताएं अस्तित्वहीन हो सकती हैं।

डॉ. जगदीप वर्मा
सहायक आचार्य (वनस्पति विज्ञान)
सरदार पटेल विवि, मंडी

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

पृथ्वी, जिसे हम नीला ग्रह कहते हैं, उसकी सतह का लगभग 70 प्रतिशत भाग पानी से ढका है। पहली दृष्टि में यह एक असीम भंडार प्रतीत होता है, किंतु वास्तविकता इससे भिन्न है। इस विशाल जलराशि में से केवल 2.5 प्रतिशत ही मीठा जल है, और उसमें से भी बहुत कम हिस्सा मानव उपयोग के लिए सीधे तौर पर उपलब्ध है। यही सीमित जल, मानव जीवन, जैव विविधता, पारिस्थितिक तंत्र, कृषि और पशुपालन के अस्तित्व का आधार है।

पानी का यही अपरिहार्य महत्व, और इसकी सीमित उपलब्धता इसके सदुपयोग, संरक्षण एवम् सतत प्रबंधन सुनिश्चित करने की आवश्यकता का बोध कराते हैं। विश्व जल दिवस 1993 से हर वर्ष इसी कारण मनाया जाता है ताकि जल संकट, प्रदूषण और सुरक्षित जल तक पहुंच जैसी वैश्विक चुनौतियों के प्रति हमारी समझ व जागरूकता बढ़ाई जा सके और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा हेतु व्यक्तिगत प्रयासों के साथ साथ सामुदायिक और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी सुनिश्चित किया जा सके।

वर्ष 2026 का विषय 'जल और लैंगिक समानता' इस बात को रेखांकित करता है कि जल संकट का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर समान रूप से नहीं पड़ता। विशेषकर महिलाओं और लड़कियों पर इसका प्रभाव अधिक गहरा होता है। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में आज भी पानी लाने की मुख्य जिम्मेदारी महिलाओं के कंधों पर है। वे प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर, कठिन पहाड़ी रास्तों पर चलते हुए पानी लाती हैं। इस प्रक्रिया में उनका समय और श्रम दोनों ही अत्यधिक खर्च होते हैं, जिससे उनकी शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रभावित होते हैं। इसलिए जल प्रबंधन में पुरुषों की समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। जब पुरुष और महिलाएं मिलकर इस जिम्मेदारी को निभाते हैं, तो जल का उपयोग अधिक संतुलित और प्रभावी होता है।

जहां पानी बहता है–वहां समानता पनपती है, यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक वास्तविकता होनी चाहिए। इसलिए जल के प्रबंधन, उपयोग और संरक्षण में लैंगिक भेदभाव समाप्त करना सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हिमाचल प्रदेश अपनी बर्फीली चोटियों, ग्लेशियरों और बारहमासी नदियों के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन वर्तमान समय में यहां जल संकट एक गंभीर रूप लेता जा रहा है। बदलती जलवायु, कम होती बर्फबारी, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियोजित विकास के कारण प्राकृतिक जल स्रोत तेजी से सिकुड़ते जा रहे हैं। झरनों, बावड़ियों और तालाबों का सूखना केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। इसके साथ ही माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण एक नई समस्या के रूप में सामने आया है, जिसके सूक्ष्म कण अब स्वच्छ जल स्रोतों तक पहुंचकर खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर रहे हैं और मानव स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन अत्यंत आवश्यक हो जाता है। ये स्रोत वर्षा जल से प्राकृतिक रूप से पुनर्भरित होते हैं और लंबे समय तक स्थिर जल आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। कम लागत और स्थानीय भागीदारी के कारण ये अधिक टिकाऊ भी होते हैं। साथ ही, इनसे लोगों में जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता विकसित होती है। दूसरी ओर, आधुनिक पाइप जल आपूर्ति योजनाएं सुविधा तो देती हैं, लेकिन वे बिजली, बुनियादी ढांचे और रखरखाव पर निर्भर रहती हैं। किसी बाधा की स्थिति में यह व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और लोगों में जल के प्रति लापरवाही बढ़ सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इसराइल और ईरान का तेल व गैस संयंत्रों पर हमले करना अमानवीय कृत्य

मध्य पूर्व में जारी इसराइल – ईरान संघर्ष अब एक अत्यंत गंभीर वैश्विक संकट का रूप ले चुका है। हाल के महीनों में दोनों देशों द्वारा एक–दूसरे के तेल और गैस संयंत्रों पर किए जा रहे लगातार हमले इस टकराव को और अधिक खतरनाक बना रहे हैं। यह केवल सैन्य टकराव नहीं है, बल्कि मानव जीवन, वैश्विक अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के लिए भी बहुआयामी खतरे उत्पन्न कर रहा है।

रमेश सर्राफ धमोरा
स्वतंत्र लेखक
मोबाइल : 94142-55034

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

हाल ही में इसराइल ने दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र पर हवाई हमला किया, जो विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार माना जाता है। इस हमले से ईरान के कुल गैस उत्पादन का लगभग 12 प्रतिशत प्रभावित हुआ और कई रिफाइनरियों को बंद करना पड़ा। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने कुवैत, कतर और अन्य खाड़ी देशों के तेल और गैस संयंत्रों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया। इन हमलों से व्यापक आगजनी, उत्पादन में रुकावट और क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ी है। ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले केवल रणनीतिक या आर्थिक उद्देश्य से नहीं किए जा रहे हैं; यह आम नागरिकों के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहे हैं। गैस और बिजली आपूर्ति बाधित होने से अस्पताल, जल आपूर्ति, परिवहन और संचार जैसी आवश्यक सेवाओं में संकट उत्पन्न होता है। दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र ईरान के घरेलू ऊर्जा आवश्यकताओं का मुख्य स्रोत है, जिससे करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जीवनशैली जुड़ी है। ऐसे हमले पारंपरिक युद्ध नियमों और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का उल्लंघन माने जाते हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी इन हमलों का गहरा असर पड़ रहा है। तेल और गैस आपूर्ति में बाधा के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। कतर जैसे देशों के गैस संयंत्रों को नुकसान पहुंचने से वैश्विक गैस आपूर्ति लगभग 20 प्रतिशत प्रभावित हुई है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया है। इसका सीधा असर भारत, चीन और अन्य विकासशील देशों पर पड़ा है, जहां ईंधन महंगा होने से महंगाई बढ़ रही है, औद्योगिक लागत बढ़ रही है और आर्थिक स्थिरता पर दबाव बन रहा है। पर्यावरणीय दृष्टि से यह स्थिति और भी गंभीर है। तेल और गैस संयंत्रों पर हमलों के कारण आगजनी, गैस रिसाव और समुद्री तेल फैलाव जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। इससे वायु और जल प्रदूषण बढ़ता है, समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र को दीर्घकालिक नुकसान होता है। ऐसे घटनाक्रम न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए खतरा हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। यह संघर्ष पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र को अस्थिर कर चुका है। खाड़ी देशों में बढ़ती सैन्य गतिविधियां और हमलों की घटनाएं संकेत देती हैं कि यह टकराव और व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है। यदि स्थिति पर तुरंत नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसके परिणाम वैश्विक शांति, स्थिरता और अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत घातक हो सकते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह आवश्यक है कि वह सक्रिय भूमिका निभाए। कूटनीति, संवाद और संयुक्त उपायों के माध्यम से इस संकट को नियंत्रित करना होगा। केवल सैन्य समाधान या एकतरफा कार्रवाई से स्थिति और बिगड़ सकती है। शांति और सहयोग ही इस संघर्ष का स्थायी समाधान है, जिससे मानवता, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था सुरक्षित रह सकें। मध्य पूर्व में बढ़ती अस्थिरता केवल स्थानीय मुद्दा नहीं है; यह वैश्विक सुरक्षा, ऊर्जा स्थिरता और आर्थिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। यदि अंतरराष्ट्रीय समुदाय संयम और समझदारी से कार्रवाई नहीं करता, तो इसके परिणाम पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज–2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर–176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या–HPHIN/25/A0284
ई–मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

श्री राम हनुमान मंदिर कमेटी ने किया नाग देवता का भव्य स्वागत

अनंत ज्ञान, महादेव। श्री राम हनुमान मंदिर कमेटी चौक (महादेव) की ओर से लगभग 180 वर्षों के बाद देवता मेला सुंदरनगर में पधारे नाग चवासीगढ़ के देवता का जयदेवी (काढ़ी) में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कमेटी द्वारा नाग देवता को नारियल एवं मिष्ठान का भोग अर्पित किया गया। मंदिर कमेटी के सदस्य दविंदर गौतम, कर्म चंद्र ठाकुर, चमन ठाकुर, गुलाब सिंह ठाकुर, उधम सिंह, यादविंदर ठाकुर, दविंदर ठाकुर, महेश सिपहिया तथा मनीष ठाकुर ने देवता से आशीर्वाद एवं प्रसाद ग्रहण किया।

रोशनी वर्मा का गाना 'मेला सुंदरनगर वाला' लॉन्च

अनंत ज्ञान, मंडी। रोशनी वर्मा का नया गाना 'मेला सुंदरनगर वाला' रिलीज हो गया है, जो विशेष रूप से सुन्दरनगर मेले को समर्पित है। इस गाने को लेकर पूरे हिमाचल में पहले से ही खासा उत्साह देखने को मिल रहा था। इस गीत का लोकार्पण डीसी मंडी अपूर्व देवगन द्वारा किया और रोशनी वर्मा को शुभकामनाएं दीं। सुंदरनगर मेले पर आधारित यह संभवतः पहला गीत है, जो हम सभी के लिए गर्व की बात है। रोशनी वर्मा, टकोली जिला मंडी, की निवासी हैं। इस नए गीत को भी उन्होंने स्वयं लिखा, कंपोज किया और अपनी मधुर आवाज में प्रस्तुत किया है। गाने का संगीत नेव नेगी ने दिया है, जबकि वीडियो का निर्माण देशराज हिमाचली ने किया है।

राजीव परमार ने बजट को जनहित के विपरीत बताया

अनंत ज्ञान, मंडी। करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष राजीव परमार ने प्रदेश सरकार के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रदेश सरकार वित्तीय हालात से जूझ रही है, ऐसे में मुफ्त योजनाओं को बंद करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को शिक्षा, विशेषकर गुरुकुल जैसी पारंपरिक व्यवस्था, और स्वास्थ्य सेवाओं में आयुर्वेद पद्धति को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं को स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर अधिक गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। राजीव परमार ने आरोप लगाया कि इस बजट के माध्यम से कुछ विशेष समुदायों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश की आम जनता के व्यापक हित में नहीं है और सरकार को अपनी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करते हुए संतुलित एवं पारदर्शी नीति अपनानी चाहिए।

बजट किसान, गरीब और युवाओं के हित में सराहनीय

अनंत ज्ञान, मंडी। कांग्रेस नेता हीरापाल ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए बजट को सभी वर्गों के हित में बताया जा रहा है। बजट में किसान-बागवानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी करते हुए दूध, अदरक और मक्की के दाम बढ़ाने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही 300 यूनिट मुफ्त बिजली, अति गरीब महिलाओं को 1500 रुपये मासिक सहायता तथा बुजुर्गों की पेंशन 1500 से बढ़ाकर 3000 रुपये करने का प्रावधान किया गया है। बजट में कर्मचारियों, पर्यटन, कृषि, मत्स्य पालन, सड़क निर्माण, स्वच्छ पेयजल, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार ने बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में भी ठोस पहल की है। इसके अलावा बेसहारा लोगों, असहाय बच्चों और कमजोर वर्गों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को शामिल किया गया है, जिससे यह बजट समावेशी और जनहितैषी नजर आता है।

सुंदरनगर में नलवाड़-किसान मेला शुरू

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने वृषभ पूजन के साथ किया मेले का शुभारंभ

अनंत ज्ञान

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर। मेले और पर्व पुरातन संस्कृति के संवाहक है, जिसमें हमारी प्राचीन समृद्ध संस्कृति की झलक मिलती है। यह उद्गार सुंदरनगर में सात दिवसीय नलवाड़ एवं किसान मेला के शुभारंभ अवसर पर नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने नागौण खड्डु में खूंटा गाड़ कर वृषभ पूजन कर किया। इससे पूर्व लोक निर्माण विश्राम गृह से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई।

जवाहर पार्क में राजेश धर्माणी ने एक जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेला पूर्व सुकेत रियासत के राजाओं द्वारा प्रारंभ किया गया था, जिसकी पारम्परिक पहचान आज भी कायम है, जिसे संजोए रखने के लिए सुंदरनगर के निवासी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि सुंदरनगर का नलवाड़ मेला वर्षों से परंपरा के रूप में आयोजित होता आ रहा है और आज यह क्षेत्र की एक विशिष्ट पहचान बन चुका है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा विपरीत परिस्थितियों के बावजूद वर्ष 2026-27 के लिए एक उत्कृष्ट बजट प्रस्तुत किया गया है, जिसके अंतर्गत अप्रैल माह से 'खेलो हिमाचल' और 'चिट्टा मुक्त अभियान' जैसे कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह देते आयोजक व गणमान्य। अनंत ज्ञान

मेला समिति के अध्यक्ष एवं एसडीएम सुंदरनगर अमर नेगी ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों तथा उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया। उन्होंने मेले के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नलवाड़ मेला न केवल पशुओं के क्रय-विक्रय का प्रमुख केंद्र है, बल्कि यह क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक भी है। उन्होंने मेले के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न सांस्कृतिक, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी दी।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति विकास निगम के अध्यक्ष लाल सिंह कौशल, एपीएमसी के अध्यक्ष संजीव गुलेरिया, जिला मंडी कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा चंपा ठाकुर, झंडूता विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी विवेक कुमार, नाचन के पूर्व प्रत्याशी नरेश चौहान, ब्रह्म दास चौहान, सेवा दल के सदस्य तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अभी तक नहीं मिले 1500 करोड़ रुपए

उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 और 2025 में आई प्राकृतिक आपदाओं से जिला मंडी, कुल्लू और चंबा को भारी नुकसान हुआ। केंद्र सरकार द्वारा ₹1500 करोड़ की सहायता की घोषणा के बावजूद यह राशि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। इसके बावजूद प्रदेश सरकार ने प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करते हुए पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों के लिए ₹7 से ₹8 लाख तक की सहायता दी है। ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए एक उत्कृष्ट बजट प्रस्तुत किया गया है, जिसके अंतर्गत 'खेलो अभियान' और 'चिट्टा मुक्त अभियान' को ब्लॉक, जिला एवं प्रदेश स्तर पर संचालित किया जाएगा।

हिमाचल को रेलवे विकास की बड़ी सौगात

सांसद महाजन ने केंद्रीय रेल मंत्री को किया धन्यवाद

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। हिमाचल प्रदेश में रेलवे विकास को लेकर लंबे समय से चली आ रही मांग अब तेजी से साकार होती नजर आ रही है। आजाद भारत में पहली बार राज्य को बड़े स्तर पर रेल परियोजनाओं की सौगात मिलने पर सांसद हर्ष महाजन ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया है।

सांसद हर्ष महाजन ने कहा कि राज्यसभा में रेल मंत्री द्वारा दी गई जानकारी से स्पष्ट है कि हिमाचल में रेल विस्तार कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने विशेष रूप से चंडीगढ़-बद्दी रेल लाइन और भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी रेल लाइन पर तेज गति से चल रहे कार्यों को ऐतिहासिक बताया।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित बिलासपुर-मनाली-लेह रेल लाइन परियोजना हिमाचल के लिए गेमचेंजर साबित होगी। लगभग 489 किलोमीटर लंबी इस सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रेल लाइन का सर्वेक्षण पूरा कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। यह रेल लाइन सुंदरनगर, मंडी, मनाली, सिस्सू, दारचा, केलांग, सरचू और उपशी होते हुए लेह तक जाएगी। इससे मंडी जिले की कनेक्टिविटी को विशेष मजबूती मिलेगी और यह क्षेत्र पर्यटन व व्यापार का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

जानकारी के अनुसार चंडीगढ़-बद्दी नई रेल लाइन परियोजना पर लगभग 1540 करोड़ रुपए की लागत अनुमानित है, जिसमें केंद्र और हिमाचल सरकार की 50:50 साझेदारी तय की गई है। फरवरी 2026 तक इस परियोजना पर 1068 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जा चुके हैं।

इसके अलावा नंगल डैम से दौलतपुर चौक तक 60 किलोमीटर रेल लाइन का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि दौलतपुर चौक-मुकेरियां 42 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस खंड में बड़े पुलों और अंडरपास का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है। सांसद ने कहा कि इन रेल परियोजनाओं के पूरा होने से हिमाचल प्रदेश में पर्यटन, उद्योग और व्यापार को नई गति मिलेगी। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से प्रदेश देश के अन्य हिस्सों से और अधिक सशक्त रूप से जुड़ेगा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

पंडोह में अग्निवीर भर्ती रैली आज से शुरू, 2959 युवा अभ्यर्थी लेंगे भाग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। सेना भर्ती कार्यालय मंडी की वर्ष 2025-26 की अग्निवीर भर्ती रैली आज से तृतीय इंडिया रिजर्व बटालियन पंडोह के ट्रेनिंग ग्राउंड में प्रारंभ हुई। इस रैली में कुल्लू, मंडी एवं लाहौल-स्पिति जिलों के सीईई उत्तीर्ण 2,959 कैंडिडेट्स हिस्सा लेंगे। 22 मार्च को प्रात: 6 बजकर 30 मिनट पर 1.6 किमी दौड़ के फ्लैग ऑफ के साथ भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत हुई।

भर्ती के लिए युवा दौड़ लगाते हुए। अनंत ज्ञान

दौड़ के दौरान सभी युवा अभ्यर्थियों में बहुत ही जोश और उत्साह देखने को मिला। रैली के प्रथम दिन कुल्लू एवं लाहौल-स्पिति जिलों के 326 युवाओं ने हिस्सा लिया जिसमें कि 239 अभ्यर्थी दौड़ में उत्तीर्ण हुए। ये अभ्यर्थी अब आगे बाकी के शारीरिक मापदंड, दस्तावेज एवं चिकित्सकीय परीक्षण से गुजरेंगे। आने वाले दिनों में मंडी जिले के प्रत्याशी भी इस रैली में अपना सामर्थ्य दिखाएंगे। कर्नल गौतम निशान्त, भर्ती निदेशक, एआरओ, मंडी ने इससे पहले 21 मार्च को रैली की सारी तैयारियों का जायजा लिया और भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए बताया कि भर्ती पूरी तरह से निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संचालित की जाएगी।

युवाओं ने संवारे व्यास के किनारे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। मेरा युवा भारत मंडी एवं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में शहीदी दिवस के अंतर्गत व्यास तट पर सफाई अभियान आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए नदी किनारे सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। यह अभियान सुकेत नदी के किनारे चलाया गया, जिसमें नगर निगम के अध्यक्ष वीरेंद्र भट, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर सुनील ठाकुर, रक्षा मंत्रालय भारत सरकार के उपमंडल अधिकारी सौरव सूद की उपस्थिति रही।

शहीदी दिवस के अवसर पर देशभर में सफाई अभियान, रील प्रतियोगिता और पदयात्रा जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के छात्रावास से छात्राओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके साथ ही 23 मार्च को एक पदयात्रा आयोजित की जाएगी, जो सरदार पटेल विश्वविद्यालय से शुरू होकर इंदिरा मार्केट में संपन्न होगी। जिला युवा अधिकारी भारती मोंगरा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण कर इन कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और सुदृढ़ किया जा सके।

साहित्य महोत्सव में पुस्तक का विमोचन और हुआ कवि सम्मेलन

अनंत ज्ञान

कवि सम्मेलन में मौजूद कवि। अनंत ज्ञान

भीम बसेडू राजपूत, महादेव। देवता मेला समिति एवं सुकेत साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद, सुंदरनगर के तत्वावधान में दो सत्रों में साहित्य उत्सव का आयोजन खंड विकास अधिकारी सभागार, सुंदरनगर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडी जिला भाषा अधिकारी रेवती सैनी ने की, जबकि पूर्व प्रशासनिक अधिकारी दर्शन कालिया मुख्यातिथि रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रशासनिक अधिकारी पृथ्वीपाल सिंह, कला भाषा अकादमी के पूर्व सचिव डॉ. कर्म सिंह, डॉ. राकेश शर्मा, नियोन धैर्य शर्मा, सुशील पुंडीर और हितेंद्र शर्मा शामिल हुए।

पहले सत्र में तीन पुस्तकों का विमोचन हुआ। पृथ्वीपाल सिंह की पुस्तक 'आषाढ़ का प्रथम दिवस' पर रेवती सैनी ने विचार साझा किए। राजकुमार राकेश की पुस्तकें 'सिगार' और 'पोटाशियम सायनाइड' का मुरारी शर्मा ने समीक्षात्मक विश्लेषण किया। हितेंद्र शर्मा की 'अंतर्मन के संवाद' पर गणेश गनी ने टिप्पणी प्रस्तुत की।

दूसरे सत्र में बहुभाषी कवि सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें शिमला, बिलासपुर, घुमारवीं, कुल्लू, सरकाघाट और मंडी से लगभग 50 कवियों ने भाग लिया। कलमकारों भिम सिंह, गंगा राजी, पवन चौहान, रतन लाल शर्मा, सुरेंद्र मिश्रा, अनिल महंत, डॉ. लीलाधर वात्स्यायन और रक्षा शर्मा ने आयोजन को समाज हित में मील का पत्थर बताया। परिषद के अध्यक्ष डॉ. गंगा राम राजी ने सभी प्रबुद्धजनों का धन्यवाद किया।

भूपेंद्र ने मनरेगा और स्मार्ट बिजली मीटरों के बारे में किया जागरूक

अनंत ज्ञान

जागरूक करते हुए भूपेंद्र सिंह। अनंत ज्ञान

सरकाघाट। मनरेगा बचाने और नए बिजली कानून तथा अन्य मांगों के लिए 24 मार्च को रामलीला मैदान दिल्ली में हो रही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की जन आक्रोश रैली से पूर्व आज माकपा नेता एवं पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने धर्मपुर खंड की ग्राम पंचायत कमलाह के गांव नरवालका, लाम्बर, खेड़ी, सिल्ह, घरवासड़ा, कमलाहू और ब्रेहल में बैठकें करके मनरेगा मजदूरों, महिला मंडलों व अन्य लोगों को बैठकों के माध्यम से जागरूक किया और पर्चा भी वितरित किया।

उनके साथ पार्टी व किसान सभा के लुददर सिंह, बालम राम, भूप सिंह और प्रकाश चंद इत्यादि भी उपस्थित रहे। उन्होंने गांवों में आयोजित बैठकों में बताया कि मोदी सरकार बिजली क्षेत्र को निजी क्षेत्र में देने के लिए बिल लाई है जिसके प्रथम चरण में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। मोदी सरकार मनरेगा कानून को खत्म करके लाई वीबीग्रामजी योजना पूरी तरह जनविरोधी और मनरेगा योजना के विपरीत है, जिसमें काम की कोई गारंटी नहीं है। गांव गांव में हुई बैठकों में मजदूरों को इसके बारे में जागरूक किया गया और मनरेगा कानून को खत्म करके लाए गए नए विवि ग्राम जी कानून को वपिस करने की मांग उठायी गई।

इसके अलावा बिजली के स्मार्ट मीटर न लगाने, मनरेगा और राजस्व ग्रांट की बहाली, बिजली विधेयक और चार श्रम सहिंताओं को वापस लेने, आपदा प्रभवितों को मकान बनाने के लिए जमीन उपलब्ध करवाना, रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि वापस लेने आदि के बारे में भी जागरूक किया।

करATE संघ की वार्षिक आम बैठक में संगठन मजबूती पर दिया जोर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। जिला मंडी कराटे संघ की वार्षिक आम बैठक का आयोजन रविवार को टारना में संघ के प्रधान दिनेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें संगठन के सुचारु संचालन, गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन और विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में प्रस्ताव संख्या-1 के तहत संगठन की संरचना, संचालन एवं गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन को और सुदृढ़ बनाने पर विचार-विमर्श किया गया, जबकि प्रस्ताव संख्या-2 में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन की आवश्यकता के अनुसार नए पदों का सृजन किया जाए और विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाए। बैठक में राज कुमार परमार को चेयरमैन, दिलीप कुमार राणा को वाइस चेयरमैन, दिनेश कुमार को अध्यक्ष/प्रधान, कृपाल लाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गुलाब सिंह परिहार को उपाध्यक्ष, हेम राज को महासचिव, रतन राम को सह सचिव, मोहित कुमार को संगठन सचिव, नरेंद्र कुमार को कोषाध्यक्ष, पंकज कुमार को प्रेस सचिव तथा विशाल कुमार को सदस्य नियुक्त किया गया।

प्रस्ताव संख्या-3 के तहत अध्यक्ष द्वारा नव-नियुक्त पदाधिकारियों को उनके दायित्वों का निर्वहन निष्ठा एवं ईमानदारी से करने के निर्देश दिए गए तथा कराटे खेल के विकास एवं प्रचार-प्रसार हेतु संगठित रूप से कार्य करने पर बल दिया गया। सभी पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

मंडी में वार्ड सभा में जनहित मुद्दों पर मंथन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। नगर निगम मंडी के वार्ड नंबर-2 पुरानी मंडी में वार्ड सभा का आयोजन नगर निगम के माननीय महापौर वीरेंद्र भट्ट शर्मा की अध्यक्षता में शीतला माता मंदिर परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें वार्ड के गणमान्य व्यक्तियों, महिला मंडलों, युवाओं व आम नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों की सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, सामाजिक सुरक्षा व पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों की समीक्षा, लंबित मामलों के निस्तारण और नए पात्र लोगों को जोड़ने पर जोर दिया गया। वहीं, वार्ड में चल रहे विकास कार्यों जैसे सड़क, नाली, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की प्रगति का आकलन करते हुए इन्हें प्राथमिकता देने की बात कही गई। नागरिकों ने सफाई, जल निकासी, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट और कूड़ा एकत्रीकरण से जुड़ी समस्याएं उठाईं, जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया। बैठक में थाना प्रभारी सदर सुनील कुमार ने केमिकल नशे (चिट्टा) के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूक किया और युवाओं से इससे दूर रहने की अपील की, जबकि विद्युत विभाग के सहायक अभियंता नरेश कुमार व होशियार सिंह राणा ने 'पीएम घर-घर मुफ्त बिजली' योजना के तहत सोलर पैनल स्थापना, सब्सिडी व आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि इससे उपभोक्ता प्रति माह लगभग 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ ले सकते हैं।

घटते बजट में छुपी सरकार की सच्चाई : दलीप ठाकुर

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। सरकाघाट के विधायक दलीप ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के बजट 2026-27 को लेकर कांग्रेस सरकार पर जोरदार निशाना साधते हुए इसे 'विकास का नहीं, बल्कि भ्रम और आंकड़ों का बजट' बताया। उन्होंने कहा कि इस बजट में न तो स्पष्ट दिशा दिखाई देती है और न ही ठोस नीयत, जिससे साफ है कि सरकार जनता को राहत देने के बजाय आंकड़ों के जरिए वास्तविक स्थिति छिपाने की कोशिश कर रही है।

विधायक ने बजट के घटते आकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब खुद सरकार स्वीकार कर रही है कि इस बार का बजट 54,928 करोड़ रुपए है, जो पिछले वर्ष के 58,514 करोड़ रुपए से करीब 3,500 करोड़ कम है, तो विकास के बड़े-बड़े दावे कैसे किए जा सकते हैं। उन्होंने इसे प्रदेश की कमजोर होती आर्थिक स्थिति का संकेत बताते हुए कहा कि सरकार घोषणाओं के सहारे सच्चाई छिपाने में लगी है।

उन्होंने अधूरी परियोजनाओं के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा और कहा कि 300 से अधिक लंबित कार्यों के लिए मात्र 500 करोड़ रुपए का प्रावधान करना सरकार की प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उनके अनुसार, यह दर्शाता है कि सरकार के पास न तो स्पष्ट योजना है और न ही इन परियोजनाओं को पूरा करने की कोई ठोस समय सीमा। वहीं, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े ऐलानों पर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि एमएसपी बढ़ाने, डेयरी को बढ़ावा देने और किसानों के लिए नई योजनाओं की घोषणाएं केवल कागजी साबित हो सकती हैं।

हलचल आज गोहर बार एसोसिएशन बनाम हिमाचल सरकार केस की सुनवाई

कोर्ट में तारीख से पहले विभागीय हड़बड़ी पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान

सुनील शर्मा, गोहर। गोहर बार एसोसिएशन बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार मामले की 23 मार्च की सुनवाई से पहले प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। वर्षों तक सुस्त और लापरवाह रहे जलशक्ति विभाग की अचानक कार्रवाई ने आमजन में संदेह पैदा कर दिया है। बार एसोसिएशन का कहना है कि यह केवल कानूनी मामला नहीं है, बल्कि जनहित और जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। उनका स्पष्ट संदेश है, 'दिखावा नहीं, स्थायी समाधान चाहिए।'

अनंत ज्ञान खास खबर

विभाग का दावा है कि पानी पीने योग्य है, लेकिन लोगों को उबालकर पीने की सलाह देना गंभीर सवाल खड़ा करता है। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में हर परिवार के लिए रोजाना बड़ी मात्रा में पानी उबालना आसान नहीं। गरीब परिवारों पर यह अतिरिक्त बोझ है, जबकि बुजुर्ग, बच्चे और बीमार लोग स्वास्थ्य जोखिम झेलते हैं। यह स्थिति आम जनता में विभाग की विश्वसनीयता पर शक पैदा कर रही है।

कागजी हल नहीं, स्थायी सुधार चाहिए

बार एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि केवल क्लोरीन डालना, अस्थायी सफाई अभियान या कुछ दिनों के निरीक्षण से समस्या हल नहीं होगी। जल स्रोतों की वैज्ञानिक जांच, सप्लाई लाइनों की मरम्मत, दूषित स्रोतों की पहचान और स्थायी शोधन व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना पानी सुरक्षित नहीं माना जा सकता। कानूनी जानकार भी मानते हैं कि अदालत में केवल दिखावटी सुधार दिखाकर मामला हल नहीं होगा।

पंचायतीराज विभाग की चुप्पी

स्थानीय स्वच्छता, नालियों की मरम्मत और जल स्रोतों की सुरक्षा में पंचायती राज विभाग की सक्रियता नहीं दिखी। निर्मल भारत अभियान और स्वच्छ भारत अभियान के बावजूद जमीनी सुधार नहीं हुआ। खुले नाले, अधूरी ड्रेनेज व्यवस्था और दूषित जल स्रोत आज भी आम जनता के लिए खतरा हैं। पंचायतों की यह सुस्ती और नाकाफी कार्रवाई क्षेत्रवासियों में गहरी नाराजगी पैदा कर रही है।

जनस्वास्थ्य पर बढ़ता संकट

दूषित पेयजल और गंदा वातावरण केवल असुविधा नहीं, बल्कि सीधा स्वास्थ्य संकट है। जलजनित रोग, पेट और लीवर संबंधी बीमारियां, संक्रमण और बच्चों व बुजुर्गों पर बढ़ता खतरा प्रशासनिक लापरवाही की कीमत हैं। जनता अब प्रशासन की नीतियों और जवाबदेही पर भरोसा नहीं कर रही।

संदेश साफ है: स्थायी समाधान ही राहत

बार एसोसिएशन जनता को स्थायी और वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित जल उपलब्ध कराने पर जोर दे रहा है। अस्थायी उपाय और दिखावटी कार्रवाइयां समस्या का समाधान नहीं हैं। जलशक्ति विभाग और पंचायतों को अब समय रहते जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे, नहीं तो आने वाले समय में जनस्वास्थ्य पर गंभीर संकट गहरा सकता है।

2 किलो 816 ग्राम चरस के साथ दो युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। नशे के खिलाफ अभियान के तहत सुंदरनगर थाना पुलिस ने 2 किलो 816 ग्राम चरस के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, थाना टीम उप निरीक्षक दौलत राम की अगुवाई में पंग फोरलेन पर नाकाबंदी कर रही थी।

आरोपी पुलिस टीम के साथ।

इस दौरान मनाली से बिलासपुर की ओर जा रहे वाहनों की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान एक सफेद स्कॉर्पियो को संदेह के आधार पर रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से एक लिफाफा बरामद हुआ, जिसमें चरस पाई गई। वजन करने पर इसकी मात्रा 2 किलो 816 ग्राम पाई गई। पूछताछ में चालक ने अपनी पहचान विजय कुमार पुत्र धर्म सिंह निवासी गांव सरौण, डाकघर कांगो का गहरा, तहसील सरकाघाट, जिला मंडी (36) के रूप में बताई। वहीं दूसरे युवक ने अपना नाम सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह निवासी गांव व डाकघर रायकोट, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना (26) बताया।पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौथे नवरात्र पर श्री नयना देवी जी में उमड़ा जनसैलाब, जयकारों से गूंजा मां का दरबार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। रविवार को चौथे नवरात्र के उपलक्ष्य पर विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री नयना देवी जी मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अवकाश होने के चलते पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शनों के लिए पहुंचे।

माता के मंदिर में भेंटें गाकर शीश नवाते श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

पूरे दिन मंदिर परिसर 'जय माता दी' के ऊंचे जयकारों से गूंजता रहा। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को छोटे-छोटे जत्थों में रोका गया व उन्हें व्यवस्थित लाइनों के माध्यम से क्रमबद्ध तरीके से दर्शन करवाए गए। श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंदिर के बाहर होमगार्ड के जवानों तथा अंदर एक्स-सर्विसमैन व पुलिस कर्मियों ने मोर्चा संभाला हुआ था।

इसके अलावा मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। मंदिर अधिकारी चतर सिंह ने स्वयं व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर न्यास द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सभी श्रद्धालुओं को लाइनों में ही सुचारू रूप से दर्शन करवाए जा रहे हैं और व्यवस्था पूरी तरह से नियंत्रण में है। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि वे संयम बनाए रखें व निर्धारित व्यवस्थाओं का पालन करते हुए माता के दर्शन करें, ताकि सभी श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन का लाभ मिल सके।

माता चिंतपूर्णी के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

अनंत ज्ञान

विकास शर्मा, चिंतपूर्णी। चैत्र नवरात्र के चौथे दिन रविवार को माता श्री चिंतपूर्णी के पावन दरबार में श्रद्धा व भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

छुट्टी का दिन होने के कारण सुबह से ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। स्थिति यह थी कि सुबह 11:00 बजे तक श्रद्धालुओं की डबल लाइन मुख्य लुधियाना धर्मशाला तक जा पहुंची। माता के दर्शन की अभिलाषा लेकर पहुंचे भक्तों को मंदिर की मुख्य देहरी तक पहुंचने के लिए भारी भीड़ के बीच तीन से चार घंटे का लंबा इंतजार करना पड़ा। गर्मी और धूप के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी और 'जय माता दी' के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। मंदिर न्यास की ओर से उमड़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं को कतारों में व्यवस्थित रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल और सेवादारों की तैनाती की गई है।

माता चिंतपूर्णी मंदिर में पहुंचे श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

मंदिर प्रशासन के अनुसार, श्रद्धालुओं की निरंतर बढ़ती संख्या को देखते हुए उम्मीद है कि देर शाम तक लगभग 30,000 से अधिक भक्त माता रानी के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त कर लेंगे। मंदिर न्यास चिंतपूर्णी से मिली जानकारी के अनुसार, 3 दिनों में भक्तों ने माता रानी के दरबार में 2791755 रुपए का चढ़ावा अर्पित किया। पहले दिन मंदिर न्यास को 10000 के लगभग श्रद्धालुओं ने 784452 रुपए का चढ़ावा अर्पित किया, जबकि दूसरे दिन 8000 श्रद्धालुओं ने 722757 रुपए का नकद चढ़ावा अर्पित किया। मेले के तीसरे दिन मंदिर प्रशासन को 1284546 रुपए का नकद चढ़ावा 15000 श्रद्धालुओं ने माता रानी के दरबार में अर्पित किया। इससे पहले, चैत्र नवरात्र के पहले दिन भी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी, और देशभर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन किए थे।

स्थानीय युवक ने रंजिश की थी भेड़पालक की हत्या, गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

झंडूता। झंडूता उपमंडल के तहत पुलिस थाना तलाई के अंतर्गत मलहोट क्षेत्र में 14 मार्च को हुए भेड़पालक हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने पूछताछ के दौरान हत्या की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल कर ली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी की पहचान विक्की राम पुत्र नैनसुख निवासी गांव पखर, डाकघर धनी, तहसील झंडूता, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस थाना तलाई की टीम ने प्रारंभिक जांच के दौरान संदेह के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की, तो आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या के पीछे निजी रंजिश मुख्य कारण सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपी व मृतक के बीच पहले से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था, जो समय के साथ गहराता गया। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने 14 मार्च को मौका पाकर भेड़पालक की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी व स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया था।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत जांच शुरू की व विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सबूत जुटाए। तकनीकी साक्ष्यों व स्थानीय स्तर पर की गई पूछताछ के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है व उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही, मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस वारदात में कोई अन्य व्यक्ति शामिल तो नहीं था। पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के विवाद को कानून हाथ में लेकर सुलझाने के बजाय कानूनी माध्यमों का सहारा लें, ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

न्यूज ब्रीफ

अंबेडकर जयंती को लेकर बैठक 25 मार्च को

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं में 25 मार्च को अंबेडकर भवन में संयुक्त संघर्ष मोर्चा की बैठक आयोजित होगी। मोर्चा के महासचिव देवराज ने बताया कि 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को भव्य रूप से मनाने के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक में विभिन्न समितियों का गठन भी किया जाएगा।

छकोह स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़ाया मान

अनंत ज्ञान, बरमाना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छकोह के छात्र देवांश ने एनएमएमएस छात्रवृत्ति परीक्षा पास कर चार वर्षों के लिए छात्रवृत्ति हासिल की। वहीं स्काउट अभिनय पंवर और गाइड नेहा शर्मा का चयन राज्य पुरस्कार के लिए हुआ है। विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिलासपुर में पहले गुरुकुल विद्यालय की स्थापना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिला में प्रदेश के पहले गुरुकुल विद्यालय की स्थापना जबली क्षेत्र में की गई है। शहर से करीब 5 किलोमीटर दूर स्थापित इस गुरुकुल का शुभारंभ वैदिक रीति-रिवाजों, हवन और पूजा-अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर इस पहल का स्वागत किया। गुरुकुल के संचालन से जुड़े तुषार डोगरा ने बताया कि इसी शैक्षणिक सत्र से यहां शिक्षण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस अवसर पर बिलासपुर के विधायक त्रिलोक जम्वाल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने हवन में आहुति देकर पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि गुरुकुल केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, योग, ध्यान और नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी दी जाएगी। उन्होंने इसे प्राचीन और आधुनिक शिक्षा के समन्वय का सशक्त माध्यम बताया। स्थानीय लोगों ने इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक कदम बताते हुए उत्साह जताया और इसे युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने वाला प्रयास करार दिया।

माता चिंतपूर्णी के दरबार में हवन-पूजा

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। रविवार को चौथे नवरात्र के पावन अवसर पर माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर में विशेष हवन-पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी रवींद्र कालिया शिंदा ने श्रद्धालुओं व आम जनमानस की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। मुख्य पुजारी रवींद्र कालिया शिंदा ने मां चिंतपूर्णी के दरबार में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश व देशवासियों के लिए खुशहाली, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को नवरात्र पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मां के आशीर्वाद से जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर एसीएफ रविंद्र कटोच सहित मंदिर के समस्त पुजारी वर्ग भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर श्रद्धा व भक्ति भाव से मां का पूजन कर जनकल्याण की प्रार्थना की। मुख्य पुजारी ने कहा कि नवरात्र के पावन दिनों में मां के दरबार में पूजा-अर्चना का विशेष महत्व होता है व इन दिनों मां अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे श्रद्धा और विश्वास के साथ मां की आराधना करें।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा बढ़ाएगा अपना आकार

अनंत ज्ञान, ऊना। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिला ऊना की कार्यसमिति बैठक रविवार को जिला कार्यालय 'दीप कमल' में आयोजित की गई। बैठक में मुख्यातिथि के रूप में प्रदेश प्रवक्ता व जिला प्रभारी तिलक राज उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद संगठनात्मक मुद्दों और रणनीतियों पर चर्चा की गई। तिलक राज ने '1 बूथ 5 एससी कार्यकर्ता' अभियान को शत-प्रतिशत पूरा करने पर जोर देते हुए कहा कि शेष बूथों को जल्द कवर किया जाए। उन्होंने प्रत्येक मंडल में प्रभारी नियुक्त करने और जिला स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को भव्य रूप से मनाने की योजना पर भी चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष सूरम सिंह ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बजट में अनुसूचित जाति वर्ग की अनदेखी की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले मिलने वाला विकास फंड अब घट गया है। बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए पूरी तैयारी करने का संकल्प लिया।

बजट में पेंशनर्स के साथ धोखा

अनंत ज्ञान, ऊना। प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट से पेंशनर्ज को निराशा ही हाथ लगी है। यह बात भाजपा सेवानिवृत्त प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एचएस गुलेरिया, संयोजक राजीव वशिष्ट, प्रकाश ठाकुर, किशन चंद, अजय पराशर, शिव मैहन, पूर्व कर्मचारी नेता यशपाल रायजादा, कुलदीप दयाल, कंवर दिलावर व हरगोविंद ने कहीं। उन्होंने कहा कि बजट में पेंशनर्स के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पेंशनर्ज को महंगाई भत्ता (डीए) नहीं दिया गया और 146 महीनों के एरियर के भुगतान के लिए भी कोई बजट नहीं रखा गया। लंबे समय से लंबित मेडिकल बिलों के भुगतान पर भी सरकार चुप है। इसके अलावा 1 जनवरी 2016 से 2022 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान, ग्रेच्युटी, कम्यूटेशन और लीव इनकैशमेंट का लाभ नहीं मिलने पर भी नाराजगी जताई गई। सरकार ने इस वर्ग को विश्वास में लेने की भी कोशिश नहीं की और पुराने वादों को ही नए रूप में पेश किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में विकास कार्य ठप हैं व योजनाओं के केवल नाम बदले जा रहे हैं।

सुक्खू सरकार का बजट 'उल्टी गंगा बहाने वाला': कटवाल

अनंत ज्ञान

झंडूता। झंडूता विधायक जीतराम कटवाल ने हिमाचल प्रदेश सरकार के बजट को 'उल्टी गंगा बहाने वाला' करार देते हुए तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि सरकार आत्मनिर्भरता का दावा तो कर रही है, लेकिन

इसके लिए न ठोस नीति है और न ही स्पष्ट नीयत। कटवाल ने कहा कि 54,928 करोड़ का बजट पिछले वर्ष से 3,586 करोड़ कम है, जो विकास की रफ्तार पर ब्रेक लगाने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज हो चुका है, जो सरकार की फिजूलखर्ची और वित्तीय कुप्रबंधन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बजट का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और कर्ज के ब्याज भुगतान में खर्च हो जाएगा, जिससे विकास कार्यों के लिए संसाधन नहीं बचेंगे। बड़े प्रोजेक्ट तो दूर, मरम्मत और रखरखाव के लिए भी धन की कमी है। कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं, युवाओं और किसानों से किए गए वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। उनके अनुसार यह बजट केवल घोषणाओं और खोखले आंकड़ों का पुलिंदा है।

स्टडी लीव पर 100% वेतन का निर्णय सराहनीय: राजन शर्मा

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ के प्रांतीय मुख्य मीडिया सचिव राजन शर्मा ने प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को सराहनीय व कर्मचारी हितैषी बताया है। उन्होंने कहा कि बजट में कर्मचारियों के कल्याण को केंद्र में रखते हुए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं, जिनका व्यापक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। राजन शर्मा ने विशेष रूप से स्टडी लीव पर जाने वाले कर्मचारियों को 100 प्रतिशत वेतन देने के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह कदम कर्मचारियों को उच्च शिक्षा व कौशल विकास के लिए प्रेरित करेगा, जिससे शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, उन्होंने अनुबंध कर्मचारियों के लिए वर्ष में दो बार नियमितीकरण की प्रक्रिया जारी रखने के फैसले को भी सराहनीय बताया। उनका कहना है कि इससे लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों को स्थायित्व मिलेगा व उनमें कार्य के प्रति और अधिक उत्साह बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा प्रस्तुत बजट आम वर्ग व कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करना एक ऐतिहासिक कदम है।

'आंकड़ों का मायाजाल' बजट : रूप लाल

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। बिलासपुर में भाजपा के पूर्व प्रवक्ता रूप लाल ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा प्रस्तुत चौथे बजट को 'आंकड़ों का मायाजाल' बताया। उन्होंने कहा कि बजट में आम जनता को राहत देने वाली कोई ठोस घोषणा नहीं है। मुफ्त बिजली, रोजगार और नारी सम्मान निधि जैसे वादे अधूरे हैं। ठाकुर ने आरोप लगाया कि अधिकतर योजनाएं केंद्र सरकार पर आधारित हैं और किसानों, युवाओं व बागवानों की उम्मीदें भी पूरी नहीं हुईं।

युवाओं के भविष्य से खुला खिलवाड़ : गौरव कुमार

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान, अंब। स्वामी विवेकानंद सेवा ट्रस्ट चिंतपूर्णी के अध्यक्ष गौरव कुमार ने हिमाचल प्रदेश के बजट 2026-27 को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस बजट को 'आर्थिक विफलता का प्रमाण पत्र' बताते हुए जनविरोधी, युवा-विरोधी और विकास-विरोधी करार दिया। गौरव कुमार ने कहा कि करीब 54,928 करोड़ का बजट पिछले वर्ष से कम है और 6,000 करोड़ से अधिक का राजस्व घाटा प्रदेश की कमजोर आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। उनके अनुसार सरकार के पास न स्पष्ट योजना है और न ही भविष्य का कोई ठोस विजन। युवाओं के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है। नए उद्योग और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए भी कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई, जिससे युवाओं में निराशा बढ़ रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सड़कों, पर्यटन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में निवेश की कमी है, जबकि प्रदेश कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है। किसानों के लिए की गई घोषणाओं को भी उन्होंने कागजी बताया। अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो प्रदेश को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

कांग्रेस ने हिमाचल को आर्थिक संकट में धकेला': सुमीत शर्मा

अनंत ज्ञान, ऊना। भाजपा प्रदेश सचिव व संसदीय क्षेत्र सह प्रभारी कुमार सुमीत शर्मा ने प्रदेश सरकार के बजट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे आर्थिक विफलता का संकेत बताया है।

उन्होंने कहा कि 54,928 करोड़ का मौजूदा बजट पिछले वर्ष के 58,514 करोड़ से कम है, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सिकुड़ने का स्पष्ट प्रमाण है। कांग्रेस सरकार को अपनी वित्तीय स्थिति संभालने में असफलता के कारण कर्मचारियों के वेतन तक स्थगित करने पड़े। सुमीत शर्मा ने कहा कि एक ओर वेतन रोका जा रहा है, वहीं दूसरी ओर छोटे-छोटे मानदेय बढ़ाकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 100 गारंटी पूरी करने के दावे किए जा रहे हैं, जबकि तीन वर्षों में कोई प्रमुख वादा पूरा नहीं हुआ। किसानों के लिए एमएसपी बढ़ाने की घोषणा को भी उन्होंने 'कागजी' बताते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर कोई लाभ नहीं मिल रहा। भाजपा नेता ने बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा कि इसमें ठोस आर्थिक रोडमैप का अभाव है और यह केवल घोषणाओं तक सीमित है।

पूर्व विधायक दविंदर भुट्टो ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के डेरा बाबा रूद्रानंद मंडल के तहत त्यूड़ी बदोली, घंडावल, पनोह और लोअर बसाल में ग्राम केंद्र प्रवास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक दविंदर कुमार भुट्टो मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। विभिन्न ग्राम केंद्रों में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। भुट्टो ने केंद्र सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने 'अपना बूथ सबसे मजबूत' का मंत्र दोहराते हुए संगठन की मजबूती पर जोर दिया और कहा कि हर कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है। साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार के बजट को दिशाहीन बताते हुए आरोप लगाया कि विकास कार्यों की बजाय अन्य प्राथमिकताओं पर ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में संगठनात्मक रणनीति पर चर्चा हुई और कार्यकर्ताओं ने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प लिया। इस दौरान करीब दो दर्जन लोगों ने भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की, जिससे क्षेत्र में पार्टी को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई गई।

नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयासों पर बल दिया

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं में संस्कार सोसायटी द्वारा सोशल मीडिया वीडियो प्रतियोगिता व वरिष्ठ जन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी व आबकारी अधिकारी दीक्षा ठाकुर ने युवाओं को खेलों से जुड़ने का संदेश देते हुए कहा कि 'जो मैदान में पसीना बहाता है, वह नशे से दूर रहता है।' उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के साथ संवाद बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्ष बीना रानौत ने कहा कि चिट्टा समाज के लिए गंभीर खतरा बन चुका है और इससे निपटने के लिए जागरूकता जरूरी है। सामाजिक कार्यकर्ता पिंकी शर्मा ने भी नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी ने बताया कि 'घुमारवीं अगेंस्ट चिट्टा' अभियान के तहत कई पंचायतों और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता फैलाई जा रही है। प्रतियोगिता में महिला वर्ग में हर्षा शर्मा प्रथम, जबकि छात्र वर्ग में आरव नरेश राणा प्रथम रहे। विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

लॉटरी के नाम पर ठगी, व्यक्ति ने गंवाए 5000 रुपए

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति लॉटरी के नाम पर ठगों के झांसे में आकर 5000 रुपए गंवा बैठा। इस घटना ने एक बार फिर ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों को उजागर कर दिया है।

पीड़ित ने अपना नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि उसने फेसबुक पर एक वीडियो देखा, जिसमें गांधी ब्रदर्स द्वारा लॉटरी बेचने की बात की गई थी, जब उसने उसे लिंक पर व्हाट्सएप कनेक्ट किया, तो उसे व्हाट्सऐप पर 'गांधी ब्रदर्स लुधियाना' के नाम से एक मैसेज प्राप्त हुआ। मैसेज में उपहार योजना के तहत करोड़ों रुपए का इनाम जीतने का लालच दिया गया था। इस संदेश ने पीड़ित को आकर्षित किया और वह ठगों के जाल में फंस गया। उसने बताया कि इस मामले को पुलिस में भी नहीं दिया गया, क्योंकि उसकी इज्जत का सवाल था। यह मैसेज 7691088023 नंबर से भेजा गया था, जब इस नंबर की पड़ताल की गई, तो यह राजस्थान का निकला, जिससे स्पष्ट होता है कि ठग दूसरे राज्यों से बैठकर बिलासपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को निशाना बना रहे हैं। मैसेज में पीड़ित को कूपन या टोकन खरीदने के लिए कहा गया व अलग-अलग राशि के पैकेज ऑफर किए गए। भरोसा दिलाने के लिए ठगों ने सोशल मीडिया लिंक भी साझा किए, जिससे यह योजना असली प्रतीत हो। लालच में आकर पीड़ित ने बताए गए नंबर पर कुल 5000 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। पैसे भेजने के बाद ठगों ने न तो कोई इनाम दिया और न ही आगे कोई जवाब दिया, बल्कि संपर्क पूरी तरह से बंद कर दिया। जिला प्रशासन व साइबर विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि इस तरह के किसी भी अनजान मैसेज, कॉल या लॉटरी स्कीम पर विश्वास न करें। किसी भी प्रकार की राशि ट्रांसफर करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि अवश्य करें। यदि कोई संदिग्ध कॉल या मैसेज प्राप्त होता है, तो तुरंत इसकी सूचना साइबर क्राइम सेल को दें।

'हम ऑनलाइन लॉटरी नहीं बेचते': मनमीत सिंह

इस मामले पर 'गांधी ब्रदर्स लुधियाना' के मालिक मनमीत सिंह ने स्पष्ट किया कि उनके नाम का दुरुपयोग कर ठगी की जा रही है। इस संबंध में पहले भी कई शिकायतें सामने आ चुकी हैं, जिन पर एफआईआर दर्ज करवाई गई है और एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि उनकी दुकान किसी भी प्रकार की ऑनलाइन लॉटरी नहीं बेचती है। केवल दुकान पर ही सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त टिकटों की बिक्री की जाती है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे किसी प्रकार की यूपीआई पेमेंट स्वीकार नहीं करते हैं। मनमीत सिंह ने लोगों से अपील की है कि इस तरह के फर्जी मैसेज व कॉल से सतर्क रहें व बिना पुष्टि के किसी को भी पैसे ट्रांसफर न करें, ताकि इस तरह की ठगी से बचा जा सके।

अरुण कौशल ने विवेक शर्मा पर बोला तीखा हमला

15 लाख रुपए का घोषणा पत्र दिखाओ, या झूठ बोलना बंद करो

अनंत ज्ञान

ऊना। युवा भाजपा नेता व जिला सोशल मीडिया कार्यकारिणी सदस्य अरुण कौशल ने कुटलैहड़ से कांग्रेस विधायक विवेक शर्मा पर तीखा हमला बोला है। कौशल ने कहा कि कांग्रेस के नेता अब भी 2014 के चुनावी प्रचार को तोड़-मरोड़कर पेश करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

अरुण कौशल ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी 'हर खाते में 15 लाख रुपए देंगे' जैसा कोई वादा नहीं किया। यह कांग्रेस का फैलाया हुआ झूठा नैरेटिव है। यदि विवेक शर्मा इतने ही आश्वस्त हैं, तो वे भाजपा के 2014 लोकसभा चुनाव घोषणा पत्र की कॉपी निकालकर दिखाएं, जहां कहीं भी '15 लाख प्रत्येक खाते में' लिखा हो। ऐसा कोई वाक्य नहीं है – क्योंकि ऐसा कोई वादा कभी किया ही नहीं गया। उन्होंने आगे कहा, 'मोदी सरकार ने काले धन के खिलाफ असली जंग लड़ी-नोटबंदी से, पीएमएलए कानून को मजबूत करके, जन धन खातों के माध्यम से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से हजारों करोड़ रुपए गरीबों तक पहुंचाए। आज उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, पीएम किसान, मुफ्त राशन जैसी योजनाओं से करोड़ों परिवारों को वास्तविक लाभ मिल रहा है। कांग्रेस के पास इन योजनाओं का कोई जवाब नहीं है, इसलिए वे पुरानी फाइलें खोलकर झूठ फैला रहे हैं। युवा नेता अरुण कौशल ने कुटलैहड़ क्षेत्र की जनता से अपील की, 'अब समय आ गया है कि झूठे प्रचार को नकारें और विकास को देखें। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हिमाचल में सड़कें, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। कांग्रेस केवल विरोध और अफवाहों में उलझी हुई है, जबकि भाजपा युवा शक्ति के साथ आगे बढ़ रही है। अरुण कौशल ने विधायक विवेक शर्मा को चुनौती देते हुए कहा, 'जनता को गुमराह करना बंद करें यदि आपके पास तथ्य हैं, तो दिखाइए, वरना विकास की बात करें। हिमाचल की युवा पीढ़ी अब जागरूक है और झूठ को आसानी से पहचान लेती है। भारतीय जनता पार्टी हमेशा तथ्यों और विकास पर आधारित राजनीति करेगा।

आयोजन कुटलैहड़ में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर सरकार का विशेष ध्यान

एल्विस हॉस्पिटल का विधायक विवेक ने किया उद्घाटन

अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत चताड़ा में रविवार को एल्विस हॉस्पिटल के उद्घाटन अवसर पर कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

इस अवसर पर अस्पताल परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर सहित अन्य स्वास्थ्य गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विधायक विवेक शर्मा ने अस्पताल का निरीक्षण कर विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली और अस्पताल प्रबंधन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान विधायक विवेक शर्मा ने एल्विस हॉस्पिटल के पूरे स्टाफ को उद्घाटन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्षेत्र में इस प्रकार की आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का उपलब्ध होना जनता के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि एल्विस हॉस्पिटल चताड़ा क्षेत्र की जनता को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि यह अस्पताल विशेष रूप से गरीब और जरूरतमंद परिवारों की स्वास्थ्य सुविधाओं में मदद करने के लिए हमेशा अग्रणी भूमिका निभाएगा।

विधायक विवेक शर्मा ने रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले लोगों की भी सराहना की और कहा कि रक्तदान एक महादान है, जिससे कई जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से समय-समय पर इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन द्वारा विधायक को अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक उपकरणों और सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। संबोधन में विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, ताकि लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। उन्होंने कहा कि कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र सिविल अस्पताल बंगाणा और थानाकलां में पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध है तथा यहां पर लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सिविल अस्पताल बंगाणा में सस्ती दवाइयों की दुकान भी उपलब्ध है, जिससे आम लोगों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां मिल रही हैं। इसके साथ ही अस्पताल में विभिन्न प्रकार के आवश्यक चिकित्सा परीक्षण (टेस्ट) की सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई गई हैं, जिससे मरीजों को दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। विधायक विवेक शर्मा ने यह भी जानकारी दी कि सिविल अस्पताल बंगाणा में जल्द ही अल्ट्रासाउंड की सुविधा भी शुरू की जाएगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू होने से गर्भवती महिलाओं सहित अन्य मरीजों को जांच के लिए अन्य स्थानों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और समय पर इलाज संभव हो सकेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर संतोष व्यक्त किया और अस्पताल प्रबंधन के प्रयासों की सराहना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि एल्विस हॉस्पिटल के खुलने से चताड़ा और आसपास के गांवों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध होंगी, जिससे उनका समय और धन दोनों की बचत होगी।

मिनर्वा स्कूल में दाखिले के लिए 536 स्टूडेंट्स ने दिया एंट्रेंस टेस्ट

अनंत ज्ञान

घुमारवीं। मिनर्वा सीनियर सेकेंडरी स्कूल घुमारवीं में रविवार को पहले चरण के एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 536 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कक्षा पहली से लेकर जमा दो तक के छात्रों ने इस परीक्षा में हिस्सा लिया। इस दौरान जिला बिलासपुर के साथ-साथ अन्य जिलों से भी अभिभावक अपने बच्चों को परीक्षा दिलाने के लिए पहुंचे।

इस बार एंट्रेंस टेस्ट की खास बात यह रही कि स्कूल में साइंस स्ट्रीम के साथ-साथ अब जमा एक और जमा दो में आर्ट्स व कॉमर्स स्ट्रीम भी शुरू की जा रही है। इसी के चलते विद्यार्थियों ने तीनों संकायों के लिए परीक्षा दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवेश चंदेल ने बताया कि जो विद्यार्थी पहले चरण की परीक्षा में सफल नहीं हो पाएंगे, उन्हें एक और मौका दिया जाएगा। इसके लिए 29 अप्रैल को दोबारा एंट्रेंस टेस्ट आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलती शैक्षणिक जरूरतों व विद्यार्थियों की रुचि को ध्यान में रखते हुए स्कूल प्रबंधन ने आर्ट्स व कॉमर्स स्ट्रीम शुरू करने का निर्णय लिया है। आगामी शैक्षणिक सत्र से इन दोनों संकायों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी, जिससे छात्रों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर विकल्प मिल सकेंगे। कई विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार आर्ट्स या कॉमर्स विषय चुनना चाहते हैं, ऐसे में यह पहल उनके लिए लाभकारी साबित होगी। प्रवेश चंदेल ने बताया कि पिछले 26 वर्षों से विद्यालय में जमा एक व जमा दो कक्षाओं के लिए केवल साइंस स्ट्रीम ही उपलब्ध थी, लेकिन अब समय के साथ बदलाव करते हुए अन्य संकाय भी शुरू किए जा रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, आवश्यक संसाधनों व बेहतर शैक्षणिक वातावरण की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके और वे अपने भविष्य को मजबूत बना सकें।

मनाली स्नो मैराथन लीग में प्रतिभागियों ने कुप्रबंधन व अतिरिक्त शुल्क के लगाए आरोप

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। मनाली में आयोजित स्नो मैराथन लीग के दौरान देश-विदेश से आए अल्ट्रा रन और वॉकाथन प्रतिभागियों ने आयोजन में गंभीर असुविधा और कुप्रबंधन की शिकायत की है। दुबई, मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद समेत कई शहरों से आए प्रतिभागियों ने कहा कि उन्हें होटल आवास के लिए अतिरिक्त शुल्क देना पड़ा और अंतिम समय में आयोजन स्थल की जानकारी दी गई।

मूल रूप से यह कार्यक्रम लाहौल के सिस्सू में होना था, लेकिन अचानक इसे मनाली के पास सेथन में शिफ्ट कर दिया गया। प्रतिभागियों का कहना है कि उन्हें रात लगभग 10 बजे खराब मौसम व कठिन पहाड़ी रास्तों पर नए स्थल तक जाना पड़ा। कई रनर्स को वाहन नहीं मिले, क्योंकि आयोजकों और टैक्सी चालकों के बीच भुगतान विवाद हुआ था। फोर्टिस मोहाली की मेडिकल टीम ने भी दौड़ से पहले रात में यात्रा न करने की सलाह दी थी और उसी रात कार्यक्रम स्थल छोड़कर चली गई। हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई से आए कई रनर्स अल्ट्रा इवेंट में भाग नहीं ले पाए और खुद को ठगा हुआ महसूस किया। कुछ प्रतिभागी अब आयोजकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। लेह से आए भारतीय सेना के लद्दाख स्काउट्स के केवल चार रनर्स ही किसी तरह आयोजन स्थल तक पहुंच पाए और वही प्रतियोगिता में शामिल हुए। दिल्ली और अन्य स्थानों से आए स्वयंसेवकों को भी अचानक बदलाव और असुविधाओं का सामना करना पड़ा। अंततः 50 किलोमीटर अल्ट्रा रन और वॉकाथन को रद्द करना पड़ा क्योंकि अधिकांश प्रतिभागियों ने लीग का बहिष्कार कर दिया। स्नो ट्रेल डॉग रेस के दौरान भी आलोचना हुई। मुंबई और अन्य शहरों से आए कुत्तों को 9000 फीट की ऊंचाई और 2-3 फीट गहरी बर्फ में दौड़ने में कठिनाई हुई, जिससे पशु कल्याण को लेकर सवाल उठे। इस पूरे घटनाक्रम ने हाई-एल्टीट्यूड खेल आयोजनों में प्रबंधन, प्रतिभागियों की सुरक्षा, शुल्क में पारदर्शिता और समुचित योजना के महत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आयोजकों की तैयारियों और सूचना प्रणाली की कमी ने प्रतिभागियों और स्वयंसेवकों दोनों के लिए अनुभव को प्रभावित किया, जिससे आयोजन की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ा।

धूप खिलते ही चांदी से चमके पहाड़

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, कुल्लू/केलांग। कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिले में अब बारिश और बर्फबारी का दौर थमने के बाद लोगों ने भी कुछ राहत की सांस ली है। शनिवार के बाद रविवार को भी खिली गुनगुनी धूप के बाद पहाड़ों सहित निचले क्षेत्रों में बिछी बर्फ की सफेद चादर ने यहां की सुंदरता को और बढ़ा दिया है। धूप खिलते ही मौसम भी सुहावना हो गया है। उधर, अटल टनल फोर बाई फोर वाहनों के लिए खुल गई है। वहीं, मनाली-केलांग सड़क मार्ग भी फोर बाई फोर वाहनों के लिए खुल गया है। बर्फबारी का दौर थमते ही सैलानी भी मनाली का रुख कर रहे हैं। रविवार को पर्यटक सोलंगनाला पहुंचे व बर्फ के बीच खूब अठखेलियां की। वहीं, कुछ पर्यटक फोर बाई फोर वाहनों में अटल टनल पहुंचे। सैलानियों का कहना है कि मनाली का मौसम अब काफी सुहावना बना हुआ है और धूप भी अच्छी खिली हुई है। पर्यटकों ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें मार्च महीने में भी मनाली और आसपास के इलाकों में बर्फ देखने को मिली है जिसकी उन्होंने उम्मीद भी नहीं की थी।

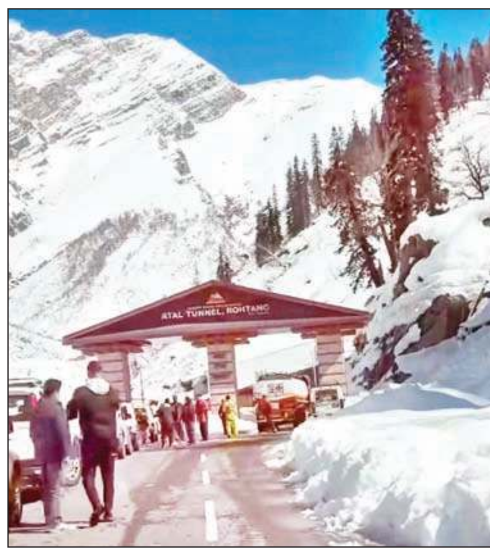

पर्यटक बर्फ के बीच मस्ती करते हुए। अनंत ज्ञान

अभी पटरी पर नहीं लौटा जनजीवन

कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिले में हालांकि मौसम साफ हो गया है, लेकिन जन जीवन अभी पूरी तरह से पटरी पर नहीं लौटा है। कुल्लू जिले में अभी भी कुछ सड़कें अभी तक बाधित हैं, जबकि कई डीटीआर भी प्रभावित हुए हैं। उधर, मणिकर्ण घाटी के घटिगाड में सड़क बाधित होने से करीब 300 वाहन फंसे हुए हैं। इस कारण पर्यटक भी फंसे हैं। वहीं, लाहौल-स्पीति में भी अभी तक कई सड़कें बाधित हैं।

> **लाहौल** घाटी में बीआरओ ने मुख्य सड़कों की बहाली शुरू कर दी है। बीआरओ के अनुसार दो दिन के भीतर कुंजुम की ओर सड़क बहाली का कार्य शुरू हो जाएगा।
>
> **अनुराधा राणा विधायक लाहौल-स्पीति।**

ढाई फुट बर्फ की परत से ढके शिंकुला दर्रे की बहाली शुरू

बीआरओ ने ढाई फुट बर्फ की मोटी परत से ढके शिंकुला दर्रे की बहाली शुरू कर दी है। लेह लद्दाख की जंस्कार घाटी गत दो सप्ताह से लाहौल से कटी हुई है। दो सप्ताह से दर्रे सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात का क्रम जारी रहा। जिससे शिंकुला दर्रे में ढाई फुट बर्फ की मोटी परत जमा हो गई है। बीआरओ ने हालांकि मार्च पहले सप्ताह ही शिंकुला बहाल कर जंस्कार घाटी को मनाली से जोड़ दिया था लेकिन नौ मार्च को फिर से हिमपात का क्रम शुरू होने से मार्ग बंद हो गया था। बीआरओ ने शनिवार को मौसम साफ होते ही सड़कों की बहाली शुरू कर दी है।

फारस की खाड़ी में संकट के बीच नाविकों की सुरक्षा व योगदान को प्राथमिकता देने की अपील

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। खाड़ी देशों में बढ़ते युद्ध संकट के बीच फारस की खाड़ी में तैनात भारतीय कैप्टन रमन कपूर ने भावुक संदेश जारी कर दुनिया का ध्यान नाविकों (सीफेयरर्स) की ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वे और उनके जैसे हजारों नाविक युद्ध जैसे हालात के बीच अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, लेकिन उनकी चुनौतियां अक्सर नजरअंदाज कर दी जाती हैं।

कैप्टन रमन कपूर ने अपने संदेश में कहा, 'नमस्ते, मैं कैप्टन रमन कपूर हूं और दुनिया भर के सभी नाविकों की ओर से बात कर रहा हूं। इस समय हम फारस की खाड़ी के युद्ध क्षेत्र के बीच बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। पूरी दुनिया खाड़ी देशों में चल रहे तनाव को देख रही है, लेकिन इन हालातों के बीच भी हम अपनी ड्यूटी पर डटे हुए हैं।' उन्होंने कहा कि नाविकों की बहादुरी और लचीलापन ही है कि वे हर परिस्थिति में वैश्विक व्यापार को चलायमान रखते हैं। 'हम सिर्फ नाविक नहीं हैं, हम वैश्विक व्यापार के रक्षक हैं। हमारी भूमिका भले ही सुर्खियों में न आए, लेकिन अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य की रीढ़ हम ही हैं। कैप्टन कपूर ने यह भी बताया कि दुनिया इस समय युद्ध, तेल और गैस की कीमतों, उर्वरकों और शेयर बाजारों पर नजर रख रही है, लेकिन समुद्र में काम कर रहे नाविकों को अक्सर भुला दिया जाता है। उन्होंने कहा, 'हम बस चाहते हैं कि लोगों को पता चले कि हम यहां अपना काम कर रहे हैं और हमें उनके समर्थन की जरूरत है। उन्होंने वैश्विक समुदाय से अपील करते हुए कहा कि नाविकों को युद्ध के लिए प्रशिक्षित नहीं किया जाता, ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। अब समय आ गया है कि दुनिया हमारे योगदान को पहचाने और हमारी सुरक्षा को प्राथमिकता दे।अंत में कैप्टन रमन कपूर ने सभी के लिए मंगलकामनाएं करते हुए कहा, 'भगवान सभी का भला करे। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा हालातों में समुद्री मार्गों की सुरक्षा और नाविकों की सलामती वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्री रास्तों से ही संचालित होता है।

पति से मिलने थाने आई महिला फिल्मी स्टाइल में छत से गिरी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला मुख्यालय कुल्लू के पुलिस थाने में रविवार दोपहर उस समय भारी अफरा-तफरी और हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब एक महिला अपने पति की गिरफ्तारी से नाराज होकर सीधे थाने की छत पर जा चढ़ी।

महिला को छत पर देख पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन में शुरू किए गए रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान महिला अचानक असंतुलित होकर दूसरी मंजिल की बालकनी में जा गिरी। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत कर उसे सुरक्षित नीचे उतारा। पुलिस की जानकारी के अनुसार पुलिस ने धारा 126/170 के तहत महिला के पति को गिरफ्तार किया था। एसपी कुल्लू मदन लाल कौशल ने बताया कि कुल्लू पुलिस ने रविवार सुबह करीब 10 बजे चौकी डोभी के रहने वाले 30 वर्षीय विकास बोध को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126/170 के तहत गिरफ्तार किया था।

◆शराब के नशे में धुत महिला का थाने में हाई वोल्टेज ड्रामा

पति की गिरफ्तारी की सूचना मिलने के बाद विकास की पत्नी रीतू बोध (जो मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली है) दोपहर करीब 12:15 बजे उससे मिलने के लिए कुल्लू थाने पहुंची, जब रीतू थाने पहुंची, तो वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने उसे नियमानुसार पूरी जानकारी दी।

पुलिस ने उसे बताया कि उसके पति विकास का मेडिकल करवाकर उसे हवालात में बंद कर दिया गया है और अब उसे अगले दिन एसडीएम कोर्ट में पेश किया जाएगा। यह सुनकर महिला काफी नाराज हो गई। इसके उपरांत वह थाना परिसर से बाहर चली गई। कुछ समय पश्चात थाना भवन की छत से एक मोबाइल फोन थाना प्रांगण में गिरा, जिससे यह संज्ञान में आया कि रीतू बोध छत पर मौजूद है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल फायर ब्रिगेड कुल्लू को सूचित किया गया तथा थाना स्टाफ एवं फायर ब्रिगेड टीम द्वारा संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया गया। रेस्क्यू के दौरान रीतू बोध अपने पति को छोड़ने की मांग कर रही थी। मौके पर उपस्थित कर्मचारियों द्वारा उसे शांत रहने एवं सुरक्षित स्थान पर आने के लिए समझाया गया तथा उसे आश्वस्त किया गया। इसी दौरान वह असंतुलित होकर छत से फिसलते हुए दूसरी मंजिल की बालकनी में गिर गई। तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे सीढ़ी के माध्यम से सुरक्षित नीचे उतारा गया और प्राथमिक उपचार हेतु क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू पहुंचाया गया। चिकित्सीय परीक्षण के दौरान उसके शरीर पर कोई बाहरी चोट नहीं पाई गई, हालांकि वह नशे (शराब सेवन) की स्थिति में पाई गई। मेडिकल अधिकारी द्वारा एहतियातन सीटी स्कैन कराने की सलाह दी गई है। एसपी कुल्लू मदनलाल कौशल ने बताया कि पुलिस ने इस विषय में मामला दर्ज कर लिया है और आगामी कार्रवाई की जा रही है। महिला शराब के नशे में पाई गई है और पुलिस द्वारा महिला का मेडिकल भी करवाया जा रहा है।

लगघाटी के अजीत ठाकुर ने आईआईटी रोपड़ में पीएचडी कर मनवाया लोहा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू की लगघाटी के दुर्गम गांव खोपरी के निवासी अजीत ठाकुर ने कठिन परिस्थितियों को मात देते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिस गांव में कभी सड़क जैसी मूलभूत सुविधा भी उपलब्ध नहीं थी, वहां से निकलकर अजीत ठाकुर ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ में पीएचडी थिसिस सफलतापूर्वक डिफेंड कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अजीत ठाकुर ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय खोपरी से तथा आगे की शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भल्याणी से प्राप्त की। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत व लगन से यह मुकाम हासिल किया। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में आयोजित पीएचडी डिफेंस सेमिनार के दौरान अजीत ठाकुर ने 'एडवांस वायरलेस कम्युनिकेशन' विषय पर आधारित अपने शोध को विशेषज्ञों के समक्ष विस्तार से प्रस्तुत किया और सफलतापूर्वक अपने थीसिस का डिफेंस किया। एएमआर लैब से जुड़े अजीत ठाकुर की इस उपलब्धि को संस्थान के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात माना जा रहा है। उनकी इस सफलता से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे इलाके में खुशी की लहर है।

अब पढ़ाई के साथ साई स्टार स्कूल ढालपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की मिलेगी कोचिंग

साई स्टार स्कूल ढालपुर व जोकटा अकादमी के बीच हुई साझेदारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल के तहत साई स्टार स्कूल ढालपुर ने जोकटा अकादमी के साथ मिलकर इंटीग्रेटेड फाउंडेशन प्रोग्राम शुरू किया है। यह हिमाचल प्रदेश का पहला स्कूल बन गया है, जहां कक्षा 6वीं से विद्यार्थियों को आईएएस, एचएएस, नीट और आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थित तैयारी कराई जाएगी। यह पहल केवल शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है। जोकटा अकादमी के प्रबंध निदेशक सुरेश जोकटा ने इसे हिमाचल की शिक्षा व्यवस्था में 'गेम चेंजर' बताया। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों की बुनियाद मजबूत होगी और वे कम उम्र से ही बड़े लक्ष्य निर्धारित कर सकेंगे। साई स्टार स्कूल शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों की लगातार मेरिट सूची में जगह, और राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले छात्र आर्यन ने स्कूल का नाम रोशन किया है। इस पहल के तहत आईआईटी बॉम्बे के विशेषज्ञों के सहयोग से विज्ञान और गणित की विशेष कोचिंग भी स्कूल परिसर में ही उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जोकटा अकादमी के प्रबंध निदेशक सहित साई स्कूल के पदाधिकारी व अन्य। अनंत ज्ञान

इससे विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय मार्गदर्शन अपने ही क्षेत्र में मिलेगा और उन्हें बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। साई स्टार स्कूल के चेयरमैन नीलेश गौतम और प्रधानाचार्य अंजना ठाकुर ने बताया कि छात्रवृत्ति परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग, जबकि द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वालों को विशेष छूट दी जाएगी। जोकटा अकादमी के चंडीगढ़, शिमला, धर्मशाला और मंडी में कोचिंग सेंटर हैं, लेकिन साई स्टार स्कूल हिमाचल का पहला ऐसा स्कूल है जिसने इस साझेदारी के माध्यम से छात्रों को छठी से 12वीं कक्षा तक उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त किया है। इस पहल को प्रदेश के लिए प्रेरणादायक और शिक्षा क्षेत्र में मील का पत्थर माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बास्केटबॉल स्टेट चैंपियनशिप के लिए हुए ट्रायल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू जिला मुख्यालय में रविवार को बास्केटबॉल स्टेट चैंपियनशिप के लिए ट्रायल रखे गए थे। इसमें लगभग 30 से 35 पुरुष और महिलाओं ने ट्रायल में भाग लिया। इसमें पुरुष वर्ग और महिला वर्ग में 24 खिलाड़ियों का चयन किया गया। पुरुष वर्ग में विशाल, तिलक राज, शिवांश, शुभम, वरुण, रोहित, अक्षित, कार्तिक,विकास, ऋषभ, प्रकाश, कैलाश और महिला वर्ग में सुवर्णा, कुमकुम, अनन्या, इशिका, नामग्याल, अश्मिता, शिवांगी, जोया, दीपिका, कामाख्या, हिमानी, कल्पना का चयन किया गया है कल 23 मार्च से 1 अप्रैल तक कैंप आयोजित किया जाएगा। कैंप पंकज कुमार और भूपी ठाकुर ओर साथ में मंजुला गुलेरिया मालपा की देख रेख में कैंप आयोजित किया जाएगा। कुल्लू जिले के अध्यक्ष मनीष शर्मा व सेक्रेटरी करुण विराग महंत ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी।

गोवंश प्रकोष्ठ के सभी मंडल संयोजकों की नियुक्ति

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। प्रदेश व जिले के शीर्ष नेतृत्व व मंडल अध्यक्षों से चर्चा के उपरांत गोवंश प्रकोष्ठ में कुल्लू जिले के सभी मंडल संयोजकों की नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागु की गई है। सचिन सूद कुल्लू जिला संयोजक गोवंश प्रकोष्ठ ने बताया कि प्रकाश, मनाली, नग्गर से जगदीश ठाकुर, कुल्लू से हुकमी देवी, भुंतर से टेक सिंह, पार्वती से राम राज, बजौरा से दीवान चंद शर्मा, सैंज से फते राम, मंगलौर से गंगाधर शर्मा, बंजार से हेत राम, आनी से पूर्ण चंद, दलाश से टेक सिंह, निरमंड से हरदत शर्मा को गोवंश प्रकोष्ठ मंडल संयोजक नियुक्त किया गया है।

आत्मनिर्भर हिमाचल की दिशा में बजट : चेतन

अनंत ज्ञान, आनी। एचपीएमसी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर चेतन चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में प्रस्तुत हिमाचल प्रदेश का बजट 2026-27 राज्य को आत्मनिर्भर व समृद्ध बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल के रूप में सामने आया है। इस बजट में शिक्षा, कृषि, रोजगार व सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देकर संतुलित विकास का रोडमैप तैयार किया गया है। शिक्षा क्षेत्र के लिए 9,668 करोड़ का रिकॉर्ड प्रावधान सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। वहीं कृषि में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, मक्की व ऑर्गेनिक गेहूं पर एएसपी, तथा हिमालयन हल्दी के दाम 80 से बढ़ाकर 150 प्रति किलो करना किसानों के हित में अहम कदम हैं। फार्मर कमीशन के गठन से भी कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद है। रोजगार के मोर्चे पर 1178 स्वास्थ्य पद, 389 असिस्टेंट प्रोफेसर, 1000 कांस्टेबल, 645 पटवारी और अन्य पदों पर भर्तियां युवाओं के लिए नए अवसर खोलेंगी। सामाजिक योजनाओं के तहत 1 लाख बीपीएल परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली, महिलाओं को 1500 सहायता और बेटियों के विवाह हेतु 51,000 की मदद का प्रावधान किया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए वन क्षेत्र बढ़ाने का लक्ष्य व इको-टूरिज्म, हेलिपोर्ट तथा इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी जैसी योजनाएं राज्य को हरित और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यह बजट केवल वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि नए हिमाचल के निर्माण का एक सशक्त विजन प्रस्तुत करता है।

देव मिलन व पारंपरिक नाटी से महकी ऊझी घाटी

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। जिला कुल्लू की ऊझी घाटी के ऐतिहासिक गांव सरसई में नव संवत के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय पारंपरिक 'जवाड़ी मेला' हर्षोल्लास व भक्तिपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। मेले के अंतिम दिन घाटी देवमयी हो गई। भव्य रथों में विराजमान क्षेत्र के विभिन्न शक्तिपीठों से आए देवी-देवताओं लरांकेलो महादेव, माता नीलासुरी हरिपुर, वासुकी नाग, पियुली नाग, माता कोटली, देवता जगथम ऋषि पनगां, माता खंडासनी भाड़का और माता शरवरी शुरू ने सैकड़ों श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। देव वाद्य यंत्रों की थाप पर हुए देव नृत्य और पारंपरिक कुल्लवी नाटी ने जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। समापन समारोह में पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष (मनाली) चमन कपूर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि हिमाचल की असली पहचान यहां की समृद्ध देव संस्कृति और सदियों पुराने रीति-रिवाज हैं। उन्होंने पारंपरिक मेलों को जड़ों से जोड़ने और भाईचारे को बढ़ावा देने वाला बताया। मेला कमेटी के अध्यक्ष अनिल भारद्वाज, पूर्व प्रधान देवेंद्र और अन्य सदस्यों ने जानकारी साझा की कि तीन दिन के इस उत्सव में कबड्डी, वॉलीबॉल जैसी खेल प्रतियोगिताओं के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मेले के पहले दिन युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष रोहित महाजन मुख्य अतिथि रहे, जबकि दूसरे दिन समाजसेवी वीर सिंह और कमल वैद्य ने भाग लिया। रांगड़ी क्षेत्र में अंतिम दिन तीन प्रमुख देवताओं का भव्य मिलन मेले की शोभा में चार चांद लगाता है।

रतन लाल पुन बने मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाली एकता समाज के अध्यक्ष

मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाली एकता समाज के सम्मेलन में गणमान्य लोग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

मनाली। रतन लाल पुन को मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाली एकता समाज का अध्यक्ष बनाया गया है।

7वें सम्मेलन के आयोजन में एकता समाज की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें रतन लाल पुन को सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया। कमला शाही को उपाध्यक्ष, तिलक सिंजापती सचिव, कुमार लामा सह सचिव, विष्णु शर्मा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इस कार्यकारिणी में कुल 51 सदस्यों को शामिल किया गया है। यह कार्यकारिणी मनाली सहित लाहौल में रहने वाले नेपाल मूल के लोगों की समस्याओं का समाधान करेगी। सात साल पहले मनाली में गठित हुए मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाली एकता समाज के संस्थापक सायला लामा के निधन पर शोक जताया। सभी लोगों ने सायला लामा द्वारा किए गए कार्यों को सराहा। एकता समाज के प्रदेश सचिव भुवन केसी ने बताया कि कुल्लू मनाली व लाहौल में रह रहे नेपाली मूल के लोगों की मदद करने व उनकी समस्याओं के समाधान करने को इस सकता समाज के संगठन का गठन किया है। उन्होंने नई कार्यकारिणी की बधाई दी। नव नियुक्त अध्यक्ष रतन लाल पुन ने कहा कि कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ मिलकर संगठन को मजबूत किया जाएगा व नेपाली मूल के लोगों की समस्याओं को दूर किया जाएगा। मुख्यातिथि पहुंचे एसडीएम रमण कुमार शर्मा व डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी ओर संगठन के लोगों की यथासंभव सहयोग करने की बात कहीं। इस दौरान संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष प्रेम पोडेल, केंद्रीय सचिव कुल बहादुर विशेष तौर पर मौजूद रहे।

मलाणा के बुजुर्ग ईश्वरीय सीख का जीवंत उदाहरण कर रहे पेश

'पराणी नी छोडणी, नउईं नी लाणी ' : ऋषि जमलू की सीख व अनजाने में रची जा रही कर्म-भक्ति

अनंत ज्ञान

मोहन कपूर, पतलीकूहल। जिला कुल्लू के मलाणा की इस माटी में एक कहावत सदियों से गूंजती है 'म्हारे देऊ देवते भी बोला सी भाला, पराणी नी छोडणी नउईं नी लाणी'। इसका अर्थ है कि हमारे देवी-देवताओं ने सिखाया है कि अपनी जड़ों व पुरानी परंपराओं को कभी छोड़ना नहीं और बिना परखे नई रीतियों को अपनाना नहीं, जहां देश-प्रदेश आधुनिकता की भागदौड़ में डूबता जा रहा है।

अनंत ज्ञान स्पैशल

वहीं, आज के दौर में भी मलाणा के बुजुर्ग ऋषि जमलू के देउघर (मंदिर) के प्रांगण में बैठकर इसी ईश्वरीय सीख का जीवंत उदाहरण पेश कर रहे हैं। जिस स्थान पर ये बुजुर्ग बैठकर ऊन कात रहे हैं, वह कोई साधारण स्थान नहीं है। ऋषि जमलू के मंदिर की नक्काशीदार लकड़ी के खंभे व बारीक उकेरी गई आकृतियां सदियों पुरानी 'काठ-कुणी' शैली की गवाह हैं। देव-भवन की उन चौखटों पर की गई सूक्ष्म नक्काशी के बीच बैठकर तकली घुमाना, मानो कला व कर्म का एक संगम है। उन पुराने लकड़ी के शहतीरों व पत्थरों की दीवारों के साये में कताई करना, इस बात का प्रमाण है कि यहां वक्त ठहर सा गया है। बुजुर्ग शायद खुद भी यह नहीं जानते कि वे अपनी उंगलियों से न केवल धागा बना रहे हैं, बल्कि उस महान विरासत को भी थामे हुए हैं जो उनके देवताओं ने उन्हें सौंपी है।

मलाणा के बुजुर्ग ऊन कातते हुए। अनंत ज्ञान

कर्म जो इबादत बन गया

उनके लिए हाथ में 'तकली' लेकर ऊन कातना महज एक दैनिक कार्य है, लेकिन असल में यह एक गहरी साधना है। वे किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि अपनी मर्यादा में रहकर काम करते हैं। मंदिर के आंगन में बैठकर किया गया उनका यह श्रम ही ऋषि जमलू के प्रति उनकी सबसे बड़ी भेंट है, जैसा कि आस्तिक कहते हैं, ईश्वर हर कण में विद्यमान है। इन बुजुर्गों के लिए उनकी तकली का हर घुमाव उस परमात्मा की याद है। भले ही वे इसे 'भक्ति' का नाम न दें, पर श्रद्धा के साथ किया गया हर कर्म साक्षात ईश्वर की सेवा ही है।

परंपरा की अटूट डोर

मानो तो देव, न मानो तो पाषाण। मलाणा के इन बुजुर्गों का जीवन ही उनकी सबसे बड़ी गवाही है। वे आधुनिकता के शोर से दूर, चुपचाप उन नक्काशीदार खंभों के बीच बैठकर अपनी तकली पर उस परंपरा को कात रहे हैं, जो उन्हें उनके पुरखों से मिली है। 'पुराना न छोड़ने' का उनका यह दृढ़ संकल्प ही है जिसने आज भी मलाणा को दुनिया के लिए एक 'आस्था का केंद्र' बनाए रखा है।

स्वावलंबन व मर्यादा का प्रतीक

मलाणा की संस्कृति का सबसे मजबूत स्तंभ है आत्मनिर्भरता। यहां पुरुष हो या महिला, हाथ कभी रुकते नहीं। अपनी भेड़ों की ऊन को खुद कातना व उसे बुनकर अपने वस्त्र तैयार करना उनकी जीवनशैली है। यहां की 'मलाणी टोपी' न केवल कुल्लू जिले के युवाओं की शान है, बल्कि पूरे विश्व में विख्यात है। ऋषि जमलू के देउघरों में इस टोपी का प्रचलन यह बताता है कि पहनावा केवल शरीर ढंकने के लिए नहीं, बल्कि अपनी मर्यादा और संस्कृति को सहेजने के लिए है।

परेशानी अगस्त 2024 से खराब सिस्टम, बार-बार शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं

आखिर कब मिलेगी बिजली की आंख मिचौनी से राहत

अनंत ज्ञान

तीर्थन। जिला कुल्लू के उपमंडल बंजार की दूरदराज ग्राम पंचायत मशियार के अंतर्गत आने वाले गांव कमेडा, मंझली व मशियार पिछले तीन दिनों से बिजली की आंख-मिचौली से जूझ रहे हैं। यहां के ग्रामीणों को लगातार बिजली कटौती व लो वोल्टेज की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिससे दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव मंझली में लगा ट्रांसफार्मर अगस्त 2024 से ही खराब चल रहा है। उस समय से यह ट्रांसफार्मर केवल दो फेज पर ही चल रहा है, जबकि इस पर लोड काफी अधिक है। इसी ट्रांसफार्मर से एक निजी मोबाइल कंपनी एयरटेल के टावर को भी बिजली दी जा रही है, जिससे समस्या और गंभीर हो गई है। तीनों गांवों में कुल मिलाकर लगभग 100 से भी अधिक मकान हैं, जिनका पूरा भार इसी एक ट्रांसफार्मर पर है, लेकिन इसकी क्षमता इतनी नहीं है कि वह इतना अधिक लोड सह सके। यही कारण है कि बार-बार बिजली गुल हो जाती है और लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। इस लो वोल्टेज की समस्या के कारण ग्रामीणों के घरों में जरूरी उपकरण भी नहीं चल पा रहे हैं। खासकर मथानी (दूध से घी बनाने की मशीन) व अन्य घरेलू उपकरण ठप पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक व घरेलू दोनों तरह की परेशानी हो रही है। स्थानीय ग्रामीणों प्रकाश ठाकुर, पूर्व उपप्रधान मशियार, लाल चंद कारदार, हेत राम, हीरा लाल, अमर भारती, दिलीप सिंह, गोपाल कृष्ण, दरबारी लाल, धर्म चंद, उत्तम राम, राम कृष्ण व डूर सिंह आदि का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को लिखित रूप से, मौखिक रूप से कई बार अवगत करवाया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई महीनों से केवल खराब ट्रांसफार्मर की मरम्मत करके काम चलाया जा रहा है, जबकि यहां नया व अधिक क्षमता वाला ट्रांसफार्मर लगाना बेहद जरूरी है।

तीर्थन घाटी की मशियार पंचायत। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

इस संबंध में बिजली विभाग उपमंडल बंजार के सहायक अभियंता शशिकांत ने बताया कि यह मामला उनके ध्यान में है और यहां के लिए अब नए ट्रांसफार्मर की व्यवस्थाकर ली गई है। इन्होंने कहा कि जल्द ही दो-तीन दिन के अंदर मशियार में उच्च क्षमता वाला नया टांसफार्मर लगा दिया जाएगा। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी कई बार ऐसे आश्वासन दिए गए हैं, लेकिन समस्या का समाधान अब तक नहीं हो पाया है, ऐसे में अब ग्रामीण जल्द से जल्द स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें इस लगातार चल रही बिजली समस्या से राहत मिल सके।

पतलीकूहल बाजार की सड़कें फिर हुई तालाब, झेलनी पड़ रही दिक्कत

अनंत ज्ञान

मोहन कपूर, पतलीकूहल। पतलीकूहल बाजार में बारिश होते ही हालात एक बार फिर खराब हो गए हैं, जैसे ही बारिश की बूंदें गिरती हैं, बाजार की निकासी नालियों का सारा पानी सड़कों पर बहने लगता है। स्थिति यह है कि पूरी सड़क पानी से लबालब हो गई है, जिससे राहगीरों का पैदल चलना व वाहन चालकों का गुजरना दूभर हो गया है।

सड़क पर बहते इस गंदे पानी का मुख्य कारण लोगों द्वारा फैलाई जा रही गंदगी है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, फिश फार्म से निकलने वाली नहर के पानी में लोग धड़ल्ले से प्लास्टिक की बोतलें, पुराने कपड़े व कूड़ा-कचरा फेंक रहे हैं। यही कचरा पतलीकूहल चौक के पास बनी मुख्य निकासी नाली में फंस जाता है, जिससे पानी का बहाव रुक जाता है और वह सड़कों पर फैलने लगता है। सड़क पर बहता पानी केवल आवाजाही में ही बाधा नहीं डाल रहा, बल्कि इससे उठने वाली असहनीय बदबू ने दुकानदारों व ग्राहकों का जीना मुहाल कर दिया है। गंदगी व सड़न के कारण पूरे बाजार में संक्रमण फैलने का खतरा भी बना हुआ है। लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता अनूप शर्मा ने बताया कि विभाग समय-समय पर चौक के नीचे से गुजरने वाली नहर की सफाई करवाता रहता है, लेकिन नहर में लगातार फेंके जा रहे कचरे के कारण यह समस्या बार-बार उत्पन्न हो रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभाग जल्द ही इस समस्या का कोई स्थायी समाधान निकालेगा, ताकि जनता को इस परेशानी से हमेशा के लिए निजात मिल सके।

माता शूलिनी मंदिर में दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना

◆ धूप खिलने से बढ़ी श्रद्धालुओं की संख्या मंदिर के बाहर लगी लंबी कतारें

अनंत ज्ञान

शूलिनी माता के दर्शन के लिए लगी श्रद्धालुओं की कतारें। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, सोलन। सोलन के प्रसिद्ध माता शूलिनी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह धूप खिलने और मौसम साफ होने के कारण दर्शन के लिए लंबी कतारें लगीं, जिसमें महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह से ही माता के दरबार में भक्तों की भीड़ लगी रही। मंदिर के बाहर सुबह के समय लंबी कतार लगी रही।

भक्तों ने माता कूष्मांडा की पूजा-अर्चना करते हुए चौथे दिन के नवरात्रे पढ़े और माता को भोग लगाया। नवरात्रि भजन कीर्तन में आम जन भी शामिल होने लगे है। धार्मिक पुस्तकों के अनुसार जो माता कूष्मांडा की पूजा-अर्चना करता है उसके सभी रोग दोष नष्ट हो जाते है और यश, बल और धन की प्राप्ति होती है। मां कूष्मांडा को अष्टभुजी देवी कहा जाता है। हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का पर्व अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की आराधना का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों में मां कूष्मांडा को आदिशक्ति और सृष्टि की मूल ऊर्जा का स्वरूप माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां कूष्मांडा की पूजा करने से भक्त को उत्तम स्वास्थ्य, रोगों से मुक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यदि आप भी मां का आशीर्वाद अपने प्रियजनों तक पहुंचाना चाहते हैं, तो चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन शुभकामनाएं संदेश भेजें, जिससे उनके जीवन में सुख, शांति और अच्छी सेहत बनी रहे।

राजगढ़ के माटल-बखोग में मिला पाकिस्तान का गुब्बारा, मचा हड़कंप

अनंत ज्ञान

गुब्बारा दिखाते ग्रामीण। अनंत ज्ञान

राजगढ़। जिला सिरमौर के राजगढ़ उपमंडल की ग्राम पंचायत माटल-बखोग के बखोग गांव में उस समय हड़कंप की स्थिति बन गई, जब खेतों के पास 'पाकिस्तान' और 'पीआईए' लिखा एक गुब्बारा मिला। यह गुब्बारा सुबह के समय ग्रामीण लोकेंद्र ठाकुर को दिखाई दिया, जब वह अपने खेतों की ओर जा रहे थे। जमीन पर पड़े इस गुब्बारे को देखकर उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद गांव में चर्चा और आशंका का माहौल बन गया।

ग्रामीणों को गुब्बारे पर बने निशानों से संदेह हुआ, जिसके चलते लोकेंद्र ठाकुर ने बिना देर किए राजगढ़ प्रशासन और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और लोगों को शांत रहने का आश्वासन दिया।

जांच के बाद डीएसपी विद्याचंद नेगी ने स्पष्ट किया कि यह कोई संदिग्ध वस्तु नहीं है, बल्कि एक साधारण खिलौना गुब्बारा है, जिस पर किसी व्यक्ति द्वारा पाकिस्तान से जुड़े रंग बनाकर 'पीआईए' लिखा गया है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

न्यूज ब्रीफ

बजट कटौती व वेतन स्थगन से कर्मचारी नाराज : शैलेंद्र

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन में भाजपा के शहरी मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने प्रदेश सरकार के ₹54,928 करोड़ के बजट की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में ₹3,586 करोड़ की कटौती प्रदेश की कमजोर आर्थिक स्थिति को दर्शाती है और विकास कार्यों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। गुप्ता ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतन का हिस्सा छह माह तक स्थगित करना उनके मनोबल को तोड़ने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरकार की आर्थिक विफलता को उजागर करता है। आउटसोर्स कर्मचारियों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ₹13,750 मासिक वेतन वर्तमान महंगाई में अपर्याप्त है और उनके लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। उन्होंने सरकार पर दिखावटी कदम उठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि छोटे मानदेय बढ़ाकर जनता को भ्रमित किया जा रहा है, जबकि राज्य पर कर्ज और देनदारियां लगातार बढ़ रही हैं।

बजट संतुलित, हर वर्ग और हर कर्मचारी के हित में

अनंत ज्ञान, सराहां। राजेश्वरी शर्मा महासचिव प्रदेश महिला कांग्रेस पूर्व उपाध्यक्ष जिला परिषद सिरमौर ने बजट पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश के लिए अपना चौथा बजट बहुत संतुलित और हर वर्ग और हर कर्मचारी के हित में प्रदेश को आत्मनिर्भर की ओर व्यवस्था परिवर्तन की और एक कदम है। किसान, पशुपालन, मछली पालन व छोटे कर्मचारियों को काफी राहत दी है। बेरोजगार के लिए भी रोजगार की घोषणा की है। आर्थिक दृष्टिकोण से आरडीजी बंद हो जाने से उत्पन्न संकट को देखते हुए मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व मंत्री और उच्च अधिकारीगण के वेतन मे कटौती कर साफ संदेश भी दिया कि आने वाले समय मे और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे, कुल मिलाकर बजट सराहनीय प्रयास है।

बजट ग्रामीण अर्थव्यवस्था और विकास पर केंद्रितः वरमानी

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुभाष वरमानी ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुक्खू द्वारा पेश वर्ष 2026-27 का बजट सराहा। उन्होंने कहा कि आर्थिक चुनौतियों के बीच यह बजट प्रदेश के समग्र विकास, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और जनकल्याण को नई दिशा देने वाला है। वरमानी ने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद बजट में किसानों, युवाओं, महिलाओं और कमजोर वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। ग्रामीण विकास, स्वावलंबन और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है। कृषि, बागवानी, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रावधान किसानों और पशुपालकों के लिए लाभकारी होंगे। विशेष रूप से गाय के दूध के 61 रुपए और भैंस के दूध के 71 रुपए प्रति लीटर खरीद मूल्य से डेयरी क्षेत्र में मजबूती आएगी। वरमानी ने कहा कि पर्यटन विकास, धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण और स्लो टूरिज्म को बढ़ावा देने की पहल से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

सुक्खू का बजट हिमाचल की 'आर्थिक हत्या': अरुष

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अरुष गुप्ता ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के बजट की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह बजट 'व्यवस्था परिवर्तन' नहीं, बल्कि हिमाचल की आर्थिक हत्या का दस्तावेज है। अरुष ने कहा कि बजट में ₹3,500 करोड़ से अधिक की कटौती से विकास के पहिए थम गए हैं और केवल मुख्यमंत्री के चहेतों के फायदे सुनिश्चित हो रहे हैं। वे इसे कांग्रेस सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन का 'डेथ वारंट' करार देते हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का वेतन स्थगित करना हिमाचल के इतिहास का सबसे काला अध्याय है और सरकार को चाहिए कि अगर काम चलाने की हिम्मत नहीं है तो कुर्सी छोड़ दें, लेकिन जनता और कर्मचारियों के हक पर कोई डाका न डाले।

सोलन में स्नूकर टूर्नामेंट में जुटे 44 खिलाड़ी

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलानाइट स्नूकर अकादमी, सोलन द्वारा आयोजित 'सीजन-3, 6 रेड एमेच्योर स्नूकर टूर्नामेंट' का रविवार को समापन हुआ। हिमाचल प्रदेश के 44 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजक करण शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने और प्रतिभा दिखाने का मंच देती है। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में विजेता को 15,000 रुपये, उपविजेता को 7,500 रुपये और सेमीफाइनलिस्ट को 2,500 रुपए का पुरस्कार मिला। 35 या अधिक का ब्रेक लगाने वाले खिलाड़ी को 2,500 रुपये का विशेष पुरस्कार भी दिया गया। करण शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित हुई और भविष्य में भी ऐसे आयोजन किए जाएंगे। इस टूर्नामेंट ने सोलन में खेल गतिविधियों को नई ऊर्जा दी और युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाया।

अभिषेक ने ऑल इंडिया जूडो में जीता स्वर्ण

अनंत ज्ञान, सोलन। राजकीय महाविद्यालय सोलन के बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र अभिषेक डोगरा ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर महाविद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 18 से 22 मार्च 2026 तक चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित हुई। अभिषेक ने फाइनल में मुंबई की अमरावती यूनिवर्सिटी के खिलाड़ी सागर को हराया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मनीषा कोहली और प्राध्यापकों ने उन्हें बधाई दी। शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक प्रो. रवि राम ने बताया कि अभिषेक ने पहले नॉर्थ ज़ोन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया और अब उनका चयन प्रतिष्ठित खेलो इंडिया प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है।

सोलन में बदहाल वर्षाशालिकाओं की कोई नहीं ले रहा सुध

धूप-बारिश में स्थिति में लोगों को झेलनी पड़ती है परेशानी

अनंत ज्ञान

जंग खा चुकी वर्षा शालिका की छत। अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। शहर में आमजन और यात्रियों की सुविधा के लिए बनाई गई वर्षा शालिकाएं बदहाली के आंसू बहा रही है। पुराने बस अड्डे और बाईपास सहित शहर में मुख्य क्षेत्रों में वर्षाशालिकाएं रखरखाव जर्जर हो चुकी है। जिसके चलते यात्रियों को इनका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा।

वर्षा शालिकाओं की न तो पीडब्ल्यूडी न ही नगर निगम सुध लेने को तैयार है। बाईपास सपरून में लम्बे अरसे से वर्षा शालिका रखरखाव के अभाव में इसकी छत्त जंग खा रही है। साथ ही यहां पर साफ़ सफाई के भी पुख्ता इंतजाम नहीं होने से यात्रियों को खड़े होकर बस इत्यादि का इंतजार करना पड़ता है। बस स्टॉपेज शिफ्ट होने से यात्रियों को करीब 50 मीटर दूर खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है। लोहे की संरचना में जंग लग चुका है और छत की चादरों में कई जगह छेद हो गए हैं, जिससे यह संरचना उपयोग के लायक नहीं रह गई है।

इसी तरह पुराने बस अड्डे के पास बनी वर्षा शालिका बस स्टॉप से काफी दूरी पर स्थित है। ऐसे में बस छूटने के डर से यात्री वहां बैठने के बजाय सड़क किनारे धूप में ही खड़े रहते हैं। शालिका के अंदर गंदगी फैली हुई है और दुर्गंध के कारण वहां बैठना भी मुश्किल हो गया है। इसके अलावा छत की चादरें कई स्थानों से टूट चुकी हैं, जिससे बारिश के दौरान पानी अंदर टपकता रहता है।

सबसे अधिक परेशानी सर्कुलर रोड पर राजगढ़ और सिरमौर की ओर जाने वाले यात्रियों को झेलनी पड़ रही है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग बसों का इंतजार करते हैं, लेकिन बैठने के लिए न तो बेंच की सुविधा है और न ही सिर पर छत। लंबे रूट की बसों के इंतजार में कई बार लोगों को काफी देर तक खुले आसमान के नीचे खड़ा रहना पड़ता है।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द इन वर्षा शालिकाओं की मरम्मत और सफाई करवाए। साथ ही बस स्टॉप के पास ही नई शालिकाएं बनाने और बैठने की उचित व्यवस्था करने की भी मांग उठाई गई है, ताकि यात्रियों को धूप और बारिश से राहत मिल सके।लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता सुरेंद्र ने कहा कि शहर में बनी वर्षा शालिकाओं की स्थिति को लेकर जानकारी मिली हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही मौके का निरीक्षण किया जाएंगे। आवश्यक मरम्मत और सफाई का कार्य करवाकर यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

राजगढ़ में कार को लगी आग

अनंत ज्ञान

राजगढ़। राजगढ़ के पुराने बस स्टैंड पर एक मारुति कार में अचानक आग लग गई, जिससे आसपास अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने समय रहते आग बुझाने का प्रयास किया और लपटों पर काबू पाया, वरना यह घटना आसपास खड़ी गाड़ियों और दुकानों के लिए भी खतरा बन सकती थी।

इस घटना ने राजगढ़ में फायर स्टेशन की लगातार कमी को फिर उजागर किया। क्षेत्र में अब तक न तो दमकल विभाग का कार्यालय है और न ही फायर ब्रिगेड वाहन उपलब्ध हैं। आगजनी की घटनाएं समय-समय पर होती रहती हैं, चाहे वह शॉर्ट सर्किट के कारण दुकानों में हो या ग्रामीण क्षेत्रों में घासणियों में। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले वर्षों में भाजपा और कांग्रेस के नेता फायर स्टेशन खोलने के वादे करते रहे हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। रविवार की आग ने क्षेत्र में फायर स्टेशन की मांग को फिर तेज कर दिया। लोगों ने सरकार और प्रशासन से अपील की है कि जल्द ही राजगढ़ में दमकल विभाग का कार्यालय और फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को समय रहते रोका जा सके।

हिमाचल का बजट जनविरोधी : रीना

अनंत ज्ञान

राजगढ़। पच्छाद विधानसभा की विधायक रीना कश्यप ने प्रदेश सरकार के बजट को जनविरोधी, दिशाहीन और आर्थिक विफलता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में यह कम बजट प्रदेश की सिकुड़ती अर्थव्यवस्था को दर्शाता है और कर्मचारियों का वेतन स्थगित करना चिंताजनक संकेत है।

कश्यप ने आरोप लगाया कि सरकार की घोषणाएं केवल कागज तक सीमित हैं और पिछले तीन वर्षों में कोई बड़ा वादा पूरा नहीं हुआ। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य और अन्य योजनाओं का वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा, जबकि प्रदेश लगातार कर्ज के बोझ में दबा है। विधायक ने कहा कि विकास के नाम पर प्रचार किया जा रहा है, लेकिन वास्तविक स्थिति विपरीत है। वित्तीय अनुशासन के नाम पर कर्मचारियों और अधिकारियों का वेतन रोकना सरकार की नीतिगत असफलता का उदाहरण है। महिलाओं और युवाओं के लिए किए गए वादे भी जमीनी स्तर पर प्रभावहीन साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल कर्ज, कटौती और करों पर आधारित है, जो जनता पर अतिरिक्त बोझ डालेगा।

इंटरस्टेट नशा तस्कर को सेंट्रल जेल भेजा : पुलिस अधीक्षक

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय नशा तस्कर महमूद अली उर्फ बुलबुल को गिरफ्तार किया है। 18 मार्च को हिमाचल प्रदेश सरकार के निर्देशों के तहत एसटीएफ और पांवटा साहिब पुलिस की संयुक्त टीम ने उसे बातामंडी क्षेत्र से हिरासत में लिया।

आरोपी को विधिवत कार्रवाई के बाद सेंट्रल जेल नाहन भेज दिया गया है। एसपी एनएस नेगी ने बताया कि महमूद अली पहले से ही राजस्थान और हरियाणा में एनडीपीएस एक्ट के मामलों में शामिल रहा है। चित्तौड़गढ़ में उसके कब्जे से 1042.850 किलोग्राम चूरा पोस्त और जींद में 2.563 किलोग्राम अफीम बरामद की जा चुकी है। पुलिस के अनुसार आरोपी अंतरराज्यीय नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है और उसके खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

एसपी नेगी ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सिरमौर में नशे का कारोबार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की सूचना पुलिस को दें, सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

विधायक सुखराम की पहल : किसानों को राहत, आपदा से बचाव पर जोर

भाजपा मंडल अध्यक्ष हितेंद्र कुमार पत्रकार वार्ता करते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

नाहन। जिला सिरमौर के पांवटा साहिब क्षेत्र में बाढ़ और भारी बारिश से प्रभावित इलाकों में राहत कार्य तेज हो गए हैं। विधायक सुखराम चौधरी ने विधायक निधि से 55 लाख रुपए स्वीकृत कर विभिन्न पंचायतों में विकास और मरम्मत कार्य शुरू करवा दिए हैं।

भाजपा मंडल अध्यक्ष हितेंद्र कुमार ने बताया कि बाढ़ से किसानों की फसलें और उपजाऊ भूमि को भारी नुकसान हुआ है, जिसके मद्देनजर त्वरित राहत प्रदान की गई है। गिरी नदी की बाढ़ से क्षतिग्रस्त सिंचाई योजना की मरम्मत के लिए 40 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं।

इसके अलावा ग्राम पंचायत जामनीवाला के खारा खाला और कुंडियों के अजीवाला क्षेत्र में भूमि संरक्षण कार्यों के लिए 7.50-7.50 लाख रुपए की राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रभावित किसानों को राहत देने के साथ भविष्य में आपदा से बचाव के लिए भी महत्वपूर्ण है। साथ ही आश्वस्त किया कि क्षेत्र की जनता को किसी भी संकट में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

बद्दी में राज्य स्तरीय जल महोत्सव में बोले डिप्टी सीएम

सभी को शुद्ध पेयजल और हर खेत तक सिंचाई योग्य जल पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता

अनंत ज्ञान

समारोह को संबोधित करते उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री।

बीबीएन /सोलन। सोलन के बद्दी में विश्व जल दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय जल महोत्सव में उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि सभी को शुद्ध पेयजल और हर खेत तक सिंचाई योग्य जल पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की 24×7 मेहनत की सराहना करते हुए आशा जताई कि विभाग निरंतर काम करके प्रदेश के हर नागरिक तक जल सुनिश्चित करेगा।

उपमुख्यमंत्री ने दून और नालागढ़ विधानसभा क्षेत्रों में ट्यूबवेल स्थापित करने के लिए 2-2 करोड़ रुपए की घोषणा की। इनमें से 1-1 करोड़ रुपए जल शक्ति विभाग और 1-1 करोड़ रुपए बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ विकास प्राधिकरण द्वारा सुनिश्चित किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने इन क्षेत्रों में जल शक्ति विभाग के पदों को बढ़ाकर 50-50 करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि पूर्व में प्रत्येक क्षेत्र में 45-45 पद भरे गए थे। अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 500 ट्यूबवेल कार्यरत हैं और जल जीवन मिशन के तहत 6,000 करोड़ रुपए की योजनाओं को लागू किया गया है। केंद्र सरकार के समक्ष 1,227 करोड़ रुपए लंबित हैं। भविष्य में शुद्ध जल उपलब्ध कराने के लिए 2,000 करोड़ रुपए की नई योजना तैयार की जा रही है, जिसमें भू-जल रिचार्ज, रीमॉडलिंग और जल संरक्षण की विशेष पहल शामिल होगी। उन्होंने जल महोत्सव में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को 'नीर नारी सम्मान' और जल शक्ति विभाग केकर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

इस अवसर पर दून विधायक राम कुमार चौधरी और नालागढ़ विधायक हरदीप सिंह बावा ने विधानसभा क्षेत्रों में जलापूर्ति, बस सेवा विस्तार और आवश्यक विकास परियोजनाओं की मांग रखी। प्रदेश जल प्रबंधन बोर्ड के उपाध्यक्ष शशि शर्मा और जल शक्ति विभाग की इंजीनियर-इन-चीफ अंजू शर्मा ने विभागीय योजनाओं और जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की जानकारी साझा की। जल महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ, जिसमें जल संरक्षण और स्थानीय जल संसाधनों के महत्व को प्रदर्शित किया गया। उपमुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि जल संरक्षण और सतत् जल प्रबंधन के प्रयासों को समर्थन दें और हर ग्राम पंचायत तक शुद्ध जल पहुंचाने में योगदान करें।

वेतन रोककर सरकार चला रही सुक्खू सरकार : रोहित भारद्वाज

अनंत ज्ञान, सोलन। भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित भारद्वाज ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत 54,2 28 करोड़ का बजट प्रदेश की

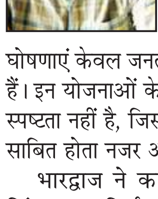

आर्थिक बदहाली और सरकार की विफल नीतियों को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को ₹1500 पेंशन और गरीब परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी घोषणाएं केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास हैं। इन योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है, जिससे यह बजट केवल कागजी साबित होता नजर आ रहा है।

भारद्वाज ने कहा कि सबसे गंभीर और चिंताजनक निर्णय मुख्यमंत्री से लेकर ग्रुप-बी कर्मचारियों तक के वेतन को 6 माह तक स्थगित करना है, जो यह दर्शाता है कि सरकार के पास वित्तीय संसाधनों का भारी संकट है। प्रदेश का युवा रोजगार, स्टार्टअप और अवसर की उम्मीद कर रहा था, लेकिन इस बजट में युवाओं के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। भारतीय जनता युवा मोर्चा इस युवा विरोधी और दिशाहीन बजट का कड़ा विरोध करता है और प्रदेश के युवाओं के हितों के लिए संघर्ष जारी रखेगा।

सुक्खू बजट प्रदेश के इतिहास का सबसे निराश और दिशाहीन बजट : ओम आर्य

अनंत ज्ञान

सोलन। कसौली विधानसभा क्षेत्र से युवा भाजपा नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी ओम आर्य ने मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026 के बजट पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने बजट को हिमाचल प्रदेश को पीछे ले जाने वाला बैक गियर बजट करार दिया। कहा कि हिमाचल प्रदेश के इतिहास का अब तक का सबसे उबाऊ, निराश और दिशाहीन बजट है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के इतिहास में ऐसा बजट कभी प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में हजारों करोड़ रुपए की कटौती कर दी गई हो। लगभग 4000 करोड़ की कटौती का सीधा असर प्रदेश की विकासात्मक योजनाओं पर पड़ेगा और हर क्षेत्र में विकास कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों जैसे मत्स्य पालन, कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि के बजट को केवल केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रावधानों से जोड़कर किताब मोटी करने का काम किया है, जबकि वास्तविक राज्य स्तरीय पहल नगण्य है।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से कांग्रेस सरकार केंद्र की मोदी सरकार को कोसने में लगी रही है और चौथे बजट की शुरुआत भी उसी मानसिकता के साथ की गई, जबकि सच्चाई यह है कि हिमाचल में चल रही अधिकांश योजनाएं केंद्र प्रायोजित हैं और प्रदेश का विकास केंद्र सरकार के सहयोग से ही आगे बढ़ रहा है।

ओम ने कांग्रेस की 2022 की गारंटीयों को सबसे बड़े झूठ को बताते हुए कहा कि सरकार इन वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट में 1 लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया गया था, लेकिन आज तक एक भी नौकरी नहीं दी गई।

समारोह | नौवें दीक्षांत समारोह में पीएचडी सहित मेधावी छात्रों का सम्मान

शूलिनी विवि में 1172 स्टूडेंट्स को बांटी डिग्रियां

अनंत ज्ञान

डिग्रियों के साथ स्टूडेंट्स। अनंत ज्ञान

सोलन। सोलन स्थित शूलिनी विश्वविद्यालय ने अपने नौवें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया, जिसमें कुल 1,172 छात्रों को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें 1,087 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र तथा 85 पीएचडी शोधार्थी शामिल रहे। समारोह विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध उपलब्धियों का प्रतीक बना। कार्यक्रम में डॉ. अनिल सहस्त्रबुद्धे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में कुंवर शेखर विजेंद्र और डॉ. राजन वेलुकर ने भी छात्रों को प्रेरित किया।

उन्होंने स्नातकों को जीवन में निरंतर सीखते रहने, मूल्यों पर टिके रहने और व्यक्तिगत सफलता को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने की प्रेरणा दी। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. पीके खोसला और कुलपति प्रो. अतुल खोसला ने की। कुल 569 छात्रों को स्नातक और 518 को स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। इसके अलावा, 85 शोधार्थियों को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 30 पदक विजेताओं और 23 योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी और डॉ. मदन पदाकी ने भी अपने विचार साझा किए।

दीक्षांत समारोह के दौरान वक्ताओं ने शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न मानते हुए इसे जीवनभर की प्रक्रिया बताया। कुलपति प्रो. अतुल खोसला ने विश्वविद्यालय की वैश्विक शोध पहचान और शैक्षणिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए छात्रों को साहस, ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। वहीं कुलाधिपति प्रो. पीके खोसला ने स्नातकों को विश्वविद्यालय का प्रतिनिधि बताते हुए उनसे बड़े सपने देखने और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया।

वक्ताओं ने छात्रों को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक शैक्षणिक जुलूस और डिग्री वितरण के साथ हुआ। अंत में डीन प्रो. निष्ठा आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों के योगदान की सराहना की।

अर्की नगर पंचायत प्रदेश में नंबर-1, उत्कृष्ट प्रदर्शन का मिला इनाम

अनंत ज्ञान, कृष्ण रघुवंशी, अर्की। नगर पंचायत अर्की ने आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए शहरी विभाग द्वारा निर्धारित विभिन्न मापदंडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता सभी शहरी क्षेत्रों में 19 मापदंडों में अलग अलग सेवाओं और सुविधाओं के लिए 75 अंकों की तीन श्रेणियों में आयोजित की गई।

इस प्रतियोगिता में नगर पंचायत श्रेणी में 61.5 अंक लेकर पूरे प्रदेश में अर्की को प्रथम स्थान प्राप्त हुए। पूर्व प्रधान नगर पंचायत अर्की अनुज गुप्ता ने कहा कि यह नगर पंचायत अर्की के कर्मचारियों की अथाह मेहनत एवं सभी सदस्यों के सहयोग का परिणाम है प्रदेश में तीन श्रेणियों में यह प्रतिस्पर्धा शहरी विभाग द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें शहरवासियों को इन सभी सेवाओं का लाभ नगर पंचायत द्वारा दिया जा रहा है जिससे नागरिकों को इसका फायदा मिल रहा है निश्चित तौर पर इस तरह की प्रतियोगिताओं से शहरी निकायों को अपनी स्थिति और बेहतर करने का मौका मिलता है। अर्की को प्रथम स्थान प्राप्त होने पर प्राप्त इनामी धनराशि से शहर में विकास कार्यों को नए आयाम मिलेंगे।

पाकिस्तान हैंडलर्स को सूचनाएं देने वाला एयरपोर्ट कर्मी किया गिरफ्तार

राजस्थान इंटेलिजेंस ने किया भंडाफोड़, असम एयरफोर्स स्टेशन से जासूसी नेटवर्क संचालित

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान इंटेलिजेंस ने असम के एयरफोर्स स्टेशन छबुआ से जासूसी के आरोप में एक सिविलकर्मी को गिरफ्तार कर एक सक्रिय एक बड़े जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया है। गिरफ्तार व्यक्ति पर भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान के हैंडलर्स तक पहुंचाने का आरोप है। रविवार को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक इंटेलीजेंस प्रफुल्ल कुमार ने यहां बताया कि इस पूरे मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ और अनुसंधान के दौरान एक अन्य संदिग्ध सुमित कुमार का नाम सामने आया, जो लगातार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपित सुमित कुमार (36) पुत्र बेनी माधव निवासी लाहुरपार प्रयागराज उत्तर प्रदेश निवासी वर्तमान में एयरफोर्स स्टेशन छबुआ, डिब्रूगढ़ असम में एमटीएस के पद पर कार्यरत था। वह अपने पद का दुरुपयोग करते हुए एयरफोर्स स्टेशन से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं एकत्रित करता और सोशल मीडिया के जरिए पाक हैंडलर्स तक पहुंचाता था।

प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने नई दिल्ली की एयरफोर्स इंटेलिजेंस के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपित को छबुआ से डिटेन किया और उसे पूछताछ के लिए जयपुर स्थित केंद्रीय पूछताछ केंद्र लाया गया। यहां विभिन्न खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपित वर्ष 2023 से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के संपर्क में था और धनराशि के बदले संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। उन्होंने बताया कि पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपित ने एयरफोर्स स्टेशन छबुआ के साथ-साथ एयरफोर्स स्टेशन नाल जिला बीकानेर सहित अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं हैं। इनमें लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय जानकारी भी शामिल है। इसके अलावा आरोपित अपने नाम से जारी मोबाइल नंबरों के जरिए पाकिस्तान के हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया पर अकाउंट बनवाने में भी मदद करता था।

उन्होंने बताया कि इस मामले में रविवार 22 मार्च को आरोपित के खिलाफ स्पेशल पुलिस स्टेशन, जयपुर में प्रकरण दर्ज किया और उसे गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई से देश में सक्रिय पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है और आगे की जांच जारी है।

बर्फबारी के बीच 'केदारनाथ धाम' में सुरक्षा कड़ी, शून्य से नीचे तापमान में मुस्तैद जवान

एजेंसी, रुद्रप्रयाग

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम में हालिया भारी बर्फबारी के बाद पूरी केदार घाटी बर्फ की मोटी चादर से ढक गई है, जिससे धाम का दृश्य अत्यंत मनोहारी हो गया है। शून्य से नीचे तापमान के बावजूद उत्तराखंड पुलिस और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार तैनात हैं।

सुरक्षा एजेंसियां बर्फबारी के बीच भी नियमित गश्त कर रही हैं और धाम परिसर की सुरक्षा को अभेद्य बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विषम परिस्थितियों के बावजूद जवान उच्च सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इसके साथ ही जवान अपने बैरकों और आसपास जमी बर्फ को स्वयं साफ कर कार्यप्रणाली को सुचारू बनाए हुए हैं, जिससे कठिन मौसम के बीच भी संचालन प्रभावित न हो। केदारनाथ धाम में तैनात यह संयुक्त सुरक्षा बल न केवल कानून व्यवस्था, बल्कि मौसम के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए भी हर समय तैयार है। जवानों का उच्च मनोबल 'मित्रता, सेवा और सुरक्षा' के ध्येय वाक्य को चरितार्थ कर रहा है। भारी बर्फबारी के इस दौर में भी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। प्रशासन के अनुसार, सुरक्षा बल हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड में हैं और धाम क्षेत्र में गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। (अनंत ज्ञान)

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी सोना व चांदी की घटी कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में कमजोरी का रुख लगातार जारी है। आज रविवार के कारोबार में हाजिर सोना 2,740 रुपए प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,930 रुपए प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी के भाव में आज 9,900 रुपए प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,970 रुपए प्रति से लेकर 1,46,120 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना 1,33,800 रुपए से लेकर 1,33,950 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,45,000 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में बड़ी कमजोरी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 13,690 रुपए प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 12,550 रुपए प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चांदी के भाव में भी पूरे सप्ताह के कारोबार में जबरदस्त दबाव बना रहा, जिसकी वजह से ये चमकीली धातु 30 हजार रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,46,120 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,950 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। (अनंत ज्ञान)

चार महीने में भारत शुरू करेगा घरेलू कार्बन ट्रेडिंग : मनोहर लाल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत अगले चार महीनों में घरेलू कार्बन बाजार में औपचारिक ट्रेडिंग शुरू करेगा। यह घोषणा केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने की। यह कदम देश के कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जलवायु संबंधी कार्यों के लिए आर्थिक ढांचा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण होगा।

भारत बिजली शिखर सम्मेलन 2026 के दौरान मंत्री ने कहा कि अगले चार महीने में देश में कार्बन बाजार में औपचारिक ट्रेडिंग शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इस योजना में भाग लेने के लिए सभी संबंधित पक्षों को पहले पंजीकरण कराना होगा। कार्बन बाजार उत्सर्जन को संतुलित करने का एक तंत्र होगा। जिन कंपनियों के पास कार्बन प्रमाणपत्र होंगे वो उन्हें बेच सकेंगे। जिनके पास नहीं होंगे वो खरीद सकेंगे, ताकि वे अपने दायित्वों को पूरा कर सकें। 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को देखते हुए जलवायु परिवर्तन पर तत्काल कदम उठाना आवश्यक है। भारत ने पेरिस समझौते के तहत 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। (अनंत ज्ञान)

490 संस्थाओं के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लक्ष्य तय

मनोहर लाल ने कहा कि 2026 से 490 संस्थाओं के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लक्ष्य तय किए गए हैं। उन्हें अपने कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए कदम उठाने होंगे। इस कार्बन बाजार से उन्हें लचीलापन और आर्थिक प्रोत्साहन मिलेगा। पहले से चल रही पैट योजना के जरिए लगभग 11 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है और ऊर्जा दक्षता में सुधार हुआ है। इसके अलावा देश में 20 करोड़ स्मार्ट मीटर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जो पूरी दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा।

अर्थव्यवस्था पर राहुल गांधी की समझ पर प्रश्नचिन्ह: शेखावत

एजेंसी, जोधपुर

◆ **केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने कांग्रेस नेता पर साधा निशाना**

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की कितनी समझ है, इस पर ही प्रश्नचिह्न लगा हुआ है। केंद्रीय मंत्री शेखावत रविवार को अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान जब केंद्रीय मंत्री से राहुल गांधी के रुपया के डॉलर के मुकाबले कमजोर होने और महंगाई बढने से जुड़े ट्वीट के विषय में पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि जिस तरह की परिस्थितियां हैं। ग्लोबल सिनेरियो है। अभी जिस तरह का जिओ टर्बुलेंस विश्व में है। जिस तरह की उथल-पुथल वर्तमान परिस्थिति में मिडिल ईस्ट युद्ध से बनी है। सोना की कीमतें लगातार कम हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि थोड़े से दिन पहले राहुल गांधी सोने को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे थे। अभी रुपया को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। राहुल गांधी को पहले अपने गिरेबां में झांक करके देखना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में थोक महंगाई की दर दुनिया में सबसे कम है। राहुल गांधी के अदृश्य नेतृत्व में जब सरकार काम करती थी, जब वो कैबिनेट के फैसलों को फाड़कर फेंका करते थे। संवैधानिक व्यवस्थाओं का अपमान करते थे। उस 10 साल के कालखंड में सात साल महंगाई की दर डबल डिजिट में थी। शेखावत ने कहा कि जब डबल डिजिट वाले दो प्रतिशत की महंगाई पर प्रश्न चिन्ह खड़े करें, तब उनकी बुद्धिमता पर प्रश्नचिह्न जनता खड़ा करेगी। लोगों की समस्याएं सुनने से संबंधित सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि मुझमें विश्वास रखते हुए, मुझ पर भरोसा करके इतने सारे लोग अपने छोटे-बड़े विषयों को लेकर चर्चा करते हैं। यदि आप किसी मुकाम पर पहुंचने के बाद धरातल से जुड़े रहें तो लोग आपके साथ जुड़ते हैं। जब लोग आपके साथ में जुड़ते हैं, आपके पास आते हैं, आप उनके किसी विषय का समाधान करके उनको राहत प्रदान कर सकें, इससे उनके दिल को बहुत प्रसन्नता और सुकून मिलता है। (अनंत ज्ञान)

कंपनी ने प्रेग्नेंट कर्मचारी को नहीं दिया वर्क फ्रॉम होम, 200 करोड़ का देना पड़ेगा जुर्माना

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका में एक कंपनी पर 200 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया है। यह पैसे कंपनी को अपनी उस महिला कर्मचारी को देने होंगे, जिसे उसने वर्क फ्रॉम होम देने से मना कर दिया था। महिला गर्भवती थी और डॉक्टर ने हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के कारण उसे ज्यादा से ज्यादा आराम करने को कहा था। इस कारण महिला ने अपनी कंपनी से वर्क फ्रॉम होम मांगा था और कंपनी से इससे इनकार कर दिया था। बाद में महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया था व जन्म के कुछ ही घंटे बाद बच्ची की मौत हो गई थी। महिला ने कंपनी पर केस कर दिया था और अब कंपनी को जुर्माने के तौर पर 22.5 मिलियन डॉलर चुकाने पड़ेंगे। मामला फरवरी 2021 का है। चेल्सी वॉल्श अमेरिका के ओहायो राज्य में टोटल क्वालिटी लॉजिस्टिक्स में काम करती थीं। वह हाई रिस्क प्रेग्नेंसी में थीं व डॉक्टर की सलाह पर उन्होंने 15 फरवरी को कंपनी से वर्क फ्रॉम होम मांगा था। कंपनी ने इससे इनका करते हुए कहा कि वह या तो ऑफिस आकर काम करें या फिर बिना वेतन की छुट्टी पर चली जाएं। बिना वेतन की छुट्टी पर जाने का मतलब इनकम व हेल्थ कवरेज का नुकसान था और चेल्सी ऐसा नहीं चाहती थीं। 22 फरवरी को चेल्सी ने ऑफिस जाकर काम शुरू किया। 24 फरवरी को उन्हें लेबर पेन शुरू हो गया और इसके बाद उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया, जिसकी कुछ ही घंटों बाद मौत हो गई। यह एक प्रीमैच्योर डिलीवरी थी, जो 18 हफ्ते पहले हो गई थी। उन्होंने कंपनी पर मुकदमा कर दिया और उसे बच्ची की मौत का जिम्मेदार बताया। (अनंत ज्ञान)

दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता भारत : संजय वर्मा

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **कनाडाई पुलिस के बयान पर बोले पूर्व राजदूत**

कनाडा में भारत के पूर्व उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कनाडाई पुलिस के ताजा बयान पर खुशी जाहिर की है। आरसीएमपी के कमिश्नर माइक ड्यूहेम ने संकेत दिया है कि भारत के खिलाफ विदेशी दमन का कोई सबूत नहीं मिला है।

संजय वर्मा ने कहा कि वह इस बयान को देखकर बहुत खुश हैं। उन्हें उम्मीद है कि इससे दोनों देशों के बीच भविष्य के रिश्तों में सुधार आएगा। संजय वर्मा एक वरिष्ठ राजनयिक हैं। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में भारी गिरावट के बाद उन्हें नई दिल्ली ने वापस बुला लिया था। उस समय दोनों देशों के रिश्तों में काफी कड़वाहट आ गई थी। यह विवाद तब शुरू हुआ था जब कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों का हाथ होने का आरोप लगाया था। निज्जर को भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी घोषित किया हुआ था। एक इंटरव्यू में संजय वर्मा ने कहा कि किसी दूसरे देश के आंतरिक मामलों में दखल देना भारत की नीति कभी नहीं रही है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में दोनों देशों के रिश्ते फिर से पटरी पर लौट रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्नी ने हाल ही में 27 फरवरी से 2 मार्च तक भारत की आधिकारिक यात्रा भी की थी। संजय वर्मा ने समझाया कि पुलिस प्रमुख ने अब इन मुद्दों को दो अलग हिस्सों में बांट दिया है। पहला हिस्सा खालिस्तानी आतंकी की हत्या की जांच से जुड़ा है। इस मामले में चार भारतीय नागरिकों के खिलाफ अदालत में केस चल रहा है। ये चारों छात्र के रूप में कनाडा गए थे और वहां की गतिविधियों में शामिल हो गए। दूसरा हिस्सा कनाडा में भारत की भूमिका पर लगे आरोपों का है। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

वीडियो शूट के लिए सोलन की वादियों में पहुंची टीम

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। कांगड़े दी गोरी व रिश्ता तूं लैदे जैसे सुपरहिट गानों के गायक सुप्रसिद्ध सिंगर राकेश जसवाल ने पहली बार एक सूफी गीत की शूटिंग सोलन व नालागढ़ की लोकेशनों पर शूट की। उनका कहना है कि यह एक मधुर सूफी भजन है, जिसे तूंबे दी तार नाम दिया गया है। इस गीत से परमात्म सर्वविद्यमान है कि प्रेरणा नई पीढ़ी को मिलेगी। गीत को गाया है राकेश ने और इस गीत में दिक्षा व और आरजू ने अभिनय किया है। गीत के डीओपी विक्की नरियाल व कैमरा एक्सपर्ट अनिल जलोटिया हैं। गीतकार रमन वर्मा और कास्टिंग एट्थ प्वाइंट कास्टिंग ने की है। गौरतलब है कि गायक राकेश कांगड़ा के ही रहने वाले हैं, लेकिन उनकी कर्मभूमि नालागढ़ बन गई है। यह सूफी गीत बहुत जल्द जस्वाल रिकार्ड के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जाएगा।

हरियाणा के सभी जिलों में रेडक्रॉस खोलेगी लैब

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से जिला सेंटरों पर लैब खोली जाएंगी। रेडक्रॉस की ओर से पीपीपी मोड पर लैब का संचालन किया जाएगा और सीजीएचएस (केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना) रेट पर श्रमिकों, गरीब और आमजन के टेस्ट किए जाएंगे। यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाएगी, बल्कि सिविल अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की भीड़ को कम करने में भी कारगर साबित होगी। हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने रविवार को जारी जानकारी में बताया कि सिविल अस्पतालों में बढ़ रही मरीजों की भीड़ को कम करने और रियायती दरों पर बीमारियों की टेस्ट सुविधा मुहैया करवाने के लिए जिला स्तर पर लैब खोलने का फैसला लिया है। अंकुश मिगलानी ने स्पष्ट किया कि जिला कार्यालयों में लैब स्थापित होने से लोगों को दूर-दराज के निजी केंद्रों पर महंगे टेस्ट करवाने की मजबूरी से राहत मिलेगी। पीपीपी मोड पर संचालित होने वाली जिला लैब में टेस्ट सीजीएचएस दरों पर किए जाएंगे, जिससे श्रमिकों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही जिला सिविल अस्पतालों के साथ भी समन्वय बनाया जाएगा।

जो क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं को तरसते थे वे विकास की मिसाल बने : सैनी

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो क्षेत्र कभी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसते थे, आज वही विकास की नई मिसाल बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने केवल वादे नहीं किए, बल्कि उन्हें पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतारकर दिखाया है। मुख्यमंत्री रविवार को बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव कांकरौला में आयोजित विकसित बादशाहपुर महारैली व मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के आवास आवंटन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने की। हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के समन्वय से यह आयोजन संपन्न हुआ। इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 2,709 लाभार्थियों को उनके आवास की चाबियां सौंपी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री एवं बादशाहपुर के विधायक राव नरबीर सिंह द्वारा प्रस्तुत मांग पत्र पर क्षेत्र के समग्र एवं सतत विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र को विकास के नए आयाम मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि फरुखनगर-गुरुग्राम मार्ग को लगभग 365 करोड़ रुपये की लागत से फोर-लेन किया जाएगा, जिसमें चंदू बाईपास का निर्माण भी शामिल है। इसी प्रकार गांव बुढ़ेड़ा में लगभग 65 लाख रुपये की लागत से एक आधुनिक सामुदायिक केंद्र का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि न्यू गुरुग्राम के सेक्टर-90 से 95 में भूमि उपलब्ध होने पर श्मशान घाट का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही गुरुग्राम, मानेसर और फर्रूखनगर में भूमि उपलब्धता के आधार पर फायर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड द्वारा 28.17 किलोमीटर लंबाई की 13 सड़कों तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा 84.86 किलोमीटर लंबाई की 30 सड़कों का रखरखाव किया जाएगा।

रादौर में बनेगा मिनी सचिवालय

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। यमुनानगर के रादौर उपमंडल में प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले मिनी सचिवालय भवन की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के लोगों को विभिन्न सरकारी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और समय व संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने बताया कि भवन में प्रशासन से जुड़े अनेक विभागों के कार्यालय स्थापित किए जाएंगे, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और सुविधा दोनों बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए इस प्रकार की परियोजनाएं लगातार आगे बढ़ाई जा रही हैं। जनप्रतिनिधि के रूप में उनका प्रयास है कि लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को गति दी जाए।

होमलैंड सिटी मॉल में गोपूजन कर किया अपना बचत बाजार का शुभारंभ

अनंत ज्ञान

ओम शर्मा, बद्दी। औद्योगिक क्षेत्र बद्दी के तहत चक्का रोड़ पर स्थित होमलैंड सिटी मॉल में अपना बचत बाजार का शुभारंभ सचिन शर्मा ने रीबन काटकर किया।

इससे पहले अपना बचत बाजार की प्रबंधक संजना व सोमवीर ने विधिवत गोपूजन कर छोटी गौमाता को अपना बचत बाजार परिसर में प्रवेश करवाया। अपना बचत बाजार की प्रबंधक सजना ने बताया कि अब बीबीएन के लोगों को एक छत के नीचे पुरुष, महिलाओं व बच्चों के रेडीमेड गारमेंट्स, हॉउस कीपिंग मैटीरियल, इलेक्ट्रॉनिक्स आईटम, फुटवेयर, हैंडलूम आइटम समेत हर तरह का बढ़िया घरेलू सामान सस्ते दामों पर उपलब्ध होगा। अपना बचत बाजार में उपभोक्ताओं के लिए कई तरह के ऑफर्स उपलब्ध रहेंगे। सजना ने बताया कि 4999 की शॉपिंग 2 हजार का ब्रांडेड सफारी बैग मात्र 300 रुपए में मिलेगा। इसके अलावा अलग अलग आईटम्स पर अलग अलग ऑफर्स का लाभ उठाकर लोग बचत कर सकते हैं। वहीं, प्रबंधक सोमवीर ने बताया कि जल्द ही अपना बचत बाजार एक मोबाइल ऐप लांच करेगा, जिस ऐप के माध्यम से लोग घर बैठे राशन व ग्रोसरी आईटम ऑनलाईन मंगवा सकते हैं जिसकी होम डिलवरी की उपभोक्ताओं को मिलेगी।

सोमवीर ने बताया कि अपना बचत बाजार जहां बीबीएन के लोगों को हर तरह का घरेलू सामान बढ़िया क्वालिटी के साथ सस्ते दामों पर घर बैठे उपलब्ध करवाएगा। वहीं, क्षेत्र के युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। अपना बचत बाजार में इस समय 20 से अधिक युवक युवतियों को रोजगार दिया गया है। वहीं मोबाइल ऐप लांच होते ही डोर टू डोर डिलीवरी सर्विस शुरू होने पर युवाओं को बतौर डिलीवरी बॉय नौकरी मिलेगी। इस मौके पर ओमैक्स पार्कवुड रेजिडेंट सोसाइटी के प्रधान जसविंदर लक्की, महासचिव देवेंद्र चौधरी, मैनेजर आदिल, मार्केटिंग मैनेजर सुनील, सक्षम, राहुल, कर्मवीर, अखिल दीक्षित, वरुण अग्रवाल, सुनील पांडे, प्रदीप दुवे, प्रभाकर, मनीष तिवारी, अनिल वन्याल, गुरप्रीत सिंह, कृष धुना, सुरेंद्र पांडे, उत्कर्ष, शिवम, बवेजा, विवेक कौशल, डबराल, पुनीत गर्ग, गौरव गुप्ता, अजीत, शिव वर्मा, राहुल, मोहित वर्मा, शिव चरण, धर्मेंद्र समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गुरुद्वारा अकाल आश्रम, सोहाना में 27 से 29 मार्च तक होगा वार्षिक गुरमत समागम

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। गुरुद्वारा गुरशब्द प्रकाश अकाल आश्रम, सोहाना में तीन दिवसीय वार्षिक गुरमत समागम 27 से 29 मार्च 2026 तक श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए भाई दविंदर सिंह खालसा व श्री गुरु हरिकृष्ण साहिब चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी गुरमीत सिंह ने बताया कि यह समागम संत बाबा अतर सिंह मस्तूआना साहिब और पंथ रतन भाई जसवीर सिंह खालसा खन्ना वाले की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भाई जसवीर सिंह खालसा द्वारा शुरू किए गए मानव सेवा के कार्य आज भी सोहाना अस्पताल के माध्यम से बड़े स्तर पर जारी हैं। समागम के दौरान प्रतिदिन कार्यक्रम सुबह 3 बजे श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश और नितनेम से शुरू होंगे। इसके बाद सिमरन साधना, आसा दी वार कीर्तन, गुरमत विचार, रहरास साहिब पाठ और शाम के कीर्तन कार्यक्रम आयोजित होंगे, जो रात 10:30 बजे तक चलेंगे। 28 मार्च (शनिवार) को सुबह 10:00 बजे महान अमृत संचार आयोजित किया जाएगा, जबकि 29 मार्च (रविवार) को सुबह 10:00 बजे विशाल रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। समागम में देश-विदेश से प्रसिद्ध रागी जत्थे, विद्वान व प्रचारक भाग लेंगे।

प्रमुख हस्तियों में सिंह साहिब ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज (जथेदार अकाल तख्त साहिब), ज्ञानी गुरमिंदर सिंह (ग्रंथी श्री दरबार साहिब), भाई दविंदर सिंह खालसा, ज्ञानी सरबजीत सिंह (लुधियाना वाले) और प्रिंसिपल सुखवंत सिंह शामिल हैं। 27 मार्च को गुरसिख इस्त्री सत्संग सभाओं द्वारा कीर्तन किया जाएगा। 28 मार्च को अमृत संचार के साथ गुरमत विचार और कीर्तन होंगे, जबकि 29 मार्च को समापन दिवस पर विशेष प्रवचन और श्री दरबार साहिब के हजूरी रागियों द्वारा कीर्तन किया जाएगा। यह पूरा समागम फतेह टीवी, संगत टेलीविजन और हरजस रिकॉर्ड्स पर लाइव प्रसारित किया जाएगा। प्रबंधकों ने संगत से परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

मान सरकार 'बेअदबी' के मामलों पर कोई नरमी नहीं बरतेगी

मुख्यमंत्री मान का संकल्प, 'बेअदबी' के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि पंजाब सरकार 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट-2008' में संशोधन करने व सख्त कानून लाने के लिए 13 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी। प्रस्तावित कानून में कड़ी सजा, भारी जुर्माना, संपत्ति जब्ती और डिजिटल माध्यम से किए गए अपराधों को भी शामिल किया जाएगा। इस कानून का मसौदा संत समाज और कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेकर तैयार किया जा रहा है।

सरकार ने स्पष्ट किया कि 'बेअदबी' के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। संत समाज व धार्मिक नेताओं के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, 'खालसा साजना दिवस के पवित्र अवसर पर यह सत्र बुलाया जाएगा और संत समाज व कानूनी विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर एक्ट बनाया जाएगा। इस घिनौने अपराध के दोषियों को उदाहरणीय सजा सुनिश्चित करने के लिए देशभर के प्रमुख वकीलों से भी राय ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्र के दौरान पंजाब सरकार द्वारा लागू किए गए जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट-2008 में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे, ताकि श्री गुरु ग्रंथ साहिब और अन्य धार्मिक ग्रंथों की 'बेअदबी' रोकने के लिए एक मजबूत और व्यापक कानून बनाया जा सके। संत समाज, विभिन्न संप्रदायों, टकसालों, निहंग सिंह समूहों, उदासी संप्रदायों, निर्मला संप्रदायों, कार सेवा जत्थों, रागियों और कथावाचकों को आमंत्रित करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें विशेष सत्र में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्पीकर कुलतार सिंह संधवां और विधायक डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर जल्द ही समाना का दौरा करेंगे, ताकि गुरजीत सिंह खालसा को अपना विरोध समाप्त करने और विशेष सत्र में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया जा सके। पंजाब सरकार संत समाज और श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करती है और सख्त कानून लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो किसी भी शरारती तत्व को 'बेअदबी' करने से रोकेगा।' पंजाब के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कानून में सख्त सजाएं, भारी जुर्माने और यहां तक कि दोषियों की संपत्ति जब्त करने का प्रावधान भी शामिल होगा। नया एक्ट डिजिटल सामग्री के माध्यम से की जाने वाली 'बेअदबी' के खिलाफ भी कार्रवाई का प्रावधान करेगा। धार्मिक ग्रंथों की 'बेअदबी' की घटनाओं को रोकने के लिए पंजाब सरकार पूरी ईमानदारी से काम कर रही है।' मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने संत समाज को भरोसा दिलाया कि सरकार सभी की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करती है और 'बेअदबी' के दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 'एक्स' पर लिखा, 'आज, अमृतसर साहिब स्थित सर्किट हाउस में संत समाज के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई, जहां पवित्र ग्रंथों की बेअदबी को रोकने के लिए 'जगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान अधिनियम-2008' में संशोधन पर विचार-विमर्श किया गया। इस संबंध में 13 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। हम पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को शब्द गुरु मानते हैं, जिनसे हमें सच, सेवा और मानवता की शिक्षाएं मिलती हैं। यदि कोई बेअदबी के माध्यम से हमारे विश्वास को ठेस पहुंचाने की कोशिश करता है, तो उसे कभी भी माफ नहीं किया जाएगा। दोषियों को कड़ी एवं अनुकरणीय सजा दी जाएगी और पंजाब की आस्था और सम्मान की रक्षा के लिए सख्त कानून बनाए जाएंगे।

पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने किया ब्रिटिश लॉरिएट स्कूल का दौरा

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, चंडीगढ़। पूर्व राज्यसभा सांसद अविनाश राय खन्ना ने ब्रिटिश लॉरिएट स्कूल का दौरा किया, जो विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए एक यादगार, प्रेरणादायक और रोचक अनुभव साबित हुआ। अपने दौरे के दौरान खन्ना ने स्कूल परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया व वहां मौजूद आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ जीवंत शैक्षणिक वातावरण की सराहना की।

उन्होंने स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के समग्र विकास पर दिए जा रहे जोर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. (कर्नल) अतुल भंडारी, डायरेक्टर प्रिंसिपल तथा फैकल्टी सदस्यों के साथ संवाद किया। बातचीत के दौरान शैक्षणिक संस्थानों की बदलती भूमिका और शिक्षण में नवाचार अपनाने के महत्व पर विचार-विमर्श किया गया।

स्कूल की सुविधाओं और स्वागतयोग्य माहौल से प्रभावित होकर खन्ना ने कहा कि यह संस्थान शिक्षा के प्रति उत्कृष्टता और प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने जल और ऊर्जा संरक्षण जैसी टिकाऊ आदतों को अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दौरे का समापन एक सकारात्मक माहौल में हुआ, जिससे स्कूल समुदाय में उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ।

स्पोर्ट्स विंडो

केन ने फिर किया गोल, खिताब के और करीब पहुंचा बायर्न बुंडेसलीगा

एजेंसी, बर्लिन। इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी हैरी केन ने एक बार फिर गोल किया जिससे बायर्न म्यूनिख ने यूनियन बर्लिन को 4-0 से हराकर 14 वर्षों में अपना 13वां बुंडेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीतने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाया। केन ने हाफ टाइम के बाद जर्मनी की इस लीग के वर्तमान सत्र में अपना 31वां गोल दागा। अभी इस लीग में सात दौर का खेल होना बाकी है और ऐसे में केन के पास रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के एक सत्र में सर्वाधिक 41 गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। बायर्न की तरफ से सर्गे ग्नाब्री ने दो गोल किए और माइकल ओलिस ने भी एक गोल दागा। इस तरह से उसके इस सत्र में 97 गोल हो गए हैं और वह 1971-72 में बनाए गए 101 गोल के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच गया है। बायर्न के इस जीत से 27 मैच में 70 अंक हो गए हैं और वह दूसरे नंबर पर काबिज डॉर्टमंड से नौ अंक आगे हो गया है। (अनंत ज्ञान)

लिवरपूल और चेल्सी पर चैंपियंस लीग से बाहर होने का खतरा

एजेंसी, लिवरपूल। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है। लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया। लिवरपूल लीग में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वह चेल्सी से एक अंक और एक स्थान आगे है। प्रीमियर लीग में शीर्ष पांच में रहने वाली टीम ही अगले सत्र के लिए चैंपियंस लीग में जगह बनाएंगी। (अनंत ज्ञान)

आयरलैंड का दौरा रद्द कर बांग्लादेश इंडिया की मेजबानी की तैयारियों में जुटा

एजेंसी, नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सितंबर 2026 में होने वाले अपनी टीम के आयरलैंड दौरे को फिलहाल स्थगित कर दिया है। बांग्लादेश इस दौरान भारत की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि सितंबर 2026 में प्रस्तावित बांग्लादेश का आयरलैंड दौरा टाल दिया गया है क्योंकि वे उस दौरान भारत की मेजबानी की योजना बना रहे हैं। क्रिकबज के अनुसार, क्रिकेट आयरलैंड ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को सूचित किया है कि वे 2026 के भीतर पुनर्निर्धारण की व्यवस्था करने में असमर्थ होंगे। यह सूचना बीसीबी द्वारा यह बताने के बाद दी गई कि वे सितंबर में यात्रा करने में असमर्थ होंगे क्योंकि वे उस दौरान भारत की मेजबानी करने की योजना बना रहे हैं। दोनों बोर्ड इस बात पर सहमत हुए कि श्रृंखला को टाल दिया जाए क्योंकि दोनों पक्ष सितंबर की निर्धारित अवधि में इसे आयोजित करने में असमर्थ थे। भारतीय टीम को 2025 में बांग्लादेश का दौरा करना था, लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता, सुरक्षा चिंताओं और तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया। अब इस साल यह दौरा होने की संभावना है। हालांकि भारत का यह दौरा अभी अंतिम रूप से तय नहीं है। अगर भारत सरकार से मंजूरी मिली तो भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश पहुंच सकती है। (अनंत ज्ञान)

पाउला क्रीमर का खूबसूरत अंदाज

अमेरिका। पाउला क्रीमर एक अमेरिकी पेशेवर गोल्फर हैं। एक पेशेवर के रूप में, उन्होंने 12 टूर्नामेंट जीते हैं, जिनमें 10 एलपीजी टूर इवेंट शामिल हैं। क्रीमर महिला विश्व गोल्फ रैंकिंग में दूसरे स्थान पर रही हैं। वह 2010 की यूएस महिला ओपन चैंपियन थीं।

न्यूजीलैंड ने द. अफ्रीका को 6 विकेट से हराया

पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त बनाई, आखिरी मैच क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में 25 को

जेंसरी, वेलिंगटन

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मैच 25 मार्च को क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में खेला जाएगा।

वेलिंगटन में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन एनेरी डर्कसेन ने बनाए। उन्होंने 32 गेंदों में नाबाद 55 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी में आठ चौके और एक छक्का शामिल था।

डर्कसेन के अलावा सलामी बल्लेबाज सुने लूस ने 29 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 30 रन बनाए। इनके अलावा नादिन डी क्लर्क 20 रन, क्लो ट्रायोन ने 14 रन, कायला रेनेके ने 13 रन और कप्तान

लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 10 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके।

कप्तान अमेलिया केर और सोफी डिवाइन को एक-एक सफलता मिली। 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विकेटकीपर

◆ न्यूजीलैंड की जेस केर ने 16 रन देकर झटके तीन विकेट

बल्लेबाज इसाबेला गेज 6 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद जॉर्जिया प्लिमर और कप्तान अमेलिया केर ने पारी को आगे बढ़ाया। जॉर्जिया ने जहां 22 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 29 रन बनाए, वहीं कप्तान केर ने 29 गेंदों में चार चौकों की मदद से 31 रन की पारी खेली। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद अनुभवी सोफी डिवाइन ने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिला दी।

उन्होंने 34 गेंदों पर चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 64 रनों की विस्फोटक पारी खेली। ब्रूक हैलिडे 16 और मैडी ग्रीन 09 रन बनाकर नाबाद रहीं। डिवाइन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से क्लो ट्रायोन ने दो विकेट लिए, जबकि डर्कसेन और एन म्लाबा को एक-एक विकेट मिला। (अनंत ज्ञान)

फैनी ने टी-20 डेब्यू में लगाया शतक

एजेंसी, रवांडा। रवांडा की 15 साल की फैनी उतागुशिमानिंदे ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू मैच में शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी-20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ 65 गेंद में नाबाद 111 रन बनाए। फैनी ने न सिर्फ डेब्यू पर शतक का रिकॉर्ड बनाया, बल्कि वे महिला टी-20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बन गई हैं। शतक पूरा करते समय उनकी उम्र 15 साल 223 दिन थी। इससे पहले यह रिकॉर्ड युगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था, जिन्होंने 2019 में माली के खिलाफ 16 साल 233 दिन की उम्र में 116 रन बनाए थे। फैनी ने महिला टी-20 डेब्यू में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 19 साल पहले बने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है। 2005 में ऑस्ट्रेलिया की कैरेन रोलटन ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले मैच में नाबाद 96 रन बनाए थे। फैनी की शतकीय पारी की बदौलत रवांडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 210 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। (अनंत ज्ञान)

इरफान बोले-सही दिशा में आगे बढ़ रही है पंजाब किंग्स की टीम

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब 'सही दिशा में आगे बढ़ रही है' जिससे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पठान ने 'आईपीएल टुडे लाइव' पर कहा कि नेतृत्व में स्पष्टतता और अच्छी टीम का चयन करने से पंजाब बेहतर प्रदर्शन करने लग गया है। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली यह टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। उन्होंने कहा, ''पंजाब के लिए टीम को नया स्वरूप देने में उसके नेतृत्व ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। आप आईपीएल के आधे मैच नीलामी में जीतते हैं। बड़ी रकम का मतलब यह नहीं है कि आपको हमेशा वही मिलेगा जो आप चाहते हैं, लेकिन उन्हें वही मिला और वे फाइनल तक पहुंचे।' पठान ने कहा कि पंजाब किंग्स ने ग्लेन मैक्सवेल जैसे खराब

प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बाहर करने का कड़ा फैसला किया और अपनी बेंच स्ट्रेंथ भी मजबूत की। उन्होंने कहा, ''पंजाब किंग्स ने कुछ साहसिक लेकिन महत्वपूर्ण फैसले किए। अब उसके पास अजमतुल्लाह उमरज़ई, मार्को यानसेन और मार्कस स्टोइनिस जैसे ऑलराउंडर तथा अच्छे युवा भारतीय बल्लेबाज हैं। श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाने का फैसला करने के बाद उन्होंने उन पर पूरा भरोसा जताया। टीम में स्पष्टता है और मुझे लगता है कि पंजाब सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।' एक अन्य विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा ने कहा कि पूर्व में टीमों में लगातार बदलाव के कारण पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, ''जहां सफलता नहीं मिलती, वहां टीमें लगातार फेरबदल करती रहती हैं। एक टीम के 15 तो दूसरी के 17 कप्तान हो चुके हैं। अगर आप अपनी वर्तमान स्थिति को बदलना चाहते हैं, तो स्थिरता अनिवार्य है।' (अनंत ज्ञान)

पाकिस्तानी लीग में दर्शकों की एंट्री बैन

एजेंसी, कराची। पाकिस्तान ने खर्च कटौती अभियान के तहत अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) 2026 में दर्शकों की स्टेडियम में एंट्री नहीं होगी। इसके साथ ही टूर्नामेंट के सभी मैच सिर्फ लाहौर और कराची में खेले जाएंगे। 26 मार्च से शुरू होने वाली लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी रद्द कर दी गई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बताया कि इस पर प्रधानमंत्री और सुरक्षा एजेंसियों के साथ चर्चा के बाद निर्णय लिया गया। नकवी ने कहा, सरकार ने मौजूदा आर्थिक स्थिति को देखते हुए लोगों की आवाजाही सीमित रखने की सलाह दी है। ऐसे में स्टेडियम में हजारों दर्शकों को लाना सही नहीं था, इसलिए मैच खाली स्टेडियम में कराने का फैसला किया गया। कच्चे तेल के रेट दोगुने होने से पाकिस्तान सरकार को पेट्रोल-डीजल महंगा पड़ रहा है, लेकिन सरकार ने इसके मुताबिक रेट नहीं बढ़ाए हैं, जिससे बढ़ी कीमतों का असर सरकारी खजाने पर पड़ रहा है। (अनंत ज्ञान)

आईपीएल में लखनऊ के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

पिछले साल बैट से किया था निराश, इस बार अच्छा प्रदर्शन करने का है दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की टी-20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है।

इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे। पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। (अनंत ज्ञान)

थाइलैंड में एएफसी टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन करेंगी भारतीय खिलाड़ी : जोआकिम

भारतीय अंडर-20 महिला टीम में काफी सुधार

एजेंसी, नई दिल्ली

मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडर्सन ने कहा कि एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद से भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने काफी सुधार किया है और उन्होंने भरोसा जताया कि थाइलैंड में होने वाले टूर्नामेंट में उनकी टीम एशिया की मजबूत टीमों के सामने कड़ी चुनौती पेश करेगी।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पहले ही बैंकॉक पहुंच चुकी है। ग्रुप सी में उसका पहला मैच दो अप्रैल को जापान के खिलाफ होगा। इसके बाद वह पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और आठ अप्रैल को चीनी ताइपे का सामना करेगी। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें, साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमें इस वर्ष के अंत में पोलैंड में होने वाले फीफा अंडर-20 महिला विश्व

◆ भारत का 2 अप्रैल को जापान के खिलाफ होगा पहला मुकाबला

कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

एलेक्जेंडर्सन ने कहा कि अगस्त में क्वालीफाई करने के बाद टीम ने सभी विभागों में काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, 'काफी सुधार हुआ है। मैंने उन्हें अच्छे मूव बनाते हुए देखा है। मैंने तेज पासिंग और अंतिम छोर पर अधिक स्पष्टता देखी है। रक्षा पंक्ति में भी हमने बहुत सुधार किया है। विशेष कर गोलकीपिंग में काफी सुधार हुआ है। हमने सुधार करने के लिए जिन क्षेत्रों की पहचान की थी उन सभी में अच्छी प्रगति हुई है।' भारत को चुनौती पूर्ण ग्रुप में रखा गया है लेकिन कोच को विश्वास है कि उनकी टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

उन्होंने कहा, 'यह वाकई एक कठिन ग्रुप है। जापान इस स्तर पर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और ऑस्ट्रेलिया भी बहुत मजबूत और शारीरिक रूप से सक्षम है। यह महत्वपूर्ण है कि हम इन विरोधियों का सम्मान करें, लेकिन उनसे डरें नहीं। हम आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहते हैं, हम न केवल बचाव करना चाहते हैं, बल्कि गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखना और खुलकर खेलना भी चाहते हैं।' (अनंत ज्ञान)

जीशान ने ईशान को आउट कर बाहर जाने का किया इशारा

एजेंसी, बेंगलुरु। आईपीएल-2026 की शुरुआत 28 मार्च से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनिंग मैच के साथ होने वाली है। इससे पहले अब बीते शनिवार यानी 21 मार्च को हैदराबाद ने एक प्रैक्टिस मैच भी खेला। इस मैच में गेंदबाज जीशान अंसारी ने अपने स्टेंड इन कप्तान ईशान किशन को आउट कर उंगली उठाकर उन्हें बाहर जाने का इशारा किया। इसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, ईशान किशन हंसते हुए बाहर चले गए। दरअसल, यह घटना दूसरी पारी के 8वें ओवर में हुई, जिसे 26 साल के लेग स्पिनर जीशान अंसारी गेंदबाजी कर रहे थे। ईशान किशन ने ओवर की शुरुआती चार गेंदों पर दो छक्के और दो चौके जड़कर 20 रन बना लिए। हालांकि, अगली ही गेंद पर जीशान अंसारी ने उन्हें डीप स्क्वायर लेग पर कैच आउट करा दिया। (अनंत ज्ञान)

विदेशी खिलाड़ियों के नहीं खेलने से बिगड़े कुछ टीमों के समीकरण

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने से आईपीएल में हिस्सा न लेने के चलते कुछ आईपीएल टीमों के समीकरण बिगड़ते नजर आ रहे हैं। अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे। सनराइजर्स के एक अन्य ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर में चोट लगने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी चोटिल होने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से शुरू के कुछ मैच में नहीं खेल पाएंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स को ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी क्योंकि वह हैमस्ट्रिंग की चोट के और बढ़ जाने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख गेंदबाज मिचेल स्टार्क का भी शुरू के कुछ मैचों में खेलना संदिग्ध है क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर को देखते हुए उनके कार्यभार पर नजर रख रहा है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी पंजाब किंग्स की तरफ से शुरुआती दौर के मैचों में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह अपने परिवार और नवजात बेटे के साथ कुछ समय बिताना चाहते हैं। (अनंत ज्ञान)

दौड़ | 21 वर्षीय एथलीट ने 60 मीटर की दौड़ 6.41 सेकेंड में पूरी कर रचा इतिहास

इंडोर चैंपियनशिप में अमेरिका के एंथनी ने जीता गोल्ड

एजेंसी, टोरुन

ट्रैक एंड फील्ड की दुनिया में एक नई स्प्रिंट सनसनी उभरकर सामने आई है। अमेरिका के 21 वर्षीय जॉर्डन एंथनी ने वर्ल्ड इंडोर चैंपियनशिप की 60 मीटर दौड़ में गोल्ड जीतकर न सिर्फ इतिहास रचा, बल्कि अपनी संघर्ष भरी कहानी से सभी को प्रेरित भी किया। एंथनी ने 6.41 सेकंड का समय निकाला, जो इतिहास का चौथा सबसे तेज समय है।

रेस से सिर्फ 36 घंटे पहले उन्हें गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा था। पोलैंड पहुंचने के बाद डोप टेस्ट के दौरान एक अधिकारी ने जब खून लिया तो सुई नस में नहीं लगी, बल्कि बाहर लग गई, जिससे उनके हाथ में ब्लड क्लॉट हो गया। वे अपना हाथ ठीक से हिला भी नहीं पा रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और

दर्द के साथ ही मैदान में उतरने का फैसला किया। रोमांचक फाइनल में कांटे की टक्कर दिखी। जमैका के किशाने थॉम्पसन ने 6.45 सेकंड के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि अमेरिका के ट्रेवॉन ब्रोमेल ने भी 6.45 सेकंड के साथ ब्रॉन्ज हासिल किया। इसका फैसला फोटो फिनिश से हुआ। ब्रिटेन के जेरमायाह अजू महज 0.01 सेकंड से मेडल से चूक गए।

जॉर्डन एंथनी (दाएं) ने ट्रेवॉन ब्रोमेल (बाएं) को पीछे छोड़ा, जिन्हें ब्रॉन्ज मिला, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के जेरेमिया आजू भी पीछे रहे। उन्होंने कहा, 'मैं दूसरों की रेस देखता हूं। यह ठीक वैसा ही है जैसे फुटबॉल में हम दूसरी टीम का विश्लेषण करते हैं।

ट्रैक एंड फील्ड में कई लोग ऐसा नहीं करते, लेकिन मैं माइंड गेम पर ध्यान देता हूं। मुझे पता होता है कि सामने वाला क्या अच्छा करता है और क्या नहीं।' (अनंत ज्ञान)

नौ महीने पहले फुटबॉल छोड़कर चुना एथलेटिक्स

जॉर्डन एंथनी की कहानी और भी खास इसलिए है क्योंकि उन्होंने महज नौ महीने पहले ही पेशेवर एथलेटिक्स में कदम रखा है। इससे पहले वे कॉलेज फुटबॉल में अर्कांसस रेजरबैक्स टीम से खेलते थे। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने एनएफएल का सपना क्यों छोड़ा, तो उन्होंने साफ कहा, 'क्योंकि यहां कोई मुझे टक्कर मारने के लिए मेरी तरफ नहीं दौड़ रहा है।'

ओलिंपिक 2028 में गोल्ड मेडल जीतना है लक्ष्य

इस जीत से एंथनी का आत्मविश्वास बढ़ गया है। उन्होंने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैंने डेब्यू में गोल्ड जीता और इसे अमेरिका लेकर जा रहा हूं। मैंने कॉलेज फुटबॉल में ज्यादा दर्शकों के सामने खेला है, लेकिन यहां आकर मैं ज्यादा उत्साहित था। यह मेरे लिए आसान लगा।' अब उनका अगला लक्ष्य लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 में गोल्ड जीतना है।

डुप्लांटिस ने लगातार चौथी बार जीता विश्व इंडोर पोल वॉल्ट खिताब

एजेंसी, टोरुन। आर्म्ड डुप्लांटिस ने यूनान के एम्मानौइल करालिस से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए पोल वॉल्ट में एक और विश्व खिताब जीता। डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार विश्व इंडोर चैंपियनशिप जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रिकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है। इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी 6.05 मीटर तक ही पहुंच पाए। डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई। करालिस ने 6.10 और 6.15 मीटर की लंबाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 6.25 पर अपने प्रयास में चूक गए, और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे। डुप्लांटिस ने अपना पोल एक तरफ रख दिया और अपने 6.31 मीटर के उस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया, जो उन्होंने पिछले सप्ताह स्वीडन में मोंडो क्लासिक प्रतियोगिता में बनाया था। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र
'अनंत ज्ञान' की प्रति प्राप्त करने
समाचार, विज्ञापन, शुभकामना संदेश
एवं निविदा प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें।
''अनंत ज्ञान – आपकी आवाज, आपका समाचार पत्र''
शिमला – सत्यदेव भारद्वाज, ब्यूरो चीफ, मो. 70181-60595
धर्मशाला – राजेश कुमार, जिला प्रभारी, मो. 98164-48474
सोलन – मोहन चौहान, जिला प्रभारी, मो. 94181-57519
मंडी – अनिल शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 94189-80288
हमीरपुर – विक्रम ढटवालिया, ब्यूरो चीफ, मो. 94180-03422
बिलासपुर – अरुण डोगरा, जिला प्रभारी, मो. 90159-09310
चंबा – राहुल सहगल, वरिष्ठ संवाददाता, मो. 78278-66759
ऊना – राजेश शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 98163-96500
कुल्लू एवं लाहौल/स्पीति – कमलेश वर्मा, जिला प्रभारी, मो. 86298-97600
पठानकोट – अशोक ठाकुर, विशेष संवाददाता, मो. 94184-85666
चंडीगढ़/मोहाली – गुरनाम सागर, स्टाफ रिपोर्टर, मो. 99153-26615
Head Office:- Plot No.8, Phase-II, Ind. Area Nagrota Bagwan, Distt. Kangra (H. P.)- 176047
Contact: 01892-299098, 98168-75517
Email: anantgyaanmedia@gmail.com